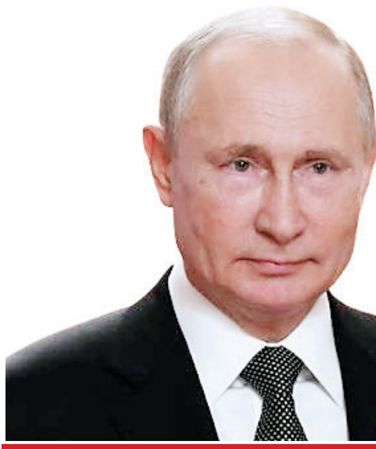

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पश्चिमी देशों को चेताया, कहा- रूस पर....

रोहित-कोहली के लिए अहम होगा मौका.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 162 | नई दिल्ली, शनिवार 03 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 32.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां 50%

नहीं 20%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 1,51,000

चांदी 2,54,212

सेंसेक्स 74,665.26

निफ्टी 24,852.47

सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन आप नेता आतिशी, भारद्वाज, संजय सिंह और छात्रों सहित 700 लोग हिरासत में लिए गए

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, आतिशी और संजय सिंह के साथ-साथ कुछ छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं सहित 700 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। राजनीतिक दल और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) तथा अन्य छात्र संगठनों के सदस्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थल पर किसी भी अनधिकृत जमावड़े को रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस ने कहा कि उसने आप नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को नॉर्थ एवेन्यू में रोक दिया, जिससे वह प्रदर्शन स्थल की ओर नहीं बढ़ सके। भारद्वाज ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें और झा को हिरासत में लिया गया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आंदोलन जारी रखने और जंतर-मंतर पहुंचने का आग्रह किया। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि एसएफआई के करीब 700 कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश की और उन्हें अशोका रोड गोलचक्कर पर रोक दिया गया, जिनमें से कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि आप नेताओं, आइसा, एसएफआई और अन्य छात्र संगठनों सहित लगभग 700 प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर और उसके आसपास से हिरासत में लिया गया। पहले एक अन्य अधिकारी ने बताया था कि करीब 150 लोगों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन स्थल और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस ने जंतर-मंतर और उसके आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं, अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है और प्रदर्शनकारियों को स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर बैरिकेड लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस के जवान भी बार-बार सार्वजनिक घोषणा कर रहे थे और लोगों से जंतर-मंतर पर इकट्ठा न होने के लिए कह रहे थे क्योंकि विरोध स्थल पर किसी भी सभा की अनुमति नहीं दी गई थी। एसएफआई की महासचिव आइशी घोष ने कहा कि डीवाईएफआई और एसएफआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

महात्मा गांधी के विचारों ने पूरी दुनिया को प्रेरित किया, पीएम मोदी ने राजघाट जाकर बापू को पुष्पांजलि अर्पित की

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पर उनको पुष्पांजलि अर्पित की। शुक्रवार को देशभर में महात्मा गांधी की जयंती मनाई जा रही है। पीएम की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, बापू का कालजई संदेश हमें एक बेहतर समाज और विकसित भारत की ओर प्रेरित करता रहे। प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया गया। इस वीडियो के माध्यम से उन्होंने कहा, ह्ल2 अक्टूबर का हमारे राष्ट्र के लिए क्या महत्व है, इसे बच्चा-बच्चा जानता है। महात्मा गांधी के विचारों ने पूरी दुनिया को प्रेरित किया है। महात्मा गांधी ऐसे ही व्यक्ति थे और सत्ता से इतना दूर रहने के बावजूद आज भी वे करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। पीएम ने आगे कहा, मैं समझता हूं कि जब तक मानवता के साथ गांधी जी के विचारों का प्रवाह बना रहेगा, तब तक गांधी जी की प्रेरणा और प्रासंगिकता भी हमारे बीच बनी रहेगी। गांधी जी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और उनमें खादी सबसे प्रमुख थी। आप सभी से मेरा आग्रह है कि दो अक्टूबर को कोई न कोई खादी उत्पाद जरूर खरीदें। गर्व से कहें कि ये स्वदेशी है प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर कर लिखा, ह्लपूज्य बापू का संपूर्ण जीवन सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा का ऐसा प्रकाशस्तंभ है, जो हर युग में मानवता का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।ह्व उनकी ओर से संस्कृत श्लोक, ह्लअद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करुण एव च। निर्ममो निरहङ्कारः समदुःखसुखः क्षमी॥ साझा किया गया। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि जो व्यक्ति किसी भी प्राणी से द्वेष नहीं करता, सबसे प्रति मैत्री करुणा का भाव रखता है, जो ममता और अहंकार से रहित है, सुख-दुख में समभाव रखता है, और क्षमाशील है- वही श्रेष्ठ साधक है।

पीएम मोदी ने जांबाज भारतीय पायलट स्मित मच्छार से की बात, बोले- आप पर पूरे देश को गर्व

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय पायलट स्मित मच्छार से बात की है। उन्होंने स्मित मच्छार से उनका हालचाल जाना और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि आपने अपने जीवन की परवाह नहीं की, बल्कि यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात यह है कि आपने 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। पीएम मोदी ने स्मित से कहा कि पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा है। महामृत्युंजय के जाप चल रहे हैं। आपकी हिम्मत, धैर्य और सूझबूझ ने लोगों की जान बचाई है। आज पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हम हिंदुस्तानी जान लेने वाले लोग नहीं है, बल्कि जान बचाने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा, आपके शरीर पर इतना बड़ा घाव हुआ और स्वयं जीवन और मृत्यु की लड़ाई लड़ रहे थे। उस समय भी आपने अपने जीवन की परवाह नहीं की, बल्कि यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात यह है कि आपने 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। इसलिए मैं हृदय से गर्व अनुभव करता हूं। स्मित के परिजनों से बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ह्लमुझे कल भूपेंद्र भाई और गीताबेन से बात करने का अवसर मिला।

गांधी जयंती पर राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति ने पुष्पांजलि अर्पित की, पूर्व पीएम लाल बहादुर को किया नमन

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने पुष्पांजलि अर्पित की है। राष्ट्रपति ने राजघाट जाकर बापू को पुष्पांजलि अर्पित की। उनकी ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, ह्लराष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर, मैं सभी देशवासियों की ओर से उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। राष्ट्रपति ने एक संदेश में लिखा, ह्लविश्व समुदाय द्वारा गांधीजी के जीवन और आदर्शों को बहुत सम्मान दिया जाता है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में अशांति और युद्ध का वातावरण है तथा सभी देशों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी स्थितियों में महात्मा गांधी के शांति और अहिंसा के संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने आगे लिखा, ह्लवर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर हमारा देश आगे बढ़ रहा है। विकास की इस यात्रा में संवेदनशीलता और समावेश के मूल्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कोई भी देशवासी विकास के लाभ से वंचित न रहे। यह महात्मा गांधी के ह्यसर्वोदयह्ल के आदर्श के अनुरूप है, जिसमें सभी के कल्याण और उत्थान की भावना निहित है। आइए, गांधी जयंती के शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि अपने नैतिक आचरण तथा सक्रिय भागीदारी द्वारा आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में पूरी निष्ठा से अपना योगदान देंगे। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विजय घाट पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके कार्यालय आधिकारिक एक्स हैंडल से लिखा गया, ह्लराष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को उनकी जयंती पर राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सत्य और अहिंसा में उनकी अटूट आस्था, न्याय के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और हर व्यक्ति की गरिमा में उनका गहरा विश्वास आज भी मानवता को प्रेरित करता है।

संक्षिप्त खबरें

वायुसेना की तरंग शक्ति की रफ्तार, आसमान में दिखा साझेदारी का दम

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना द्वारा बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास ह्यतरंग शक्ति 2026ह्ल आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में विभिन्न देशों की वायुसेनाओं की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान के जोधपुर में चल रहे इस अभ्यास में भारत के साथ कई देशों की वायुसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त हवाई अभियानों के जरिए आपसी तालमेल, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं को समझने का अवसर देना है। इस बार अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमानों की भागीदारी भी खास आकर्षण है। छह एफ-35 विमानों के साथ अमेरिकी वायुसेना अभ्यास में शामिल है। भारतीय वायुसेना के साथ एफ-35 की किसी अभ्यास में यह पहली भागीदारी है। यही कारण है कि एफ-35ए की भारत में इस अभ्यास के दौरान भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह विमान पहले भारत में एयरो शो के दौरान दिखाई दे चुका है, लेकिन तरंग शक्ति में इसकी सैन्य अभ्यास के रूप में पहली भागीदारी हुई है। यहां विभिन्न अभ्यास केवल विमानों की उड़ानों तक सीमित नहीं है। इसमें वायु दलों, अभियान योजनाकारों और जमीन पर काम करने वाले कर्मियों के बीच पेशेवर संवाद भी हो रहा है। इसके अलावा संगोष्ठी, औद्योगिक भ्रमण, विरासत स्थलों का दौरा, योग और अन्य गतिविधियों के जरिए भाग लेने वाले देशों के कर्मियों को एक-दूसरे को करीब से समझने का अवसर मिल रहा है। अभ्यास की खास तस्वीर जमीन और आसमान दोनों जगह दिखाई दे रही है। विभिन्न देशों के वायु योद्धा यहां आपस में संवाद व संपर्क कर रहे हैं। वायुसेना के अधिकारी अनुभव साझा करने के साथ ही पेशेवर संबंध भी मजबूत कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भारतीय आसमान में अलग-अलग देशों के लड़ाकू विमान तेज गति से उड़ान भरते हुए संयुक्त प्रशिक्षण अभियानों में हिस्सा ले रहे हैं। साझेदारी में शक्ति यानी पावर इन पार्टनरशिप इस अभ्यास की मुख्य भावना है। भारतीय वायुसेना के साथ ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश की वायुसेनाएं अभ्यास में शामिल हैं।

सत्य, अहिंसा और निर्भयता, यही बापू की सबसे बड़ी विरासत, गांधी जयंती पर राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और निडरता के संदेश का जिक्र किया और कहा कि यही महात्मा गांधी की सबसे बड़ी विरासत है। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार सुबह राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के मौके पर गांधी जी की समाधि पर आयोजित सर्व-धर्म प्रार्थना में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान देशभर के नेताओं और नागरिकों ने गांधी जयंती मनाई और शांति, अहिंसा व स्वच्छता के उनके संदेश को याद किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, ह्लसत्य, अहिंसा और निर्भयता, यही बापू की सबसे बड़ी विरासत है। उन्होंने सिखाया कि अन्याय के सामने कभी झुकना नहीं, सत्य और अहिंसा के साथ डटे रहना ही सच्ची ताकत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।ह्व मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर राजघाट पहुंचकर गांधी समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्लसत्य को शक्ति, अहिंसा को साहस और सत्याग्रह को अन्याय के विरुद्ध सबसे प्रभावशाली अस्त्र बनाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी, बल्कि पूरी दुनिया को मानवता, करुणा और शांति का मार्ग दिखाया। खड़गे ने आगे लिखा, आज जब उनके विचारों और मूल्यों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हैं, तब बापू के सत्य, अहिंसा, सद्भाव और न्याय के सिद्धांतों पर अडिग रहना ही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। गांधी जयंती पर बापू को विनम्र नमन और सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

राष्ट्र और धर्म अलग नहीं, जब राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म पर खतरा आता है : मोहन भागवत

प्रातः किरण, एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने समर्पण, राष्ट्र और धर्म को लेकर अपनी बात रखी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, ह्लइन दो चीजों (राष्ट्र और धर्म) को व्यवहार में अपनाने की कोशिश करो। अगर आप इन्हें अपने कर्मों से दिखा सकते हो, तो वही काफी है। यह उपदेश देने की बात नहीं है लेकिन एक बार आप देखेंगे कि संघ में भी लाखों लोग बिना कुछ मांगे अपना समय और पैसा देश की सेवा में लगाते हैं। उन्होंने समर्पण के महत्व को समझाते हुए कहा, ह्लअगर समर्पण किसी नेक और दिव्य लक्ष्य के लिए हो, किसी सुंदर कारण के लिए हो, या किसी पवित्र उद्देश्य के लिए हो, तो वह व्यक्ति के जीवन को स्वर्ग बना सकता है। आप भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसे ही एक उद्देश्य के लिए खुद को समर्पित करने के लिए बुलाया गया है। नहीं तो जीवन में ऐसा सार्थक काम खोजने के लिए कई जन्मों तक तपस्या करनी पड़ती है। शायद आपने अपने पिछले जन्मों में से किसी एक में ऐसा किया भी होगा। मोहन भागवत ने राष्ट्र और धर्म के संबंध पर बोलते हुए कहा, ह्लहमारी परंपरा में राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है, और धर्म राष्ट्र की सेवा के लिए है। दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है, अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं हो सकता। जब राष्ट्र कमजोर होता है, तो धर्म पर खतरा आता है। जब धर्म का अभ्यास कमजोर होता है, तो राष्ट्र का पतन होता है। इसलिए दोनों को सही तरीके से एक साथ आगे ले जाना हमारी जिम्मेदारी है। जब पढ़ाई के प्रति समर्पित युवा छात्र इस ज्ञान परंपरा की रक्षा के लिए समय निकालते हैं, तो यह राष्ट्रीय कार्य भी है और धर्म का कार्य भी है। उन्होंने कहा, हर खुशी अधूरी रहती है। हर आकांक्षा के साथ कोई न कोई नुकसान जुड़ा होता है। हर निष्ठा किसी न किसी दूसरी निष्ठा से टकराती है। अतिवाद है, संतुलन नहीं है, कोई मध्यम मार्ग नहीं है और इसीलिए दुनिया परेशान है। और दुनिया जानती है कि आगे का रास्ता भारत से ही आएगा।

पंजाब कांग्रेस के नेता अमरिंदर सिंह वडिंग ने राहुल गांधी से मुलाकात कर सौंपा इस्तीफा

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के नेता अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात की और पार्टी की राज्य इकाई के नेतृत्व को लेकर चल रही गतिविधियों के बीच उन्हें पंजाब अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता से मुलाकात के बाद वडिंग ने मीडिया से कहा, ह्लराहुल गांधी ने मुझे बहुत प्यार दिया। उन्होंने पंजाब के हालात, सरकार के कामकाज और हमें क्या करना चाहिए, इस बारे में जानकारी ली। मैंने उनके साथ राज्य अध्यक्ष के तौर पर अपने साढ़े चार साल के अनुभव साझा किए कि हमें उन चुनौतियों का सामना कैसे करना है और हमारी ताकत क्या है। उनके साथ इस बारे में पूरी चर्चा हुई। मुलाकात से पहले वडिंग ने कहा, ह्लमैं बॉस से मिलने जा रहा हूं। मैंने हमेशा राहुल-जी से वही कहा है जो मेरे दिल में है।ह्व कांग्रेस नेतृत्व ने अभी तक उनके उत्तराधिकारी के नाम का औपचारिक ऐलान नहीं किया है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब वडिंग ने अपने सोशल मीडिया बायो को बदलकर ह्लपूर्व पीपीसीसी अध्यक्षह्व कर दिया था, जिससे पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ने का संकेत मिला था अपने इस्तीफे और राज्य में पार्टी के नए प्रमुख की नियुक्ति को लेकर चल रही अटकलों के बीच वडिंग गुरुवार शाम दिल्ली गए थे।

एमएमडीआर संशोधन विधेयक पर सियासत तेज, संजय सेठ बोले-देश संविधान से चलता है, जिद से नहीं

रांची,। झारखंड में एमएमडीआर संशोधन विधेयक 2026 को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) इस विधेयक का लगातार विरोध कर रही है। वहीं भाजपा सांसद संजय सेठ ने इस विरोध पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि देश संविधान और कानून से चलता है, किसी की जिद से नहीं। रांची में मीडिया से बात करते हुए संजय सेठ ने कहा, ह्लदेश संविधान से चलता है। जब संसद के अंदर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा हुई, विधेयक पास हुआ और राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर कर दिए तो देश में कानून बन गया। फिर यह कहना कि हम नहीं मानेंगे, यह कहां तक उचित है? उन्होंने कहा कि देश ने कानून बनाया है और बाबा साहब अंबेडकर के बनाए संविधान से ही देश चल रहा है। उन्होंने कहा, लूट की छूट नहीं दे सकते। हम अवैध खनन नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि अवैध खनन से राज्य के राजस्व को भारी नुकसान होता है। करोड़ों रुपये जो सरकारी खजाने में आने चाहिए, वह लूट के कारण नहीं आ पाते। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और बुनियादी सुविधाओं के निर्माण में लगता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कोई कानून और संविधान से ऊपर हो सकता है। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ह्लकानून बन गया है तो यह कहना कि हम नहीं मानेंगे, क्या ऐसा हो सकता है? राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी संविधान की शपथ लेकर आए हैं।

समुद्र में सागर कवच अभ्यास में 4,800 से अधिक कर्मियों ने दिखाई ताकत

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने एक ओर देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा समुद्री अभ्यास किया है। वहीं दूसरी ओर समुद्र के रास्ते होने वाली अवैध गतिविधियों पर भी बड़ी कार्रवाई की है।तटरक्षक बल के इस अभियान को ह्यसागर कवचह्ल अभ्यास नाम दिया गया। इस अभियान में हजारों कर्मियों की भागीदारी रही। भारतीय तटरक्षक बल के मुताबिक, उन्होंने महाराष्ट्र और गोवा के तट पर यह संयुक्त तटीय सुरक्षा अभ्यास ह्यसागर कवचह्ल सफलतापूर्वक आयोजित किया। यह अभ्यास दो दिन चला और अभ्यास में 4,800 से अधिक सुरक्षा और संबंधित एजेंसियों के कर्मियों, समुद्री जहाजों और विमानों ने हिस्सा लिया। तटरक्षक बल के इस पूरे अभ्यास का उद्देश्य देश की बहुस्तरीय तटीय सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को परखना था। इसके तहत समुद्र के रास्ते संदिग्ध घुसपैठ जैसी परिस्थितियां बनाई गईं। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर इन परिस्थितियों से निपटने के लिए संयुक्त रणनीतिक अभ्यास किया। वरिष्ठ अधिकारियों की भी यहां मौजूदगी रही और उन्होंने दो दिवसीय अभ्यास की समीक्षा की। अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और भारतीय तटरक्षक बल की त्वरित प्रतिक्रिया टीम का संयुक्त अभियान भी देखा। इसके बाद समुद्री निगरानी अभियान का प्रदर्शन किया गया। इसमें विभिन्न एजेंसियों के बीच तेज समन्वय और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल प्रतिक्रिया की क्षमता दिखाई गई।

पिछली डील 62 की थी, अभी 36 ऑपरेशनल हैं, 4 साल में 26 और मिलेंगे.....

भारत 114 और राफेल खरीदेगा, स्वदेशी हथियार लगेंगे

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली।भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर इस वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो सकता है। अभी कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है। भारत इस डील में ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहता है। योजना के मुताबिक, ज्यादातर राफेल विमान भारत में असेंबल किए जाएंगे। इनमें भारत में बने हथियार और दूसरे सिस्टम लगाए जाएंगे। डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि फ्रांस की कंपनी पहले खरीदे गए राफेल मरीन विमानों में भी भारतीय हथियार लगाने पर सहमत हो गई है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं, जो ऑपरेशन हैं। अप्रैल 2025 में नौ सेना के लिए 26 राफेल-ट खरीदने का सौदा हुआ है। इनकी डिलीवरी 2030 तक पूरी होने की उम्मीद है। यानी 4 साल बाद देश की सेनाओं के पास 62 राफेल हो जाएंगे। 2027 में तेजस Mk2 की पहली उड़ान डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि तेजस ट'2 की पहली उड़ान 2027 के मध्य में होने की योजना है। पहले इसके प्रोटोटाइप तैयार होंगे और फिर भारतीय वायुसेना उनका परीक्षण करेगी। वायुसेना ने शुरूआत में करीब 120 तेजस ट'2 विमानों की जरूरत बताई थी।

राफेल की खरीद कैसे होगी?

यह खरीद बाय एंड मेक मॉडल के तहत होगी। इसके तहत राफेल बनाने वाली कंपनी के साथ मिलकर भारत में विमानों की असेंबली और उत्पादन से जुड़े काम किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय को मिले प्रस्तावों का मूल्यांकन पूरा होने के बाद खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। डिफेंस सेक्रेटरी के मुताबिक, इस साल के अंत तक इस प्रक्रिया में कोई निष्कर्ष निकल सकता है।

राफेल मरीन में लगेंगे भारतीय हथियार

भारत पहले ही राफेल मरीन विमान खरीद चुका है। अब फ्रांस की कंपनी इन विमानों में भारतीय हथियार लगाने के लिए तैयार है। इससे भारत के बनाए हथियारों को राफेल के साथ इस्तेमाल करने की क्षमता बढ़ेगी। नई खरीद में भी भारतीय हथियारों और सिस्टम का इस्तेमाल बढ़ाने की योजना है।

ये लोकतंत्र बचाओ यात्रा नहीं, परिवार बचाओ यात्रा है, कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर बोले शिवराज सिंह चौहान

प्रातः किरण, एजेंसी

पणजी। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज से एक नया नाटक शुरू कर रही है। यह लोकतंत्र बचाओ यात्रा नहीं, बल्कि ये परिवार बचाओ यात्रा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से कहा, कांग्रेस आज से एक नया नाटक शुरू कर रही है। ह्यलोकतंत्र बचाओ यात्रा नहीं, बल्कि ये परिवार बचाओ यात्रा है। ये यात्रा देश में अराजकता फैलाओ यात्राह्ल है, झूठ फैलाओ यात्रा, ह्यविदेशी की धरती पर देश को बदनाम करने की यात्रा ह्यआग लगाओ यात्राह्ल है। कांग्रेस किस मुंह से लोकतंत्र की बात करती है? शिवराज सिंह चौहान ने पूछा कि लोकतंत्र को खतरा किससे है? आपातकाल किसने लगाया था? उन्होंने कहा, ह्लआपातकाल लगाकर कांग्रेस ने लोकतंत्र को कुचला। 50 से अधिक बार निर्वाचित सरकारों को कांग्रेस ने भंग किया। कपड़ों की तरह कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बदले। अब लोकतंत्र के लिए कांग्रेस के झूठे अभियान खतरा है। उन्होंने कहा कि अगर वोटर लिस्ट शुद्ध बनाने का काम होता है तो कांग्रेस उसका भी विरोध करती है। उन्होंने कहा, आखिर वोटर लिस्ट लोकतंत्र की आत्मा है। गलत नाम क्यों होने चाहिए? जो दुनिया में नहीं हैं, उनके नाम क्यों होने चाहिए? जिनके दो जगह नाम हैं, एक जगह क्यों नहीं कटने चाहिए? जो देश के नागरिक ही नहीं हैं, उनके नाम क्यों नहीं कटने चाहिए? सच तो ये है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 99 बार हार चुकी है और अब वे शतक बनाने वाले हैं।

न शिनाख्त परेड, न मालिक की गवाही, संदेह के लाभ में आरोपी बरी

देहरादून, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के ढकरानी निवासी अमजद अली को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नंदन सिंह की अदालत ने 2010 के सड़क हादसे में लापरवाही से वाहन चलाकर मौत के आरोप से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन यह साबित नहीं कर सका कि हादसे के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली अमजद ही चला रहा था। निचली अदालत की सजा रद्द कर दी गई। मामले के अनुसार 21 जून 2010 को रात करीब 1:30 बजे ढकरानी में फूल सिंह के घर के पास रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने अतर सिंह को टक्कर मार दी थी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने अमजद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 29 जुलाई 2024 को उसे दोषी ठहराया था। अपील की सुनवाई में अदालत ने पाया कि वादी और गवाहों ने फुरकान व अली हसन के ट्रैक्टर पर सवार होने की बात कही, लेकिन चालक कौन था, यह स्पष्ट नहीं हुआ। वाहन स्वामी शहीद हसन की गवाही अदालत में नहीं कराई गई, न शिनाख्त परेड हुई। संदेह का लाभ देते हुए अदालत ने निचली अदालत का सजा का आदेश रद्द कर आरोपी को बरी कर दिया।

समता के 40 साल पूरे, पूर्व अध्यापकों और सफल विद्यार्थियों का सम्मान

देहरादून, एजेंसी। भीमावाला में बृहस्पतिवार को सामाजिक संस्था समता का 40वां स्थापना दिवस समारोह उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया। समारोह में चकराता विधायक प्रीतम सिंह मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान संस्था की चार दशक लंबी सामाजिक एवं शैक्षिक यात्रा को याद करते हुए पूर्व अध्यापकों, सफल विद्यार्थियों और सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। विधायक ने कहा कि ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता के लिए लंबे समय तक कार्य करना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। संस्था से जुड़े पूर्व अध्यापकों, विद्यार्थियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है।समारोह में पूर्व अध्यापकों को शिक्षा सारथी सम्मान, विभिन्न सरकारी पदों, संस्थानों और अन्य क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाले पूर्व विद्यार्थियों को समता गौरव सम्मान तथा सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को समता श्री सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की थीम बीज से वटवृक्ष तक अविराम चालीस वर्ष रही। संस्था निदेशक कुंवर सिंह चौहान ने बताया कि वर्ष 1986 में सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुई समता की यात्रा शिक्षा, साक्षरता, महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और स्वरोजगार के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ी है। अध्यक्ष अनिल पैन्यूली ने संस्था के संस्थापक सदस्यों, कार्यकर्ताओं, अध्यापकों, विद्यार्थियों और ग्रामीण समुदायों के योगदान के प्रति आभार जताया। समारोह में दिवंगत सहयोगियों को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

अधिकांश क्षेत्रों से मानसून की वापसी, मैदानी क्षेत्रों में हल्के कोहरे के आसार

देहरादून, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से राज्य के सभी जनपदों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। मैदानी क्षेत्रों में हल्का कोहरा छाने की संभावना भी है।दक्षिण-पश्चिम मानसून अब उत्तराखंड से विदा लेने की कगार पर है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार तीन अक्तूबर तक उत्तराखंड के अधिकांश क्षेत्रों से मानसून की वापसी की परिस्थितियां अनुकूल हैं। केंद्र की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में मानसून वापसी की लाइन गुरदासपुर, चंडीगढ़, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, धौलपुर, उदयपुर, डीसा, नलिया से होकर गुजर रही है। उधर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से राज्य के सभी जनपदों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। मैदानी क्षेत्रों में हल्का कोहरा छाने की संभावना भी है। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों व पर्वतीय क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार को देहरादून का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम 20.1 डिग्री रहा। पंतनगर में 33.4, मुक्तेश्वर में 23.0 और नई टिहरी में 24.8 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। दो अक्तूबर को देहरादून में आसमान साफ रहने से लेकर आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0 और 20.0 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

जाली लेटरहेड और फर्जी हस्ताक्षर मामले में प्रमोद तोलिया दोषमुक्त

नैनीताल, एजेंसी। जिला पंचायत अध्यक्ष के जाली शासकीय लेटरहेड और कथित फर्जी हस्ताक्षरों से व्हाट्सएप ग्रुप में पत्र प्रसारित करने के मामले में अदालत ने प्रमोद सिंह तोलिया को दोषमुक्त कर दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट/प्रथम अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) उर्वशी रावत की अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। अदालत ने आईपीसी की धारा 466, 468 और 469 के तहत लगाए गए आरोपों के आवश्यक तत्व भी साबित नहीं पाए। मामला वर्ष 2021 में जिला नियोजन समिति के चुनाव के दौरान का है। आरोप था कि जिला पंचायत अध्यक्ष के शासकीय लेटरहेड पर उनके कथित हस्ताक्षर वाला पत्र जिला पंचायत सदस्यों के व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा गया था। पत्र में एक राजनीतिक दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील किए जाने की बात सामने आई थी। तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य निवेदिता जोशी की शिकायत पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त के स्तर से कार्रवाई के बाद थाना तल्लीताल में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना के बाद पुलिस ने प्रमोद सिंह तोलिया के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था।सुनवाई के दौरान पांच अभियोजन साक्षियों के बयान हुए। शिकायतकर्ता निवेदिता जोशी अपने पूर्व बयानों और व्हाट्सएप स्क्रीनशॉट की पुष्टि नहीं कर सकीं और उन्हें पक्षद्रोही घोषित किया गया। जिस मोबाइल और सिम से संदेश भेजे जाने का आरोप था, उसे एफएसएल जांच के लिए नहीं भेजा गया। कथित फर्जी हस्ताक्षरों का हस्तलेख विशेषज्ञ से परीक्षण भी नहीं कराया गया। व्हाट्सएप ग्रुप के अन्य सदस्यों को भी गवाह नहीं बनाया गया। अदालत ने साक्ष्य अपर्याप्त मानते हुए उन्हें सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया और जमानती बंधपत्र निरस्त करने के आदेश दिए।

तराई के जोन में सफारी के दौरान मोबाइल पर लगा प्रतिबंध

रामनगर, एजेंसी। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के पर्यटन जोन में सफारी के दौरान अब मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध रहेगा। वन्यजीवों की सुरक्षा और जंगल में शांत वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से विभागीय अधिकारियों ने यह निर्णय लिया है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की तर्ज पर तराई पश्चिमी वन प्रभाग में भी पर्यटन गतिविधियों को लेकर नए नियम लागू किए जा रहे हैं। एसडीओ संदीप गिरी ने बताया कि नए पर्यटन सत्र से सफारी पर जाने वाले पर्यटकों को मोबाइल फोन के इस्तेमाल को बंद करने की तैयारी की जा रही है। जंगल में मोबाइल के उपयोग से वन्यजीवों की गतिविधियां प्रभावित होने के साथ ही पर्यटकों का ध्यान भी वन्यजीवों से हटता है। इसके अलावा मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाने के दौरान सफारी के नियमों का उल्लंघन होने की आशंका भी रहती है।

उत्तराखंड का नंदा देवी बना हिमालय का नेचुरल कंट्रोल रूम, रिपोर्ट ने बताई इकोसिस्टम की सेहत

देहरादून, एजेंसी। नंदा देवी नेशनल पार्क की रिपोर्ट में हिमालयी इकोसिस्टम और वन्यजीवों की स्थिति की विस्तृत तस्वीर सामने आई है. 2026 के सर्वे में कम से कम 490 पौधों की प्रजातियां, 96 लाइकेन टैक्सा, 20 स्तनधारी और 125 पक्षी प्रजातियां दर्ज हुई. इनमें 70 लाइकेन रिकॉर्ड पार्क के लिए नए हैं पहली बार दर्ज हुआ. ब्लू शीप 9 में से 7 क्षेत्रों में मिली, जबकि स्नो लेपर्ड 4 क्षेत्रों में दर्ज हुए. 'नंदा देवी बायोस्फीयर डिकेडल मॉनिटरिंग अभियान' की रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है.

नंदा देवी बना हिमालय का नेचुरल कंट्रोल रूमः चार दशक से सीमित मानवीय गतिविधियों वाला नंदा देवी नेशनल पार्क हिमालय के जंगल और वन्यजीवों की सेहत समझने के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संदर्भ क्षेत्र बन गया है. यहां लंबे समय से मानवीय दबाव सीमित रहने के कारण वैज्ञानिकों को हिमालयी इकोसिस्टम में होने वाले बदलावों को समझने का अपेक्षाकृत बेहतर मौका मिलता है. इसी मकसद से पार्क में समय-समय पर जैव-विविधता की निगरानी की गई है. 2026 में हुए व्यापक सर्वे में जंगल, वनस्पति, वन्यजीव, पक्षियों, लाइकेन और अन्य जैविक समूहों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं.इकोसिस्टम की सेहत बताएगी रिपोर्टः नंदा देवी नेशनल पार्क को 1982 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था. इसके बाद 1983 में यहां ट्रेकिंग और पर्वतारोहण जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया. वर्ष 1988 में इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया. रिपोर्ट के अनुसार 1993, 2003, 2015 और अब 2026 में जैव-विविधता की निगरानी की गई है. लंबे अंतराल पर किए गए इन अध्ययनों से यह समझने में मदद मिलती है कि हिमालयी जंगल और वन्यजीव समय के साथ किस तरह बदल रहे हैं. 490 से ज्यादा पौधों की प्रजातियांः रिपोर्ट के मुताबिक नंदा देवी नेशनल पार्क में कम से कम 490 संवहनी पौधों की प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं. इनमें 451 एंजियोस्पर्म, 7 जिम्नोस्पर्म और 32 से अधिक फर्न व टेरिडोफाइट शामिल हैं. रिपोर्ट में यह भी संकेत है कि पार्क के कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां आगे सर्वे करने पर पौधों की और प्रजातियां सामने आ सकती हैं.पार्क की वनस्पति में जंगल के साथ-साथ झाड़ियां, अल्पाइन घास भूमियां और ऊंचाई वाले अन्य वनस्पति क्षेत्र शामिल हैं. रिपोर्ट में अलग-अलग वनस्पति क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि ऊंचाई और भौगोलिक परिस्थितियों के साथ वनस्पति किस तरह बदलती है.जंगल की संरचना में बड़ा बदलाव नहींः 2026 के अध्ययन में जंगल की संरचना और प्रजातीय संरचना की तुलना 2015 के आंकड़ों से की गई. रिपोर्ट के अनुसार लैंडस्केप स्तर पर जंगल की संरचना और प्रजातीय संरचना में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं पाया गया.नंदा देवी के जंगलों में बर्च, फर और सॉर्बस जैसी प्रमुख वृक्ष प्रजातियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. रिपोर्ट में बर्च, फर और सॉर्बस का औसत घनत्व 307, 260 और 94 पेड़ प्रति हेक्टेयर दर्ज किया गया है. अध्ययन में यह भी सामने आया कि बर्च शुरुआती उत्तराधिकार वाली प्रजाति के रूप में महत्वपूर्ण है, जबकि समय के साथ कुछ क्षेत्रों में फर इसका स्थान ले सकता है.नई पीढ़ी के पेड़ विकसित होने की प्रक्रिया जारीः पेड़ों के गिरने से बने गैप में फर के नए पौधों का पुनर्जनन भी दर्ज किया गया है. इसका मतलब यह है कि जंगल में प्राकृतिक रूप से नई पीढ़ी के पेड़ों के विकसित होने की प्रक्रिया जारी है.पहली बार लाइकेन की पूरी तस्वीरः नंदा देवी की जैव-विविधता की निगरानी में इस बार लाइकेन को भी विशेष रूप से शामिल किया गया. रिपोर्ट के अनुसार 2026 में पार्क में पहली बार साइट-वाइज व्यापक टैक्सोनॉमिक लाइकेन इन्वेंट्री तैयार की गई. इसमें 96 लाइकेन टैक्सा दर्ज किए गए, जिनमें 70 पार्क के लिए नए रिकॉर्ड हैं.देओदी क्षेत्र में 47 और डुब्रिगेथा में 44 लाइकेन टैक्सा दर्ज किए गए. रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लाइकेन प्रजातियां जंगल की निरंतरता और अपेक्षाकृत स्वच्छ वायु परिस्थितियों से जुड़ी महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती हैं. ऐसे में लाइकेन की विविधता जंगल के पर्यावरणीय बदलाव को समझने में भी उपयोगी हो सकती है.84 औषधीय पौधे, सात वैश्विक खतरे मेंः पार्क की जैव-विविधता में औषधीय पौधों की भी बड़ी भूमिका सामने आई है. अध्ययन में 84 औषधीय महत्व वाली प्रजातियां दर्ज की गई हैं. इनमें सात प्रजातियां वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त श्रेणी से जुड़ी हैं.इनमें अतीस, जटामासी, कुटकी और डैक्टाइलोराइजा जैसी महत्वपूर्ण हिमालयी औषधीय वनस्पतियां शामिल हैं. रिपोर्ट में इन प्रजातियों पर बाजार की मांग और अवैध संग्रह के खतरे की ओर भी ध्यान दिलाया गया है. इसका मतलब है कि नंदा देवी के जंगल सिर्फ वन्यजीवों का आवास नहीं हैं, बल्कि कई महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों के प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र भी हैं.ब्लू शीप और स्नो लेपर्ड का रिश्ताः नंदा देवी के वन्यजीव तंत्र में ब्लू शीप और स्नो लेपर्ड का संबंध खास महत्व रखता है. 2026 के सर्वे में ब्लू शीप 9 में से 7 क्षेत्रों में दर्ज हुई. वर्ष 2003 में यह 4 क्षेत्रों में और 2015 में 7 क्षेत्रों में दर्ज की गई थी. स्नो लेपर्ड चार क्षेत्रों में रिकॉर्ड किया गया. अध्ययन के दौरान पातालखान-सर्सोपातल क्षेत्र में स्नो लेपर्ड द्वारा ब्लू शीप के शिकार का प्रमाण भी मिला. यह रिकॉर्ड पार्क में शिकारी और शिकार प्रजातियों के बीच प्राकृतिक संबंध और खाद्य श्रृंखला के काम करने की महत्वपूर्ण जानकारी देता है.125 पक्षी प्रजातियां भी दर्जः पार्क में पक्षियों की विविधता भी काफी महत्वपूर्ण है. 2026 के सर्वे में 125 पक्षी प्रजातियां और 39 परिवार दर्ज किए गए. सर्वे के दौरान कम से कम 599 पक्षियों का रिकॉर्ड मिला. इनमें नौ गैलिफॉर्म और नौ शिकारी पक्षी प्रजातियां शामिल हैं. पक्षियों की सबसे अधिक विविधता सब-अल्पाइन जंगल और क्रुमहोल्ज क्षेत्र में दर्ज की गई. रिपोर्ट में पांच संरक्षण महत्व वाली प्रजातियों का भी उल्लेख है.जंगल की निगरानी को लगातार रखने की जरूरतः रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश सिर्फ प्रजातियों की सूची तैयार करना नहीं है, बल्कि इस जैव-विविधता की लगातार निगरानी करना है. नंदा देवी के कोर क्षेत्र में पारिस्थितिकी निगरानी को हर पांच साल में दोहराने की जरूरत बताई गई है. वहीं बाहरी क्षेत्र में नियमित, यहां तक कि वार्षिक निगरानी की व्यवस्था पर जोर दिया गया है.रिपोर्ट में कैमरा ट्रैप, हाई-एल्टीट्यूड कैमरा, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग और एआई आधारित निगरानी जैसे तकनीकी माध्यमों के इस्तेमाल की भी सिफारिश की गई है. इससे वन्यजीवों की मौजूदगी, मानवीय गतिविधियों और जैव-विविधता में होने वाले बदलावों को लंबे समय तक रिकॉर्ड किया जा सकेगा.

प्रदेश में बिजली संकट से निपटने की तैयारी, चार जगह बनेंगे मेगा बैटरी बैंक-नियामक आयोग की मंजूरी

देहरादून, एजेंसी। बिजली की मांग और उपलब्धता के बीच अंतर को कम करने के लिए राज्य में ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया गया है। ढकरानी, खटीमा, पथरी और तिलोथ में बनने वाले इन प्रोजेक्ट्स से जरूरत के समय बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उत्तराखंड में बिजली की भारी मांग, कम उपलब्धता के बीच अब पतंजलि और आर्मी इन्फोटेक चार मेगा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) लगाएंगे। उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने राज्य में 76 मेगावाट (190 मेगावाट-ऑवर) क्षमता के चार महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के लिए तय टैरिफ और खरीद समझौते के मसौदे को सशर्त मंजूरी दे दी है।यह बैटरी प्रोजेक्ट्स ढकरानी (देहरादून), खटीमा (ऊधमसिंह नगर), पथरी (हरिद्वार) और तिलोथ (उत्तरकाशी) में लगेंगे। टेंडर प्रक्रिया के तहत तीन प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी पतंजलि रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को और एक प्रोजेक्ट आर्मी इन्फोटेक लिमिटेड को सौंपी गई है। यूजेवीएनएल की ओर से आयोजित खुली पारदर्शी ई-निविदा में पतंजलि रिन्यूएबल एनर्जी ने चारों प्रोजेक्ट्स में सबसे कम दरें कोट की थीं। हालांकि टेंडर नियमों के अनुसार एक कंपनी को अधिकतम दो प्रोजेक्ट ही दिए जा सकते थे। इसके चलते पतंजलि ने तिलोथ प्रोजेक्ट को छोड़ दिया, जिसके बाद एल-2 बिडर आर्मी इन्फोटेक लिमिटेड ने पतंजलि की सबसे कम बोली पर काम करने की सहमति दी। आयोग के अध्यक्ष एमएल प्रसाद, सदस्य विधि अनुराग शर्मा, सदस्य तकनीकी प्रभात किशोर डिमरी की पीठ ने ये आदेश दिए।उत्तराखंड में बीईएसएस की जो दरें हैं, वे पंजाब और दिल्ली से भी सस्ती हैं। ढकरानी में 2,69,832 प्रति मेगावाट/माह, पथरी में 2,79,501 प्रति मेगावाट/माह, खटीमा में 2,79,782 प्रति मेगावाट/माह, तिलोथ में 2,80,000 प्रति मेगावाट/माह तय हुई हैं। आयोग ने तुलना करते हुए बताया कि हाल ही में दिल्ली (डीईआरसी) में 12.5 मेगावाट प्रोजेक्ट के लिए 2.99 लाख और पंजाब में 3.35 लाख से 3.44 लाख प्रति मेगावाट/माह की दरें मंजूर हुई हैं।केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की वायबिलिटी गैप फंडिंग(वीजीएफ) योजना के तहत पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से राज्य को 500 मेगावाट आवर क्षमता आवंटित की गई थी, जिसमें से 250 मेगावाट आवर का क्रियान्वयन यूजेवीएनएल के माध्यम से हो रहा है। इस योजना से केंद्र सरकार प्रति मेगावाट-ऑवर 18 लाख रुपये की वित्तीय सहायता तीन किस्तों में देगी।

प्रदेश के सभी एसटीपी की रियल टाइम मॉनिटरिंग का बनेगा मैकेनिज्म डीएम हर माह करेंगे समीक्षा

देहरादून, एजेंसी। मुख्य सचिव ने पिरूल कलेक्शन योजना की समीक्षा करते हुए अब तक लाभार्थियों को हुई मॉनेटाइजेशन और इससे लाभान्वित लोगों की संख्या का पूरा आंकड़ा तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में 25 बिंदु कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति के साथ-साथ उनके धरातल पर प्रभाव और आमजन को मिल रहे वास्तविक लाभ का भी आकलन करने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने पिरूल कलेक्शन योजना की समीक्षा करते हुए अब तक लाभार्थियों को हुई मॉनेटाइजेशन और इससे लाभान्वित लोगों की संख्या का पूरा आंकड़ा तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने योजना से लोगों की आय में हुए इजाफे का भी आकलन करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी योजना की सफलता केवल उसके तहत किए गए कार्यों से नहीं, बल्कि उससे लोगों को मिल रहे वास्तविक लाभ से तय होनी चाहिए।उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और सेग्रिगेशन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कचरे के संग्रहण से लेकर उसके पृथक्करण और निस्तारण तक पूरी व्यवस्था की नियमित निगरानी करने को कहा।

मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों और सचिव पेयजल को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से संबंधित कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एसटीपी की क्षमता के अनुरूप उनका पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रदेश के सभी एसटीपी की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए प्रभावी और केंद्रीयकृत व्यवस्था तैयार करने के निर्देश दिए। इससे एसटीपी के संचालन और निर्धारित मानकों के अनुपालन पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। मुख्य सचिव ने उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े कमर्शियल संस्थानों और ग्रुप हाउसिंग में उनके स्वयं के एसटीपी की व्यवस्था को गंभीरता से लागू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के साथ ही मानकों की नियमित जांच करने को कहा।

देह व्यापार का भंडाफोड़, नेपाल सीमा पर आग, जानकीचट्टी में अफरा-तफरी, दून में जुटे भाजपा के दिग्गज

नैनीताल, एजेंसी। देहरादून में आज देह व्यापार का भंडाफोड़ हुआ। वहीं, काशीपुर-रामनगर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। उधर, भाजपा की संगठनात्मक बैठक भी आज देहरादून में आयोजित हो रही है।व्यास घाटी के नेपाल सीमा से सटे गर्ब्यांग स्थित एसएसबी कैंप (बैरक) में आग लगने से हड़कंप मच गया। देहरादून में देह व्यापार का खुलासा हुआ तो वहीं, यमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालुओं और कुली एजेंसी के मजदूरों के बीच नोकझोंक हो गई। उधर अब हेमकुंड साहिब की यात्रा अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। देहरादून पटेलनगर के हरभजवाला क्षेत्र में किराये के मकान में चल रहे देह व्यापार के धंधे का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं और तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया है। इनमें रैकेट का कथित सरगना भी शामिल है। छापे के दौरान पुलिस ने एक नाबालिग को रेस्क्यू किया। पढ़ें पूरी खबरयमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में शुक्रवार सुबह कुली एजेंसी के मजदूरों के बीच यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करने को लेकर खींचतान और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इससे वहां मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत का माहौल रहा। पढ़ें पूरी खबरहेमकुंड साहिब की यात्रा अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। 10 अक्तूबर को हेमकुंड साहिब के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। यात्रा समाप्त होने से पहले धाम में मत्था टेकने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। पढ़ें पूरी देहरादून स्थित शहीद स्थल कचहरी परिसर में शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। पढ़ें पूरी खबरकाशीपुर-रामनगर मार्ग पर देर रात करीब डेढ़ बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। स्कॉर्पियो और डंपर की आमने-सामने की भिड़ंत में कार सवार दंपत्ति बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को रामनगर के संयुक्त चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसकी पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

नैनीताल जा रहे दंपति की कार और डंपर की भिड़ंत पति की मौत, पत्नी घायल; बास्केटबॉल खिलाड़ी था मृतक

नैनीताल, एजेंसी। काशीपुर-रामनगर मार्ग पर पीरुमदारा के पास देर रात स्कॉर्पियो और डंपर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। गाजियाबाद से नैनीताल घूमने जा रहे दंपति की कार को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में चालक की मौके पर मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं । काशीपुर-रामनगर मार्ग पर देर रात करीब डेढ़ बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। स्कॉर्पियो और डंपर की आमने-सामने की भिड़ंत में कार सवार दंपत्ति बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को रामनगर के संयुक्त चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसकी पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार शाहपुर बमेठा, थाना वेब सिटी, गाजियाबाद निवासी यतीश यादव पुत्र सुरेश चंद यादव अपनी पत्नी शीतल के साथ नैनीताल घूमने के लिए घर से निकले थे।

देर रात करीब डेढ़ बजे वह अपनी काली रंग की स्कॉर्पियो कार से काशीपुर से रामनगर की ओर आ रहे थे। पीरूमदारा के पास डंपर (एचआर38सी 4554) का चालक किसी अन्य वाहन को ओवरटेक करने के दौरान गलत साइड आ गया। इसी दौरान डंपर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने यतीश यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि शीतल को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि घटना के बाद आरोपी डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। तहरीर मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाल ने बताया कि मृतक यतीश यादव ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 में प्रतिभाग किया था। वह बास्केटबॉल का खिलाड़ी था। युवक की मौत से परिवार में शोक की लहर है।

लॉन्ग वीकेंड पर उमड़ेगा पर्यटकों का सैलाब, दून-मसूरी-ऋषिकेश में पुलिस का खास ट्रैफिक प्लान तैयार

देहरादून, एजेंसी। गांधी जयंती के चलते इस बार लगातार छुट्टियों का मौका मिलने से पर्यटन स्थलों पर वाहनों का दबाव बढ़ने की आशंका है। भीड़ बढ़ने की स्थिति में यातायात को सुचारु रखने के लिए पुलिस ने प्रमुख मार्गों और चौराहों पर अतिरिक्त इंतजाम किए हैं। गांधी जयंती के साथ ही लॉग वीकेंड पर दो से चार अक्तूबर तक देहरादून, मसूरी और ऋषिकेश में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। दबाव बढ़ने पर वैकल्पिक मार्गों से वाहन भेजे जाएंगे। यह विशेष व्यवस्था दो से चार अक्तूबर तक प्रभावी रहेगी। प्रमुख चौराहों, बाजारों, पर्यटन स्थलों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मसूरी में पार्किंग क्षमता का 90 फीसदी उपयोग होने पर प्लान-बी लागू होगा। इसके तहत पर्यटकों के वाहन किंक्रेग पार्किंग में खड़े कराए जाएंगे। आगे जाने के लिए स्थानीय टैक्सी का उपयोग करना होगा। यदि यह पार्किंग भी भर जाती है, तो प्लान-सी लागू होगा।तब वाहनों को गज्जी बैंड से हाथीपांव रोड की ओर भेजा जाएगा। ऋषिकेश में भी भीड़ बढ़ने पर प्लान-बी लागू होगा। हरिद्वार और देहरादून से आने वाले वाहनों के लिए नेपाली फार्म, रायवाला, नटराज चौक, ढालवाला और बाईपास मार्गों का उपयोग होगा।मसूरी के लिए वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग व्यवस्था : दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर और रुड़की से आने वाले वाहनों को डाटकाली, आईएसबीटी, शिमला बाईपास, बल्लूपुर और कैंट क्षेत्र से भेजा जाएगा। ऋषिकेश और डोईवाला से मसूरी जाने वाले वाहनों को थानो रोड, महाराणा प्रताप चौक, पुलिया नंबर छह से भेजा जाएगा। वे सहस्त्रधारा क्रॉसिंग और आईटी पार्क होते हुए मसूरी पहुंचेंगे।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री सत्य सादगी और लोक कर्तव्य के प्रतीक : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी ने यह दिखाया कि नैतिक साहस किसी राष्ट्र को दिशा दे सकता है, जबकि भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री ने यह सिद्ध किया कि सादगी, ईमानदारी और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा नेतृत्व के सर्वोच्च मानदंड निर्धारित कर सकती है। उनका जीवन हमें निरंतर यह स्मरण कराता है कि सार्वजनिक जीवन की वास्तविक शक्ति चरित्र, संकल्प और राष्ट्रसेवा में निहित होती है। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की 157वीं जयंती तथा भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कही। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधायक अजय महावर, करनैल सिंह, राज कुमार भाटिया और संजय गोयल ने भी दोनों महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित की। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर भारत के राष्ट्र-निर्माण की दो विशिष्ट, किंतु गहराई से जुड़ी हुई परंपराओं को सामने लाता है। महात्मा गांधी ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र में सत्य, अहिंसा और नैतिक आचरण को स्थापित किया तथा नैतिक संकल्प को सामूहिक जनशक्ति के एक प्रभावी साधन में परिवर्तित किया। वहीं, भारत की यात्रा के एक अलग दौर में लाल बहादुर शास्त्री अनुशासन, विनम्रता और राष्ट्रीय चुनौतियों के समय दृढ़ नेतृत्व के प्रतीक बने। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इसलिए दोनों महापुरुषों की जयंती का एक ही दिन होना केवल स्मरण का अवसर नहीं है, बल्कि उन मूल्यों पर चिंतन करने का अवसर भी है, जो भारत के लोकतांत्रिक और संस्थागत जीवन को निरंतर दिशा प्रदान करते रहने चाहिए। भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की विरासत का स्मरण करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि उनका ह्जय जवान, जय किसानह्व का आह्वान देश के सैनिकों और किसानों के प्रति सम्मान की स्थायी अभिव्यक्ति बना तथा राष्ट्रीय जीवन में उनकी केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी के नेतृत्व ने यह प्रदर्शित किया कि पद और अधिकार का अर्थ आडंबर नहीं है तथा निर्णायक शासन-व्यवस्था व्यक्तिगत सादगी के साथ भी कायम रह सकती है। भारत के इतिहास के एक चुनौतीपूर्ण दौर में राष्ट्रीय विश्वास को प्रेरित करने की उनकी क्षमता, अध्यक्ष ने कहा, उनके सार्वजनिक जीवन को ऐसी प्रासंगिकता प्रदान करती है, जो उनके कार्यकाल से कहीं आगे तक बनी हुई है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इन महान विभूतियों की विरासत को सम्मान देने का सबसे सार्थक तरीका यह सुनिश्चित करना है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं जिम्मेदारी, पारदर्शिता और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली के माध्यम से नागरिकों का विश्वास निरंतर कायम रखें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति का वास्तविक आकलन इस बात से होता है कि संस्थाएं उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन कितनी गंभीरता से करती हैं और नागरिकों के बीच कितना विश्वास उत्पन्न करती हैं। अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली विधानसभा भारत की लोकतांत्रिक विरासत को सुदृढ़ बनाए रखने के साथ-साथ संस्थागत गरिमा, जवाबदेही और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के चलते 11 मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री-एग्जिट बंद, डीएमआरसी ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शनों के ऐलान के चलते मेट्रो सेवाओं पर भी असर पड़ा है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने आधिकारिक अपडेट जारी करते हुए बताया है कि सुरक्षा कारणों से आज 11 मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट बंद कर दी गई है। डीएमआरसी की ओर से जारी सर्विस अपडेट के अनुसार, अगले आदेश तक इन स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास पर रोक रहेगी। जिन मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया है, उनमें जनपथ, पटेल चौक, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, राजीव चौक, सेवा तीर्थ, मंडी हाउस, लोक कल्याण मार्ग, आईएनए, चावड़ी बाजार, रामकृष्ण आश्रम मार्ग और नई दिल्ली स्टेशन शामिल हैं। ये सभी स्टेशन नई दिल्ली जिले और सेंट्रल दिल्ली के बेहद महत्वपूर्ण और व्यस्त इलाकों में आते हैं। इन स्टेशनों के बंद होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, डीएमआरसी ने यात्रियों को राहत देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि चार प्रमुख स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। राजीव चौक, मंडी हाउस, नई दिल्ली और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर यात्री एक लाइन से दूसरी लाइन पर बदल सकेंगे, लेकिन इन स्टेशनों से बाहर नहीं निकल पाएंगे और न ही इन स्टेशनों में प्रवेश कर पाएंगे। बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर कई संगठनों द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। इसी को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली जिले में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मेट्रो स्टेशनों को बंद करने का फैसला भी इसी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा माना जा रहा है ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और कानून-व्यवस्था बनी रहे। डीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले मेट्रो की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल पर जारी अपडेट्स को जरूर चेक कर लें, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो।

डीडीए की आंतरिक सुरक्षा ऑडिट में खुलासा केवल दो प्रतिशत पार्कों में ही सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पिछले महीने पुलिसकर्मी बनकर आए तीन पुरुषों द्वारा 17 वर्षीय लड़की से सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद डीडीए ने अपने पार्कों का आंतरिक सुरक्षा ऑडिट कराया। इसके अनुसार, कुल 736 में से केवल 16 यानी करीब दो प्रतिशत पार्कों में ही सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने पिछले हफ्ते डीडीए के सभी पार्कों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने का आदेश दिया था। डीडीए ने प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य करने के लिए अपने सभी पार्कों को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया है जिसमें उच्च जोखिम (190), मध्यम जोखिम (258) और कम जोखिम (288) वाले पार्क शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि उच्च जोखिम वाले पार्कों में तत्काल उपाय किए जा रहे हैं। इनमें बाइक से गश्त शुरू कर दी गई है जबकि 134 पार्कों में डीडीए सशस्त्र सुरक्षा गार्ड तैनात करेगा। डीडीए ने एक बयान में कहा, ह्लअतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था के लिए 520 पार्कों की पहचान की गई है जिनमें से 231 पार्कों में तत्काल काम कराया जा रहा है। पिछले सप्ताह किए गए ऑडिट के अनुसार, 106 पार्कों में तत्काल आधार पर काम पूरा कर लिया गया है ह्व रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा ऑडिट के आधार पर वर्तमान में 16 पार्कों में सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध हैं और कैमरा लगाने के लिए 323 अतिरिक्त पार्कों की पहचान की गई है। डीडीए की देखरेख वाले आस्था कुंज पार्क में दुष्कर्म की घटना के बाद इन पार्कों के उचित प्रबंधन पर सवाल उठाए गए हैं। डीडीए ने बताया कि प्रवेश से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए 163 पार्कों को चिह्नित किया गया है, जहां फाटकों में ताला लगाने की व्यवस्था की जाएगी जो पहले नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, डीडीए की योजना सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की है, जिसके तहत 602 पार्कों में सुरक्षा गार्डों की बायोमेट्रिक उपस्थिति शुरू कर दी गई है और बाकी बचे पार्कों में इसे लागू करने की प्रक्रिया जारी है। स्थानीय पुलिस और बीट अधिकारियों के संपर्क विवरण क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ साझा किए गए हैं और कर्मचारियों के संपर्क विवरण भी पुलिस को दिए गए हैं। साथ ही, घटनाओं की सूचना देने और पुलिस के साथ समन्वय को लेकर कर्मचारियों को जागरूक किया जा रहा है। डीडीए ने कहा कि सभी पार्कों में संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का काम पूरा हो चुका है।

दिल्ली में चोरों का दुस्साहस: थाने के पास से फॉर्च्यूनर चोरी, 4 दिन बाद भी खाली हाथ पुलिस

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में राजौरी गार्डन थाने से कुछ सौ मीटर की दूरी पर चार दिन पहले चोरी हुई हाईटेक सुरक्षा उपकरण से लैस फॉर्च्यूनर का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। फॉर्च्यूनर चोरी कर फरार काली क्रेटा कार से पहुंचे चोर चंद मिनट में फॉर्च्यूनर चोरी कर फरार हो गए थे। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। पर घटना के चार दिन बाद भी पुलिस न तो चोरी की गई फार्च्यूनर बरामद हुई है और न चोरों के बारे में कोई सुराग जुटा पाई है। बताया कि जिस स्थान पर वारदात हुई, वहां से राजौरी गार्डन थाना करीब 300 मीटर और पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ का कार्यालय करीब 600 मीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया। चंद मिनटों में वारदात घटना के बाद से इलाके में वाहन चोरी की रोकथाम को लेकर पुलिस की निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रसारित हो रहे सीसीटीवी फुटेज में पता चलता है कि चोरी को तड़क चार बजे अंजाम दिया गया था। इसमें काली क्रेटा से पहुंचे कुछ लोगों ने सफेद रंग की फॉर्च्यूनर एसयूवी को निशाना बनाया और कुछ ही मिनट में उसे चोरी कर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर प्राप्त फुटेज के आधार पर चोरो के एंट्री एग्जिट रूट की जांच की जा रही है। इसके लिए आसपास के मार्गों पर लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

दिल्ली की अदालत ने 2018 के गोलीबारी और लूट मामले में दो लोगों को बरी किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में एक मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति से लूटपाट करने और गोली मारने के आरोपी दो लोगों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनकी हमलावरों के रूप में पहचान स्थापित करने में विफल रहा और बरामद पिस्तौल को गोलीबारी से वैज्ञानिक तरीके से जोड़ नहीं सका। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ट्विंकल वाधवा ने दीपक उर्फ गोलू और शानू उर्फ फुरकान के खिलाफ मामले की सुनवाई की। दोनों पर करावल नगर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने गत 28 सितंबर के आदेश में कहा कि चश्मदीद गवाह ने आरोपियों की पहचान नहीं की और अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला उचित संदेह से परे साबित नहीं कर पाया है। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता आस मोहम्मद ही घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह था और अभियोजन पक्ष के मामले की पुष्टि के लिए न तो कोई सीसीटीवी फुटेज थी और न ही कोई अन्य चश्मदीद गवाह था। अभियोजन पक्ष के अनुसार 27 अप्रैल 2018 को आस मोहम्मद जवाहर नगर मेट्रो स्टेशन गया था, जहां तीन लड़कों ने उसका मोबाइल फोन छीनने की कथित तौर पर कोशिश की। उसके विरोध करने पर उनमें से एक ने देसी पिस्तौल से उस पर कथित तौर पर गोली चला दी, जिससे उसका दाहिने हाथ घायल हो गया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि पुलिस ने अगले दिन दीपक और शानू को पकड़ लिया और शिकायतकर्ता ने उनकी पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शानू की निशानदेही पर एक देसी पिस्तौल बरामद की। हालांकि, अदालत के समक्ष पेश होने पर शिकायतकर्ता ने इस बात से इनकार किया कि दोनों आरोपी हमलावर थे। उसने पहले उनकी पहचान किए जाने की बात से भी इनकार किया। अदालत ने कहा, क्योंकि आरोपियों को अपराध से जोड़ने वाला एकमात्र गवाह अभियोजन पक्ष के मामले के समर्थन में नहीं आया, इसलिए आरोपियों की हमलावरों के रूप में पहचान साबित नहीं हो सकी। अदालत ने कहा कि चश्मदीद गवाह के अपने बयान से मुकर जाने, हथियार की संदिग्ध बरामदगी और फोरेंसिक साक्ष्य से कोई संबंध स्थापित नहीं होने के कारण अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

नई दिल्ली में धारा 163 लागू, सार्वजनिक सभाओं प्रदर्शनों और रैलियों पर सख्त प्रतिबंध

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी, लेफ्ट पार्टियों और यूथ कांग्रेस समेत कई संगठनों ने इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। इसके बाद दिल्ली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है और एहतियात के तौर पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा 163 लागू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए नई दिल्ली के वीवीआईपी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों के हजारों जवानों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही यूपी और हरियाणा बॉर्डर पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि प्रशासन ने एहतियात के तौर पर नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 लागू कर दी है। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस में साफ कहा गया है कि जन-सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यह निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस द्वारा जारी जरूरी सूचना के अनुसार, बीएनएसएस की धारा 163 के तहत नई दिल्ली जिले में बिना पूर्व लिखित अनुमति के किसी भी तरह की सभा, 5 या उससे अधिक लोगों के जमावड़े, जुलूस, प्रदर्शन और धरने पर पूरी तरह से रोक है। नारेबाजी करना या सार्वजनिक रूप से भाषण देने पर भी मनाही है। हथियार, बैनर, प्लेकार्ड, लाठी, तलवार, डंडे, ईंट-पत्थर या ऐसी ही अन्य आपत्तिजनक चीजें साथ लेकर चलने पर भी रोक है। पुलिस ने नागरिकों, आगंतुकों और सभी संबंधित लोगों से अपील की है कि वे इस आदेश का सख्ती से पालन करें और किसी भी अनधिकृत जमावड़े या प्रतिबंधित गतिविधि में शामिल होने से बचें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस निषेधाज्ञा का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 और कानून के अन्य लागू प्रावधानों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली: जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी, कई रास्तों पर डायवर्जन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन को देखते हुए यातायात में बदलाव किया है। दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक ने एडवाइजरी जारी कर वाहन चालकों से अपनाने की अपील की है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक्स पोस्ट में कहा, 2 अक्टूबर 2026 को जंतर-मंतर और उसके आस-पास के इलाकों में ट्रैफिक पर लगी पाबंदियों और नियंत्रित आवाजाही को देखते हुए यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे प्रभावित रास्तों पर जाने से बचें और अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें। ट्रैफिक पुलिस ने आगे कहा, कनॉट प्लेस, पटेल चौक, जीपीओ, टॉल्स्टॉय मार्ग, जंतर-मंतर रोड, पार्लियामेंट स्ट्रीट और आस-पास की सड़कों के आस-पास ट्रैफिक डायवर्जन नियम लागू रहेंगे। कनॉट प्लेस, पटेल चौक, जीपीओ, पार्लियामेंट स्ट्रीट और सेंट्रल दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को सलाह दी जाती है कि वे वैकल्पिक रास्तों की योजना पहले से बना लें। यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें और सड़कों पर तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के निर्देशों का पालन करें और जहां भी संभव हो, वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि धैर्य रखें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और इलाके में तैनात ट्रैफिक कर्मियों का सहयोग करें। जाम से बचने के लिए डायवर्जन के संकेतों और ट्रैफिक निर्देशों का पालन करें। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा है कि जहां तक हो सके जंतर-मंतर, पार्लियामेंट स्ट्रीट, अशोक रोड और आस-पास की सड़कों पर जाने से बचें। बैरिकेडिंग और ट्रैफिक डायवर्जन हो सकते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी में बताया है कि तय किए गए रास्तों पर या उनके आस-पास गाड़ियां रोकना या पार्क करना मना है। ऐसा करने से ट्रैफि क में रुकावट आ सकती है। सक्षम अधिकारी के आदेशों के अनुसार, बताए गए इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 163 लागू रहेगी। जनता को सलाह दी जाती है कि वे सक्षम अधिकारियों और मौके पर मौजूद कर्मचारियों के सभी निर्देशों का पालन करें। वहीं, स्वामी नारायण मार्ग पर पीडब्ल्यूडी के सीसी रोड निर्माण कार्य के कारण 1 से 25 अक्टूबर तक रात 11:00 बजे से सुबह 05:00 बजे के बीच नंद लाल मार्ग रेड लाइट और शास्त्री नगर रेड लाइट के बीच ट्रैफिक प्रभावित रहेगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे प्रभावित रास्ते से बचें, ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें और अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें।

निजी विवादों को उठाने के लिए नहीं किया जा सकता: दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि रिट याचिका के विकल्प का इस्तेमाल निजी झगड़ों या व्यक्तिगत विवादों को उठाने के लिए नहीं किया जा सकता। उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को एक निजी कंपनी के खिलाफ व्यक्तिगत विवाद को लेकर रिट याचिका दाखिल करने पर फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए रिट याचिका के विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता कि किसी व्यक्ति के दिए गए आवेदन पर उसकी इच्छा के अनुसार कार्रवाई नहीं हुई। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, जिसमें निजी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया गया था। व्यक्ति का दावा था कि वह कंपनी आईआरसीटीसी की प्रणाली को हैक करने समेत कई राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल थी। अदालत ने याचिका में कोई दम नहीं पाया और याचिकाकर्ता को कानून के अनुसार कंपनी के खिलाफ उचित कदम उठाने की स्वतंत्रता दी। न्यायमूर्ति महाजन ने 29 सितंबर को पारित आदेश में कहा, यह ध्यान देना जरूरी है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार असाधारण प्रकृति का है। इसका उद्देश्य निजी विवादों को उठाने या किसी विरोधी के खिलाफ किसी अन्य उद्देश्य को हासिल करने के लिए मंच उपलब्ध कराना नहीं है।

दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल ने किया सुसाइड, कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला शव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित भोजपुर थाना अंतर्गत आने वाले ईसापुर गांव में गुरुवार रात दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह दो दिन की छुट्टी लेकर घर आए हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ईसापुर गांव के रहने वाले 28 वर्षीय मोहित शर्मा दिल्ली पुलिस में तैनात थे। गुरुवार को वह अपने घर पर आए हुए थे। गुरुवार रात करीब 9 बजे वह अपने कमरे में गए, जब वह रात 10 बजे तक भी कमरे से बाहर नहीं निकले तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जबाव नहीं मिला। इसके बाद परिजन जब कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुए तो वहां का नजारा देख हक्के-बक्के रह गए। मोहित फंदे से लटके हुए थे। परिजनों ने मोहित को किसी तरह नीचे उतारा और तुरंत मोदीनगर के जीवन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसीपी मोदीनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि कि अभी मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। दरोगा को जांच और पूछताछ के लिए मृतक के घर भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। आत्महत्या का कारण क्या है यह भी पता लगाया जा रहा है। ये भी पढ़ें:दिल्ली पुलिस की फिजिकल परीक्षा में 23 साल के लड़के की ट्रैक पर गिरकर मौत शादी को लेकर चल रहा था तनाव मृतक मोहित शर्मा की इन दिनों दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में ड्यूटी चल रही थी। दो दिन पहले ही वह छुट्टी कर घर आए थे। पुलिस के अनुसार, मोहित का शादी को लेकर परिजनों से विवाद चल रहा था। परिजन उनकी शादी करना चाहते थे, लेकिन वह अभी शादी करने से मना कर रहे थे। माना जा रहा है कि इसी के चलते मोहित ने फंदे से लटककर आत्महत्या की है। बता दें कि, इससे पहले बीते महीने 19 सितंबर को दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल और उनकी पत्न ी के शव दिल्ली के नरेला स्थित एक फ्लैट में मिले थे। मृतकों की पहचान उत्तरी जिले में तैनात 40 वर्षीय हेड कॉन्स्टेबल मोनू और उनकी पत्नी मीनू (35 वर्ष) के रूप में हुई थी। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त फ्लैट अंदर से बंद था और दंपती के दो बच्चे घर से बाहर थे। एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अग्निशमन विभाग की मदद से फ्लैट के अंदर दाखिला हुई। वहां मोनू और मीनू के शव फ्लैट के अंदर एक ही कमरे में मिले था।

आर्य समाज मंदिर में कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने के लिए लिए विशेष हवन यज्ञ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विमान में 33 हजार फीट की ऊंचाई पर यात्रियों की जान बचाने वाले बहादुर पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने के लिए देश भर में प्रार्थनाएं हो रही हैं। दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित आर्य समाज मंदिर में कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी के लिए हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया और उनके जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के प्रवक्ता विनोद बंसल ने विशेष हवन यज्ञ किया। मंदिर में हुए विशेष यज्ञ में विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), आर्य समाज और अन्य सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। वहीं, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दशाश्वमेध घाट पर फ्लाईदुबई के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र के लिए विशेष गंगा और भगवान शिव की आरती की गई। इसमें स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कैप्टन के बहादुरी को सराहा। बता दें कि कैप्टन स्मित मच्छार फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट हैं, जिन्होंने 30 सितंबर को हवा में हुए एक खतरनाक हमले के दौरान 174 यात्रियों की जान बचाई थी। उड़ान के दौरान उनके सह-पायलट ने अचानक कॉकपिट में उन पर चाकू से हमला कर दिया और विमान को क्रैश करने की कोशिश की। इस हमले के कारण विमान 30 सेकंड से भी कम समय में लगभग 14 हजार फीट नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल होने और बहुत ज्यादा खून बहने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने हमले का जवाब दिया और क्रू की मदद से कॉकपिट को सुरक्षित किया। इसके बाद फ्लाइट की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जिससे सभी यात्री सुरक्षित बच गए। कैप्टन स्मित मच्छार के पास कमर्शियल फ्लाइंग का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है और वे 9,750 घंटे से ज्यादा उड़ान भर चुके हैं। देशभर के लोग अब उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

नाबालिग लड़की से 7 महीने तक रेप, वीडियो बनाकर पति को भेज दिया, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां 25 साल का एक युवक नाबालिग लड़के के साथ 7 महीने तक रेप करता रहा और इस दौरान उसका वीडियो बना लिया। अब जब लड़की की शादी हो गई है और वो 18 साल की भी हो चुकी है, तब आरोपी युवक उसके अश्लील वीडियो के सहारे उसे निशाना बना रहा था। इस दौरान लड़की ने ब्लैकमेलिंग से तंग आकर पुलिस का सहारा लिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया औब मामले की जांच हो रही है। 7 महीनों तक किया शोषण मामला दिल्ली के साउथ एवेन्यू इलाके का है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग पीड़िता और आरोपी युवक दोनों ही एक-दूसरे के पड़ोसी हैं और एक-दूसरे को कई साल से जानते हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक ने पिछले साल 7 महीने तक लगातार लड़की को निशाना बनाया और उसे अपनी हवस का शिकार बनाता रहा। पुलिस से इस घटना की शिकायत करते हुए पीड़िता ने बताया कि जब वो घर पर अकेली थी, तभी आरोपी युवक ने उसका यौन शोषण किया। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया और बाद में उसी वीडियो के सहारे ब्लैकमेल करता रहा। ये भी पढ़ें:दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल ने किया सुसाइड, कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला शव सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की दिया था धमकी पुलिस ने बताया कि पीड़िता लड़की इस साल 18 साल की हो गई और अब उसकी शादी हो चुकी है। शादी होने के बाद भी आरोपी युवक लड़की को वीडियो के सहारे ब्लैकमेल करता रहा। एक दिन आरोपी ने वीडियो पीड़िता के पति को भेज दिया, जिसके बाद दोनों के रिश्तों में दरार आ गई और विवाद बढ़ गया। अपनी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि आरोपी लगातार उसे ब्लैकमेल कर रहा है और वीडियो को सोशल मीडिय पर भी शेयर करने की धमकी देता है। ये भी पढ़ें:दिल्ली के सबसे अनोखे चुनाव में मौत के बाद भी जीत गई ह्यगोलाह्व, मिले 27 हजार वो पॉक्सो के तहत मामला दर्ज इस मामले की शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने पीड़िता लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में मेडिकल परीक्षण करवाया। इसके बाद पुलिस ने घटना के वक्त पीड़िता के नाबालिग होने के कारण आरोपी के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज करवाया है। इसमें पॉक्सो के सेक्शन 6 और 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा आरोपी पर बीएनएस की धारा 63(1), 351(3) के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

बवाना में झपटमारी के मामले में दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। बवाना थाना पुलिस ने झपटमारी के मामले में दो नाबालिग पकड़े हैं। उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि बवाना थाने में मोबाइल झपटमारी की प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच के बाद दो नाबालिगों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए नाबालिगों की उम्र 15 और 16 वर्ष है और दोनों दिल्ली के रहने वाले हैं। इनके पास से झपटा मोबाइल भी बरामद किया है।

दिल्ली में उत्तराखंड आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। खटीमा उत्तराखंड शहीद दिवस पर दिल्ली भाजपा उत्तराखंड प्रकोष्ठ ने श्रद्धांजलि सभा और भजन संध्या का आयोजन किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और अन्य भाजपा नेताओं ने उत्तराखंड आंदोलन के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रकोष्ठ संयोजक नरेंद्र मनराल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि 1994 में अलग उत्तराखंड राज्य की मांग के आंदोलन में खटीमा में कई आंदोलनकारी शहीद हुए। उन्होंने तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार पर आंदोलन दबाने का आरोप लगाया और खटीमा व रामपुर तिराहा की घटनाओं को याद किया। मल्होत्रा ने कहा कि नौ नवंबर 2000 को उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ, जिससे आंदोलनकारियों का सपना साकार हुआ। उन्होंने दिल्ली के उत्तराखंडी समाज से शहीदों के आदर्शों और संघर्ष को याद रखने का आह्वान किया। उन्होंने शहीदों के परिवारों के सम्मान और विकसित उत्तराखंड के निर्माण का संकल्प लेने को कहा।

एस्टेयर गार्डन्स में नवरात्र आयोजन पर विवाद, सुरक्षा कर्मचारियों से कथित दुर्व्यवहार का आरोप

नई दिल्ली। सेक्टर-70ए स्थित एस्टेयर गार्डन्स में प्रस्तावित नवरात्र/दुर्गा महोत्सव को लेकर दो समितियों के बीच विवाद सामने आया है। एस्टेयर गार्डन्स ओनर्स एसोसिएशन (एजीओए) ने मामले में कथित गतिविधियों, सुरक्षा कर्मचारियों और एस्टेट प्रबंधन से दुर्व्यवहार करने की बात कही है। एजीओए के अनुसार, वह सोसाइटी की निर्वाचित निवासी संस्था है, जबकि एजीपीएसएस कुछ लोगों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन की व्यवस्थाओं के लिए बनाई गई निजी समिति है। एसोसिएशन का कहना है कि दोनों संस्थाओं के अधिकार और प्रतिनिधित्व अलग-अलग हैं। शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच संयुक्त रूप से नवरात्र समारोह आयोजित करने को लेकर बातचीत हुई थी। क्लब प्रबंधन की पहल पर कुछ शर्तों के साथ सहयोग पर सहमति बनी थी, लेकिन बाद में कुछ प्रतिक्रियाओं के बाद संयुक्त आयोजन की योजना समाप्त कर दी गई। इसके बाद क्लब हाउस और सेंट्रल पार्क के पास स्थित एक प्लॉट के उपयोग को लेकर विवाद बढ़ा। एजीओए का आरोप है कि कुछ लोगों ने बैरिकेडिंग वाले क्षेत्र में प्रवेश कर सामग्री ले जाने और टेंट-पंडाल लगाने का प्रयास किया। सुरक्षा कर्मचारियों और एस्टेट प्रबंधन ने उनसे गतिविधि रोकने और आवश्यक अनुमति दिखाने को कहा। एसोसिएशन ने कुछ लोगों पर सुरक्षा कर्मचारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार और धमकी देने का भी आरोप लगाया। इसके बाद में कुछ अज्ञात लोगों के मौके पर पहुंचने से स्थिति तनावपूर्ण होने की बात कही गई है। एजीओए ने बादशाहपुर पुलिस से सीसीटीवी फुटेज समेत उपलब्ध साक्ष्यों की जांच और संबंधित लोगों की पहचान करने का अनुरोध किया है। एजीओए का कहना है कि उनका विवाद से कोई संबंध नहीं था। एसोसिएशन ने क्लब प्रबंधन से सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर पूरे घटनाक्रम के तथ्यों की जांच करने की मांग की है।

दीपावली-छठ पर रेलवे चलाएगा विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने कई विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों से दिल्ली को पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम के प्रमुख शहरों से जोड़ा जाएगा। रेलवे के अनुसार, अमृतसर-बरौनी-अमृतसर विशेष ट्रेन संख्या 04668 प्रत्येक रविवार को चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04667 प्रत्येक मंगलवार को छह अक्टूबर से एक दिसंबर तक संचालित होगी। नई दिल्ली-दानापुर विशेष ट्रेन संख्या 04090 दो अक्टूबर से 20 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04089 तीन अक्टूबर से 21 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को दानापुर से शाम 4:40 बजे रवाना होगी। इसी तरह प्रयागराज-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन संख्या 04183 20 अक्टूबर से एक दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को प्रयागराज से दोपहर 3:25 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 11:35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में 04184 प्रत्येक बुधवार को 21 अक्टूबर से दो दिसंबर तक दोपहर 3:45 बजे हजरत निजामुद्दीन से रवाना होगी।

दिल्ली: एलजी टीएस संधू ने रोहिणी में डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन, 9 अक्टूबर से हॉकी कप की घोषणा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) टीएस संधू ने गुरुवार को रोहिणी में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच लोकप्रिय स्थानीय ह्यआरंभ लाइब्रेरीह्न का भी दौरा किया और युवाओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प का मंत्र दिया। रोहिणी के सेक्टर-33 में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह के दौरान संधू ने घोषणा की कि युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और हॉकी जैसे टीम खेलों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए एलजी कप फॉर हॉकी का आयोजन 9 से 18 अक्टूबर तक किया जाएगा। यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स करीब 8.11 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और इसका बिल्ट-अप एरिया लगभग 10,974 वर्ग मीटर है। इसे रोहिणी, बाहरी दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आसपास के इलाकों के निवासियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। लाइब्रेरी में छात्रों से बातचीत करते हुए एलजी संधू ने कहा कि इस लाइब्रेरी की छात्रों के बीच काफी मांग है। इसे देखते हुए रोहिणी की लाइब्रेरी का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए ऊपरी मंजिल का इस्तेमाल करते हुए 40 से अधिक अतिरिक्त सीटें बनाई जाएंगी। लाइब्रेरी के दौरे के बाद उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ह्लदिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह के साथ रोहिणी के सेक्टर-11 स्थित डीडीए की ह्यआरंभ लाइब्रेरीह्न का दौरा किया और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ समय बिताया। उनके साथ बैठकर उनकी तैयारी, चुनौतियों और दबाव के बारे में जाना और अपने छात्र जीवन के अनुभव भी उनके साथ साझा किए। एलजी संधू ने एक्स पर कहा, ह्लमेरा संदेश सरल था: सकारात्मक, नियमित और अनुशासित रहें। असफलताओं को सफलता की सीढ़ी बनाएं और अपने लक्ष्य से कभी नजर न हटाएं। इन युवा छात्रों का साहस, समर्पण और दृढ़ संकल्प प्रेरणादायक है। आगे बढ़ते रहें, सीखते रहें और खुद पर विश्वास रखें। सफलता जरूर मिलेगी।ह्व उपराज्यपाल ने कॉलेजों के आसपास स्ट्रीट लाइटिंग और सीसीटीवी कवरेज को मजबूत करने तथा पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही कॉलेज परिसरों के पास समर्पित नोडल पुलिस अधिकारी और पिंक बूथ की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के महिला कॉलेजों के प्राचार्यों, डीयू के कुलपति योगेश सिंह और दिल्ली पुलिस, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, डीडीए तथा दिल्ली मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में कॉलेज परिसरों और उनके आसपास तथा आवागमन के दौरान छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। लगभग सभी कॉलेजों ने बैठक में कुछ सामान्य समस्याएं उठाईं। इनमें ई-रिक्शा से जुड़ी समस्या, सुरक्षित लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की कमी, फुटपाथ और पैदल रास्तों पर अतिक्रमण, अनियंत्रित वेंडिंग, अंधेरे वाले स्थान और पर्याप्त रोशनी की कमी, कॉलेज परिसरों के पास असुरक्षित पार्क, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, अश्लील हरकतों की घटनाएं तथा ज्यादा पिंक बूथ और पुलिस गश्त की जरूरत जैसे मुद्दे शामिल थे। यह बैठक एलजी संधू के पिछले तीन दिनों के दौरान दौलत राम कॉलेज और इंद्रप्रस्थ कॉलेज के औचक दौरे तथा 25 सितंबर को बोंटा पार्क के अचानक निरीक्षण के बाद हुई। इन दौरों का उद्देश्य महिला छात्रों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा से जुड़ी जमीनी समस्याओं को सीधे समझना था।

गांधी जयंती पर मंत्री आशीष सूद ने जनकपुरी में चलाया स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी स्थित पंखा रोड क्षेत्र में डंक द जंक के संदेश के साथ स्वच्छता, पौधारोपण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। दिल्ली नगर निगम के सहयोग से आयोजित इस अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और दिल्ली को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान शिवाजी कॉलेज के एनएसएस और एनसीसी के छात्रों ने भी हिस्सा लिया। छात्रों से संवाद करते हुए मंत्री आशीष सूद ने उनसे परिचय प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि वह भी दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 17 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पूरी दिल्ली में 313 स्थानों से संवेदनशील कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम के सहयोग से पंखा रोड स्थित गोल्ड जिम के पास और नारंग कॉलोनी क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ स्थानीय नागरिकों को कचरे के उचित निस्तारण और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया गया। नारंग कॉलोनी स्थित पार्क में मंत्री आशीष सूद ने पौधारोपण किया और उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नाटक में सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और पर्यावरण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी तथा नागरिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया गया।

दिल्ली में लापता बाउंसर अजय डेढ़ा की हत्या नाले से शव बरामद, ऑटो ड्राइवर पर शक

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में चिल्ला गांव से 24 सितंबर से लापता बाउंसर का शव पटपड़गंज औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित नाले से मिला है। मृतक के शरीर पर चाकू के निशान मिले हैं। इससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं, मृतक की पहचान अजय डेढ़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। चिल्ला गांव में रहते थे अजय डेढ़ा चिल्ला गांव में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे। वह नोएडा के एक बिल्डर के यहां बाउंसर के तौर पर काम करते थे। परिजनों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी परिजनों के अनुसार, 24 सितंबर की रात ड्यूटी खत्म करने के बाद अजय ऑटो से घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने पत्नी को अपनी और ऑटो की फोटो भेजी थी। इसके कुछ देर बाद पत्नी ने उन्हें फोन किया, लेकिन मोबाइल बंद मिला। काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चलने पर परिजनों ने पटपड़गंज थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। 1 अक्टूबर को पुलिस ने परिजनों को सूचना दी कि अजय का शव नाले से बरामद हुआ है। शव मिलने की जानकारी के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने अजय को घर छोड़ने वाले ऑटो चालक पर हत्या का शक जताया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही ऑटो चालक समेत अन्य लोगों से पूछताछ कर रही है।

गोल्डी बराड़ गैंग के नाम पर 1 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले इंडिया-दुबई नेटवर्क का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तरी जिला पुलिस की एसटीएफ ने गोल्डी बराड़ गैंग के नाम पर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले इंडिया-दुबई नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दिल्ली के दो कारोबारियों को एक ही यूएई नंबर से धमकी देकर 1-1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के लिए शूटर भी किराये पर लिए गए थे। समय रहते कार्रवाई कर पुलिस ने फायरिंग की साजिश को नाकाम कर दिया। मामला 16 सितंबर की रात का है। रूप नगर निवासी कारोबारी प्रवीण जैन को रात करीब 8:15 बजे तीन मिस्ड कॉल आईं। 17 सितंबर को ऋक्रफ दर्ज हुई इसके बाद उनके बेटे आयुष को यूएई नंबर से कॉल कर खुद को गोल्डी बराड़ का साथी बताते हुए 1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। रकम नहीं देने पर परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। इस संबंध में रूप नगर थाने में 17 सितंबर को एफआईआर दर्ज की गई। संदिग्धों से पूछताछ वहीं, जांच में पुलिस को फ्रांस से जुड़े आईपी एड्रेस और वीपीएस आधारित संचार व्यवस्था के सुराग मिले। तकनीकी जांच में यूएई कनेक्शन सामने आया। पुलिस ने देहरादून और करनाल से जुड़े संदिग्धों से पूछताछ की, जिसके बाद शामली के आरिफ उर्फ पिस्टल की भूमिका सामने आई। आरोप है कि उसने दुबई में मौजूद आरिश से धमकी भरी काल करवाने के लिए रकम की पेशकश की और उसे हरियाणवी में बात करने को कहा। जांच में टिटवारा के मुबारक उर्फ गुल्लू को मुख्य साजिशकर्ता बताया गया। आरोप है कि उसने किराड़ी में शूटरों के रहने की व्यवस्था की थी। आरिफ को अहमदाबाद पुलिस की मदद से अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जबकि वांछित शूटर नवाब अली उर्फ सोनीज को आरपीएफ की मदद से रेवाड़ी के पास चलती ट्रेन से पकड़ा गया। 1 करोड़ की रंगदारी मांगी इसी यूएई नंबर से 19 सितंबर को रोहिणी के निर्माण कारोबारी मनोज मलिक के भाई को भी व्हाट्सएप काल कर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। पुलिस के मुताबिक, कालर ने खुद को गोल्डी बराड़ गैंग से जुड़ा बताते हुए 48 घंटे में रकम नहीं देने पर गोलीबारी की धमकी दी थी। इस मामले में विजय विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस अब दुबई में मौजूद आरोपितों और भारत में उनके सहयोगियों की पहचान कर पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

एनडीएमसी ने कर्मचारियों से नागरिक देवो भव: की भावना के अनुरूप काम करने की अपील की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने कर्मचारियों के लिए नागरिकों को प्राथमिकता देने, सार्वजनिक सेवाओं में जानबूझकर देरी से बचने और भ्रष्टाचार से दूर रहने सहित 10 सूत्रीय संकल्प तैयार किए हैं। इन संकल्पों को एनडीएमसी के कार्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इस संकल्प में मैं नागरिक की सेवा करता हूं, जब कोई देख भी नहीं रहा हो, तब भी मैं ईमानदार रहूंगा, मैं जानबूझकर काम में देरी नहीं करूंगा और यह मेरा काम नहीं है कहने के बजाय जिम्मेदारी स्वीकार करूंगा जैसे संकल्प शामिल हैं। एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने 30 सितंबर को जारी एक परिपत्र में कर्मचारियों से नागरिक देवो भव की भावना के अनुरूप काम करने और 18 सूत्रीय आचार संहिता का पालन करने को कहा। इसका उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। आचार संहिता में कर्मचारियों को रिश्वत या कमीशन स्वीकार नहीं करने, फाइलों या भुगतान में जानबूझकर देरी नहीं करने और निजी हितों को आधिकारिक फैसलों पर हावी नहीं होने देने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया,निविदाओं, ठेकों, भर्ती और नियामकीय कार्रवाई से जुड़े फैसले निर्धारित नियमों के आधार पर लिए जाने चाहिए, न कि निजी संबंधों, बाहरी दबाव या राजनीतिक संबद्धता के आधार पर।

MCD सदन की विशेष बैठक : खुले में कूड़ा फेंकने पर लगे 10000 रुपये जुमार्ना, पार्षदों ने दिए कई अहम सुझाव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में निगम सदन में शुक्रवार को ठोस कचरा प्रबंधन उप नियम-2026 को लेकर विशेष बैठक हुई। बैठक में मुख्य अभियंता अजय अग्रवाल ने उप नियमों के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। वहीं, चर्चा में भाग लेते हुए पार्षदों ने कचरा संग्रहण से लेकर परिवहन और निस्तारण तक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ जनता की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। कचरा प्रबंधन व्यवस्था लागू की जाए भाजपा पार्षद योगिता सिंह ने कहा कि एआई और तकनीक की मदद से यह तय किया जा सकता है कि किस कॉलोनी में किस तरह की कचरा प्रबंधन व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने कहा कि कई कॉलोनियों में लोग घर से गीला और सूखा कचरा अलग करके देते हैं, लेकिन संग्रहण के दौरान दोनों को मिला दिया जाता है। निजी एजेंसियों के कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण देने की जरूरत है। कचरा फैलने की समस्या कम होगी उन्होंने अलग-अलग कचरे के लिए अलग खानों वाले विशेष रिक्शे तैयार करने का सुझाव दिया। इससे संकरी गलियों और बहुमंजिला इमारतों से कचरा संग्रहण के दौरान कचरा फैलने की समस्या कम होगी। भाजपा पार्षद धर्मवीर शर्मा ने कहा कि हर वार्ड में ऐसे चिन्हित स्थान हैं, जहां लोग रात में सब्जियों के छिलके, बचा हुआ खाना और रोटियां डाल देते हैं। सफाई के बाद भी लोग दोबारा वहां कचरा डाल देते हैं। फोटो के आधार पर भी कार्रवाई उन्होंने ऐसे स्थानों पर बंद कैबिनेट या कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था करने और खुले में कचरा डालने वालों पर जुमार्ना बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि 200 रुपये के बजाय 10 हजार रुपये तक जुमार्ना किया जाना चाहिए और फोटो के आधार पर भी कार्रवाई की जा सकती है। भाजपा पार्षद मनीषा सिंह ने कहा कि कचरा संग्रहण और परिवहन के दौरान ही सेग्रीगेशन खत्म हो जाता है। घर से अलग-अलग उठाया गया कचरा आगे एक साथ मिला दिया जाता है। इसलिए लोगों को जागरूक करने से पहले संग्रहण और परिवहन की व्यवस्था को सुधारना होगा। छोटे वाहनों की व्यवस्था जरूरी उन्होंने कहा कि घनी आबादी और संकरी गलियों के लिए छोटे वाहनों की व्यवस्था जरूरी है। गीले और सूखे कचरे को अलग रखने के साथ घरेलू खतरनाक कचरे को भी वैज्ञानिक तरीके से अलग करने की व्यवस्था होनी चाहिए। डेम्स चेयरमैन संदीप कपूर ने कहा कि कचरा प्रबंधन में जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। बाजारों में दुकानदारों द्वारा सड़कों पर कचरा डालने की प्रवृत्ति पर रोक लगानी होगी और ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के प्रावधानों को प्रभावी तरीके से लागू करना होगा। 13 हजार टन कचरा वार्डों से एकत्र उन्होंने कहा कि रोजाना करीब 13 हजार टन कचरा वार्डों से एकत्र किया जा रहा है। कचरे की मात्रा कम करने के लिए बल्क वेस्ट जनरेटर की पहचान कर उनके स्तर पर ही निस्तारण सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कम से कम 3000 बल्क वेस्ट जनरेटर के कचरे को स्थानीय स्तर पर कंपोस्ट करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे कचरे की मात्रा के साथ उसके परिवहन पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

आईजीआई एयरपोर्ट पर पहली बार चालक दल के लिए तेज आव्रजन सुविधा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट पर पहली बार विमान चालक दल के सदस्यों के लिए पहली बार तेज आव्रजन जांच की सुविधा शुरू की गई है। यह देश का पहला ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जहां विमानन कंपनियों के चालक दल के सदस्य फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) के ऑटोमेटेड ई-गेट्स से आव्रजन प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। हवाई अड्डे पर यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए टर्मिनल-3 में आव्रजन और सुरक्षा व्यवस्था की क्षमता भी बढ़ाई गई है। यहां 20 नए प्रस्थान आव्रजन डेस्क शुरू किए गए हैं। इनमें चार एफटीआई-टीटीपी ई-गेट भी शामिल हैं। साथ ही प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ाने के लिए 3 एटीआरएस (ऑटोमैटिक ट्रे रिट्रीवल सिस्टम) लेन भी शुरू की गई है। 2 अतिरिक्त एटीआरएस यूनिट्स को स्विंग ऑपरेशन मोड में उपलब्ध रखा गया है। इस दौरान आव्रजन विभाग, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा शुल्क विभाग, हवाई अड्डा प्रबंधन और विमानन कंपनियों के अधिकारी मौजूद रहे। टर्मिनल-3 के सुरक्षा क्षेत्र-5 भी शुरू एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के सुरक्षा क्षेत्र-5 को भी शुरू किया गया है। इससे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को ज्यादा फायदा होगा। इसके शुरू होने से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आव्रजन और सुरक्षा जांच की क्षमता बढ़ेगी। प्रबंधन के अनुसार, नई सुविधा से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए प्रक्रिया आसान होगी और दिल्ली हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय आवागमन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

आउटिंग के चक्कर में दिल्ली-NCR के बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर उमड़ी भीड़

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख बस अड्डों और रेलवे स्टोशनों पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी है। अक्टूबर का महीना आते ही लोगों ने लॉन्ग वीकेंड मनाने की योजना बना ली है। शुक्रवार को गांधी जयंती पड़ने के साथ ही शनिवार व रविवार को दो दिवसीय साप्ताहिक अवकाश पाने वालों ने आउटिंग का प्लान बना लिया है। ऐसे में दिल्ली के प्रमुख बस अड्डों पर लोगों का हुजूम सा उमड़ा नजर आ रहा है। गांधी जयंती और लॉन्ग वीकेंड का कॉम्बो त्योहारों का महीना यानी अक्टूबर माह के पहले हफ्ते में छुट्टियों का दौर बहुत दिलचस्प तारीख लेकर आया है। 2 अक्टूबर को शुक्रवार है। इसलिए लोगों ने परिवार के साथ आउटिंग करते हुए कुछ अच्छा समय गुजारने की योजना बनाई है। इसका असर शुक्रवार को दोपहर के बाद दिखने लगा था। शाम होते-होते यात्रियों की भीड़ उमड़ने लगी। ऐसे में लोगों को थोड़ी दिक्कत भी झेलनी पड़ी। पुलिस रही मुस्तैद वहीं, दिल्ली में प्रोटेस्ट में तैनात पुलिस को भी इस तरह आउटिंग के लिए उमड़े लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मशक्कत की। पुलिस ने इस बीच मुस्तैदी दिखाई। ट्रैफि जाम न लगे, इसके लिए पूरे इंतजाम करते देखे गए। हालांकि, फिर भी कहीं-कहीं भीड़ के चलते गाड़ियों की कतारें लगती नजर आईं। वहीं, रेलवे स्टेशनों पर भी अच्छी-खासी भीड़ देखी। तीन दिनों का अवकाश देखकर कोई अपने गृहजनपद जाता दिखा तो कोई आस-पास राज्यों में घूमने निकल पड़ा। युवाओं की भी संख्या ठीकठाक नजर आई।

कहीं यूपीआई से नहीं लिया गया भुगतान तो कहीं छोटी रकम के लेनदेन जारी रहेगें

नई दिल्ली। यूपीआई से 2000 रुपये से ज्यादा के भुगतान पर एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) लागू किए जाने के विरोध में शुक्रवार को दिल्ली के कई व्यापारिक संगठनों ने नो-यूपीआई डे मनाया। बाजारों में यूपीआई से भुगतान नहीं लेने के इस विरोध का असर राजधानी में मिला जुला रहा। कश्मीरी गेट बाजार में व्यापारिक संगठन सीटीआई ने हाथों में पर्चे लेकर एमडीआर का विरोध किया। वहीं, सरोजिनी नगर बाजार में दुकानदारों ने यूपीआई क्यूआर कोड पर काला कपड़ा ढक कर आक्रोश जताया। हालांकि कई बाजारों में यूपीआई से भुगतान लिया गया, लेकिन बड़े लेनदेन से दूरी बनाए रखी गई। व्यापारिक संगठन सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली के कश्मीरी गेट मार्केट, सरोजिनी नगर बाजार, करोल बाग, लाजपत नगर, शाहदरा, रोहिणी, झिलमिल, पीतमपुरा, नेताजी सुभाष प्लेस, कृष्णा नगर, गांधी नगर समेत दर्जनों अन्य बाजारों में दुकानदारों ने सिर्फ नकद में लेनदेन कियाा। उन्होंने यूपीआई क्यूआर कोड को ढक कर अलग रख दिया। कश्मीरी गेट बाजार में उन्होंने हाथों में पर्चे लेकर विरोध जताया। कश्मीरी गेट मार्केट में यूपीआई भुगतान का विरोध कश्मीरी गेट ऑटो पाट्र्स मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय नारंग ने बताया कि उनके बाजार की अधिकांश दुकानों पर यूपीआई भुगतान नहीं लेने के कारण ग्राहकों को वापस लौटना पड़ा। करोल बाग मोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सोनी और टैंक रोड़ मार्केट के महासचिव राजेश आहूजा ने भी अपने अपने बाजारों में नो-यूपीआई डे की इस मुहिम का नेतृत्व किया। उन्होंने केंद्र सरकार से यूपीआई भुगतान पर एमडीआर लागू करने का प्रस्ताव वापस लिए जाने की मांग की। विभिन्न व्यापारिक संगठनों का विरोध इन संगठनों ने किया विरोध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, दिल्ली व्यापार महासंघ, फेडरेशन ऑफ ट्रेड एसोसिएशंस, फेडरेशन ऑफ ट्रेड इंडस्ट्रीज ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया बुलियन एंड ज्वैलरी एसोसिएशन, चांदनी चौक दरीबा ज्वैलरी एसोसिएशन, ऑटोमोटिव पाट्र्स मर्चेंट एसोसिएशन, लाजपत नगर ट्रेडर्स एसोसिएशन, सरोजिनी नगर शॉपकीपर एसोसिएशन, करोल बाग मोबाइल एसोसिएशन, कन्फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन, नबी करीम मार्केट एसोसिएशन , कीर्ति नगर मार्केट एसोसिएशन आदि सरोजिनी नगर बाजार में काले कपड़े से ढके यूपीआई क्यूआर कोड समय: दोपहर 1:30 बजे स्थान: सरोजिनी नगर बाजार रेडीमेड गारमेंट के प्रमुख बाजार सरोजिनी नगर मार्केट में नो-यूपीआई डे का अभियान सबसे ज्यादा नजर आया। यहां दुकानदारों ने अपने यूपीआई क्यूआर कोड काले कपड़े से ढक दिए और नकद लेनदेन किया। दुकानदार इस विरोध का कारण ग्राहकों को भी बता रहे थे। उनका कहना था कि अगर यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी एमडीआर लागू किया गया तो किसी न किसी रूप में इसका बोझ ग्राहकों पर ही पड़ेगा। दुकानदार अपनी लागत में बढ़ाकर उत्पादों के दाम बढ़ा देगा। इससे पहले भी जितनी तरह के टैक्स या शुल्क लगाए गए, सभी ग्राहकों से ही वसूले जा रहे हैं। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि सरोजिनी नगर बाजार में 500 से ज्यादा दुकानदारों ने अपनी अपनी यूपीआई मशीन को काले कपड़े से ढककर इससे लेनदेन का बहिष्कार किया।उनका कहना है कि सरकार ने मांगें नहीं मानीं तो 14 अक्तूबर को सभी दुकानदार यूपीआई क्यूआर कोड स्थायी रूप से हटा देंगे।

ससुराल में हर असंवेदनशील हरकत क्रूरता नहीं : कोर्ट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने कहा है कि वैवाहिक घर में होने वाली हर असंवेदनशील या आपत्तिजनक हरकत को स्वत: दहेज प्रताड़ना के तहत क्रूरता नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने यह टिप्पणी महिला की याचिका खारिज करते हुए की। महिला ने सत्र अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसके ससुर, सास और दो ननदों को दहेज प्रताड़ना व आपराधिक विश्वासघात के आरोपों से बरी कर दिया गया था। पीठ ने कहा कि शिकायत में रिश्तेदारों के नाम होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की कथित भूमिका स्पष्ट होनी चाहिए। अदालत को विशिष्ट आरोपों और पूरे परिवार पर लगाए गए सामूहिक आरोपों में अंतर करना जरूरी है। महिला ने पांच लाख रुपये और कार की मांग, मारपीट तथा गर्भपात के लिए चिकित्सा सहायता न देने के आरोप लगाए थे। पति के खिलाफ विशिष्ट आरोप बरकरार रहे। घर के काम करने को कहना प्रताड़ना नहीं पीठ ने यह भी देखा कि महिला की शारीरिक हालत के बावजूद उससे घर का काम करवाने के बारे में सास पर लगाया गया आरोप, उस समय दहेज की मांग से जुड़ा नहीं है। ननदों के बारे में पीठ ने कहा कि महिला के रूप-रंग और दहेज को लेकर ताने मारने के आरोप मुख्य रूप से परिवार के खिलाफ सामूहिक आरोपों का हिस्सा थे। पीठ ने कहा कि हर बात को दहेज प्रताड़ना के दायरे में नहीं लाया जा सकता। बालिग बेटे पर पिता का नियंत्रण न होना हिंसा नहीं हाईकोर्ट ने कहा है कि बालिग बेटे के व्यवहार को नियंत्रित न कर पाने के लिए उसके पिता को घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने महिला की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। महिला ने आरोप लगाया था कि उसके अलग रह रहे पति के दूसरी महिला से संबंधों के खिलाफ ससुर ने कार्रवाई नहीं की। पीठ ने कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा-3 में शारीरिक, मानसिक, मौखिक, भावनात्मक या आर्थिक शोषण शामिल है, लेकिन केवल घरेलू रिश्ता होना पर्याप्त नहीं। ससुर की कथित गलत हरकत में भूमिका नहीं थी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार 03 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में युवक की मौत छह महीने बाद प्राथमिकी दर्ज

गुरुग्राम। पटौदी बाईपास के पास सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत के मामले में पुलिस ने करीब छह महीने बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पटौदी थाना पुलिस ने मृतक प्रीतम के पिता जगदीश की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के बिछाला गांव निवासी जगदीश ने शिकायत में बताया कि उनके बेटे प्रीतम की शादी 26 मार्च 2026 को हुई थी। एक अप्रैल की रात वह मोटरसाइकिल से गुरुग्राम के रामपुरा गांव में अपनी बहन निर्मला से मिलने जा रहा था। परिवार का ही प्रवेश भी दूसरी मोटरसाइकिल से पटौदी की ओर जा रहा था। रात करीब साढ़े 11 बजे पटौदी-नया गांव रोड पर बाईपास के पास अज्ञात वाहन ने प्रीतम की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में प्रीतम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सिविल अस्पताल पटौदी में भर्ती कराया गया, जहां से पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। इसके बाद तीन अप्रैल को उसे जयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान 10 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। जगदीश ने बताया कि बेटे की मौत के बाद वह मानसिक रूप से परेशान थे, इसलिए तत्काल शिकायत नहीं दे सके। बाद में रिश्तेदार रोहित के साथ पुलिस से संपर्क कर शिकायत दी। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि पुलिस की ओर से मृतक के परिजनों से संपर्क किया गया था। शिकायत मिलने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रक्तदान शिविर में 50 लोगों ने किया रक्तदान

गुरुग्राम। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर रोटरी ब्लड बैंक सेंटर की ओर से दो स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाए गए। पहला शिविर गिरिराज ढींगरा ने ढींगरा मोटर्स में अपने स्वर्गीय पिता गोपी चंद ढींगरा की स्मृति में लगाया। दूसरा शिविर रोटरी ब्लड सेंटर में आयोजित हुआ। दोनों शिविरों में कुल 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रोटरी ब्लड सेंटर के प्रेसिडेंट डॉ. मुकेश शर्मा ने रक्तदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। उन्होंने रक्तदाताओं को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर में रोटेरियन ऋषि मुनि भारद्वाज, पवन सपरा, पवन जिंदल, तुलसी दास सलूजा, एडवोकेट नवीन गुप्ता, विनय शंकर और एडवोकेट जेएस महरहट्टा ने भी भाग लिया।

25 करोड़ के लोन मामले में आरोपी को जमानत

गुरुग्राम। 25 करोड़ रुपये के लोन की व्यवस्था नहीं होने और 25 लाख रुपये वापस न करने के मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी अनिल खन्ना को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विवेक सिंगल की अदालत ने जमानत दे दी। मामले में सेक्टर-40 थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। अदालत में बताया गया कि अनिल खन्ना को स्टारेक्स होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए 25 करोड़ रुपये का लोन दिलाने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके लिए उसे कथित तौर पर 25 लाख रुपये दिए गए थे। 10 अक्टूबर 2014 को आरोपी और कंपनी के बीच एमओयू भी हुआ था। मृतक लोन प्रक्रिया में बिचौलिए की भूमिका में था और एमओयू पर गवाह के तौर पर हस्ताक्षर किए थे। आरोप था कि लोन की व्यवस्था नहीं हो सकी और 25 लाख रुपये वापस नहीं किए गए। शिकायत पक्ष के अनुसार, मृतक को लोन होने पर ब्रोकरेज के रूप में बड़ी रकम मिलने की उम्मीद थी। कथित उत्पीड़न के चलते उसने छह अगस्त 2015 को आत्महत्या कर ली।

गुरुग्राम में CM ने 2 अफसर सस्पेंड किए

छुट्टी के दिन ही लेटर जारी; पॉल्यूशन कंट्रोल में लापरवाही बरतने पर एक्शन

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम में उट नायब सैनी एक्शन में नजर आए। उन्होंने स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के 2 क्षेत्रीय अधिकारियों (फ्ड) को सस्पेंड करने के आदेश दिए। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती की छुट्टी होने के बावजूद कुछ देर में बोर्ड चेयरमैन ने सस्पेंशन लेटर जारी कर दिए। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डवलपमेंट अथॉरिटी व नगर निगम की समीक्षा बैठक में यह मामला उठा। कहा गया कि शहर में प्रदूषण रोकने में लापरवाही हो रही है और शिकायतों पर भी सुनवाई नहीं हो रही। सीएम के आदेश के बाद गुरुग्राम नॉर्थ की आरओ आकांक्षा और साउथ के आरओ मुकुल कुमार पर एक्शन हो गया। समीक्षा बैठक में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना विधायक तेजपाल तंवर और गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे सिलसिलेवार जानिए, कैसे हुआ अधिकारियों का सस्पेंशन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षाः सीएम नायब सैनी शुक्रवार को गुरुग्राम की विकास परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में सिटी के इंफ्रास्ट्रक्चर समेत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति, निर्माण की रफ्तार और लंबित कार्यों की जानकारी ली। एसटीपी के रखरखाव में खामियांः इसके बाद मीटिंग में पॉल्यूशन कंट्रोल के उपायों पर चर्चा शुरू हुई। यहां सीएम के सामने ही विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स (फ्हअ) और स्थानीय लोगों की लगातार मिल रही शिकायतें रखी गईं। शिकायतों में बताया गया कि कई सोसाइटियों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (रळढ) के रखरखाव की व्यवस्था खराब है। एसटीपी को बंद मिलने की शिकायतः सीएम को बताया गया कि बिल्डरों की ओर से रळढ के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। कई सोसाइटियों में एसटीपी बंद पड़े हैं और टैंकरों के जरिए गंदा पानी नालों व खाली जगहों पर डाला जा रहा है। शिकायत मिलने के बाद भी फ्ड कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते। लापरवाही पर सीएम नाराज हो गए। उन्होंने मौके पर ही दोनों अधिकारियों को सस्पेंड करने के आदेश दे दिए।

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री ने किया जीवीपी मुक्त अभियान का शुभारंभ

बोले-सफाई प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी, 10 दिन में 21 कचरा प्वाइंट्स को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर सीएम नायब सिंह सैनी ने स्वच्छ भारत अभियान में कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान सीएम ने स्वच्छता अभियान की शुरूआत की और समाज को स्वच्छता का एक सशक्त संदेश दिया। इस दौरान विधायक मुकेश शर्मा पहलवान और पटौदी की विधायक बिमला देवी भी मौजूद रहीं। इस दौरान सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा गांधी का सपना केवल देश को गुलामी से आजाद कराना ही नहीं था, बल्कि वह एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत का निर्माण भी करना चाहते थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने बापू के इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ भारत मिशन को एक जन आंदोलन का रूप दिया है। आज देश का हर नागरिक इस अभियान से जुड़कर अपना योगदान दे रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा 2026ह्व के तहत नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ह्यजीवीपी मुक्त अभियानह्व की शुरूआत गुरुग्राम से की गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को महरौली रोड पर डीएचबीवीएन कॉलोनी के पास नगर निगम गुरुग्राम द्वारा विकसित किए गए जीवीपी मुक्त स्थल का निरीक्षण कर अभियान की शुरूआत की।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संदेश में स्वच्छता को केवल सरकारी व्यवस्था तक सीमित न रखते हुए नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया।

पत्नी को फोन कर बुलाया, रोते हुए नहर में कूदा पास आते ही झगड़ा करने लगा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में पत्नी के पास आने पर युवक ने नहर में नहर में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दोनों नहर निनारे होकर झगड़ रहे थे। जैसे ही पत्नी युवक के करीब आई, वो तुरंत आगरा नहर में कूद गया। घटना से कुछ देर पहले ही युवक ने पत्नी को कॉल कर कहा था, मैं नहर में कूद रहा हूं। इसके बाद पत्नी अपनी बहन और जीजा के साथ मौके पर पहुंच गई। यहां दोनों के बीच काफी देर तक कहासुनी होती रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सर्च अभियान शुरू कर दिया है। युवक की पहचान सेक्टर-29 निवासी पवन के रूप में हुई। पवन फरीदाबाद में ही एक कंपनी में जॉब करता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि ड्यूटी के दौरान भी पवन का पत्नी से झगड़ा हुआ था। सिलसिलेवार जानें, पूरा घटनाक्रम ड्यूटी के दौरान पत्नी से झगड़ाः बताया जा रहा है कि पवन का पत्नी डिंपल से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार सुबह पवन कंपनी में ड्यूटी करने चला गया। यहां भी फन पर पवन का डिंपल से झगड़ा होता रहा। इसके बाद पवन ड्यूटी छोड़कर सेक्टर-29 स्थित आगरा नहर पुल के पास पहुंच गया। बोला- नहर में कूद जाऊंगाः परिजनों के अनुसार, यहां आते ही पवन ने डिंपल को कॉल कर नहर में छलांग लगाने की बात कही। डिंपल ने तुरंत अपनी बहन और जीजा को कॉल कर घटना की जानकारी दी। पत्नी और परिजन मौके पर पहुंच गए। इस दौरान पवन पुल के किनारे पर खड़ा रहा। पत्नी के पास आते ही नहर में कूदाः प्रत्यक्षदर्शी धनंजय के अनुसार, पत्नी ने उसे समझाने की काफी कोशिश की। मगर पवन उसे चेतावनी देता रहा कि वह पास आई तो नगर में कूद जाएगा। डिंपल पहले तो दूर खड़े होकर लगातार बातचीत करती रही। मगर जैसे ही उसके पास पहुंची, पवन नहर में कूद गया। 200 मीटर तक दिखता रहाः धनंजय के अनुसार, वह अपनी से पुल से गुजर रहे थे। शोर सुनकर वह पुल पर ही रुक गए थे। पवन नहर में कूदने के बाद करीब 200 मीटर तक दिखाई देता रहा।

हरिद्वार से फर्रुखनगर पहुंची ज्योति कलश यात्रा 2400 तीर्थों का रज-जल लेकर चल रही यात्रा, दिल्ली में होंगे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही ज्योति कलश यात्रा शुक्रवार को फर्रुखनगर पहुंची। गायत्री मंदिर में श्रद्धालुओं और गायत्री परिवार के कार्यकताओं ने यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान शांतिकुंज हरिद्वार से आए वीरेंद्र तिवारी ने गायत्री मंत्र के महत्व और गायत्री साधना के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि गायत्री मंत्र सकारात्मक सोच और आत्मअनुशासन को बढ़ावा देता है। वीरेंद्र तिवारी ने बताया कि गायत्री परिवार का लक्ष्य व्यक्तिगत उत्थान के साथ समाज में संस्कार, सेवा और सद्भाव मजबूत करना है। यह शताब्दी वर्ष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी के कार्यों की याद में मनाया जा रहा है। 2400 तीर्थों का रज और जल लेकर निकल रही यात्रा यह ज्योति कलश यात्रा 2400 तीर्थों का रज (मिट्टी) और जल लेकर निकल रही है। सितंबर से यह यात्रा दिल्ली-एनसीआर में जनजागरण का संदेश दे रही है। फर्रुखनगर में ज्योति कलश का पूजन भी किया गया। कार्यक्रम में गायत्री महायज्ञ, ज्योति कलश पूजन और महाप्रसाद वितरण जैसे आयोजन हुए। गायत्री परिवार के आगामी कार्यक्रमों और शताब्दी वर्ष के अंतरराष्ट्रीय आयोजन पर भी चर्चा हुई, जो दिल्ली में होगा। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होंगे कार्यक्रम गायत्री परिवार की ओर से बताया गया कि 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से माता भगवती देवी की स्मृति में डाक टिकट का विमोचन राष्ट्रपति द्वारा किए जाने की जानकारी भी दी गई है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों के पहुंचने की संभावना है। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों से जुड़ने तथा समाज में सद्विचार, संस्कार, सेवा और जनजागरण के संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर आलोक द्विदी गायत्री शक्तिपीठ झटीकरा, अनिल शर्मा गुरुग्राम, सुरेश शुक्ला, आजाद सिंह, गोवर्धन लाल शर्मा, अशोक सिंह झटीकरा, रामकुमार सैनी, निवेश शर्मा, मोतीलाल लम्बरदार आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गायत्री परिवार से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इटली की डिजाइनर लवर की तलाश में गुरुग्राम पहुंची

शादी का वादा कर 97000 ठगने वाला अकक्रिएटर अरेस्ट, 2 लाख खर्च कर भारत आईं

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। इटली की ज्वैलरी डिजाइनर सोशल मीडिया पर बने रिलेशन में लव बॉम्बिंग का शिकार हो गईं। गुरुग्राम के रहने वाले उसके प्रेमी ने खुद को अकफिल्म क्रिएटर और ज्वैलरी डिजाइनर बताया। शादी का वादा किया और पहले मुफ्त में उनके बिजनेस के लिए वीडियो बनाए। भरोसा जीतने के बाद उसने आर्थिक परेशानी का हवाला देकर पैसे मांगने शुरू किए। महिला ने वेस्टर्न यूनियन के जरिए दो बार में कुल 900 यूरो यानी करीब 97 हजार रुपए भेजे। मगर, जब वो युवक उससे बार-बार पैसे मांगने लगा तो शक हुआ और वो इटली पुलिस के पास पहुंची। मगर, पुलिस ने कहा कि मामला भारत का है और गुरुग्राम पुलिस ही कुछ कर सकती है। इसके बाद लेडी डिजाइनर इटली से भारत आईं और गुरुग्राम साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दी। इटली से भारत आने में ही उसने 2 लाख का खर्चा उठाया। पुलिस ने अखिल मौर्या नाम के आरोपी को अरेस्ट कर उसके कब्जे से एक मोबाइल बरामद किया है। इंस्टाग्राम पर एक सिंगर के कमेंट से शुरू हुई बातचीत डेनिएला के मुताबिक, मार्च 2026 में इंस्टाग्राम पर उनकी आरोपी से बातचीत शुरू हुई। दोनों एक जर्मन सिंगर नैन्सी नोयर को फॉलो करते थे। इसी के कमेंट सेक्शन के जरिए दोनों की बातचीत आगे बढ़ी। शुरूआत में आरोपी ने उनके ज्वैलरी बिजनेस के लिए बिना पैसे लिए अकवीडियो बनाकर दिए। पहले बिजनेस में मदद, फिर शादी की बात महिला के अनुसार, बातचीत बढ़ने के साथ आरोपी ने उनके प्रति रुचि दिखानी शुरू की। उसने खुद को अकफिल्म क्रिएटर बताया और उनके साथ काम करने की बात की। बाद में वह शादी की बातें करने लगा और डेनिएला को भावनात्मक रूप से अपने करीब लाने की कोशिश की। महिला ने अपनी शिकायत में इसे पूरे केस को ह्यलव बॉम्बिंगह्व बताया। नौकरी जाने का हवाला देकर मांगे पैसे कुछ समय बाद आरोपी ने अपनी आर्थिक परेशानी की कहानी सुनाई। उसने कहा कि उसकी नौकरी चली गई है और उसे पैसों की जरूरत है। इसके बाद उसने डेनिएला से रकम भेजने को कहा। शुरूआत में उसने बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा था। डेनिएला के मुताबिक, उनके बैंक ने इस ट्रांजैक्शन को लेकर उन्हें सावधान किया। बैंक की चेतावनी के बाद उन्होंने सीधे अकाउंट में रकम भेजने के बजाय वेस्टर्न यूनियन के जरिए पैसे भेजे। दो बार में भेजे 450-450 यूरो महिला की शिकायत के मुताबिक, उन्होंने 4 अगस्त को 450 यूरो और 10 सितंबर को 450 यूरो भेजे। इस तरह आरोपी को कुल 900 यूरो मिले। इसके बाद भी वह और पैसे मांगता रहा। जब डेनिएला ने रकम देने से इनकार किया तो उनके मुताबिक आरोपी ने उनके बिजनेस के लिए वीडियो बनाना भी बंद कर दिया। शक बढ़ा तो सोशल मीडिया प्रोफाइल खंगाली पैसे मांगने और लगातार बदलते व्यवहार के बाद डेनिएला को आरोपी पर शक हुआ। उन्होंने उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों की जानकारी जुटाई। महिला का आरोप है कि आरोपी की इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर ड्रग्स और मारिजुआना से जुड़ी सामग्री भी मौजूद थी। इटली से संपर्क के बाद भारत आने का फैसला डेनिएला ने पहले इटली में पुलिस से संपर्क किया।

भाजपा नेता मनीष सैदपुर बोले- युवाओं की ऊर्जा ही विकसित हरियाणा की असली ताकत

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला परिषद वार्ड नंबर 4 के अंतर्गत गांव साढ़राना में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा जिला महामंत्री मनीष सैदपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मनीष सैदपुर ने युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा ही विकसित हरियाणा की असली ताकत है और ऐसे आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखकर सकारात्मक दिशा देते हैं। खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वहीं, गांव की सरदारी और आयोजन कमेटी द्वारा दिए गए मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विकास चौहान, गोवर्धन यादव, तेजिंदर यादव, प्रवीण वशिष्ठ, अनूप राजपूत, मिंटू राजपूत, सज्जन यादव, पिंकू गुर्जर, कपिल यादव, चिराग यादव, गोलू गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा उपस्थित रहे।

फर्रुखनगर का सुलतानपुर बना बाल विवाह मुक्त गांव पंचायती राज विभाग ने दिया प्रमाण पत्र

ग्रामीणों ने लिया स्वच्छता व सामाजिक सुधार का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गांधी जयंती के अवसर पर गुरुग्राम जिले के फर्रुखनगर खंड के गांव सुलतानपुर में सशक्त भारत-समृद्ध भारत विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंचायती राज हरियाणा के अधिकारी सुशील सारवान पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूलमालाओं और पारंपरिक पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। ग्राम सभा में संबोधन से पहले आईएएस सुशील सारवान ने गांव की स्वच्छता व्यवस्था में योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने सुलतानपुर को स्वच्छ गांव बनाने में सफाई कर्मचारियों और ग्रामीणों के योगदान की सराहना की। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुधारों की जानकारी दी। स्वच्छ भारत अभियान, पर्यावरण संरक्षण, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक, जल संरक्षण और गांव में स्वच्छता बनाए रखने जैसे विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाने की शपथ भी दिलाई। बाल विवाह मुक्त गांव का मिला प्रमाण पत्र ग्राम सभा के दौरान सुलतानपुर को फर्रुखनगर खंड का पहला ह्यबाल विवाह मुक्तह्न गांव घोषित किया गया। आईएएस सुशील सारवान ने ग्राम पंचायत को इसका प्रमाण पत्र सौंपा। उन्होंने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को खत्म करने के लिए पंचायत और ग्रामीणों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुलतानपुर ने सामाजिक सुधार और महिला सशक्तीकरण की दिशा में उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे बाल विवाह को रोकने के लिए जागरूकता फैलाएं और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करें। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमित कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नवनीत कौर, बीडीपीओ नरेश कुमार, सरपंच सीमा चौहान, ग्राम सचिव अनिल कुमार सहित पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कैंटर से निकला 6 फीट लंबा अजगर रस्सी बांधकर सड़क पर घसीटा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में आइसर कैंटर से 6 फीट लंबा अजगर निकला है। ड्राइवर ने एक उठॠपंप पर रुककर कैंटर के इंजन की सफाई करने के लिए बोनट खोला था। तभी अचानक वायर से लिपटा अजगर दिखाई दिया। अजगर देखते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद आसपास के लोगों ने अजगर को एक रस्सी से बांध लिया। अजगर के कैंटर से लिपटने का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक व्यक्ति अजगह को रस्सी में बांधकर सड़क पर घसीटता नजर आ रहा है। ये पूरी घटना पाली गांव में उठॠपंप पर हुई। लोगों ने अजगर को पंप के सामने जंगल में छोड़ दिया। मामले में वन अधिकारियों का कहना है कि कैंटर में अजगर निकलने की सूचना मिली थी। यहां, सिलसिलेवार जानिए अजगर निकलने का घटनाक्रम इंजन और बोनट के बीच फंसा थाः घटना गुरुवार को पाली गांव के सीएनजी पंप पर हुई। शुक्रवार को इसका वीडियो सामने आया है। इसमें अजगर इंजन और बोनट के बीच इस तरह फंसा नजर आ रहा था। अजगर को निकालने के लिए आसपास के लोगों ने काफी प्रयास किए, लेकिन वह बाहर नहीं निकला। इसके बाद एक व्यक्ति ने अजगर को रस्सी में बांध लिया। उसे खींचकर बाहर निकालने का प्रयास किया। कई कोशिशों के बाद अजगर बोनट से निकलकर नीचे आ गया। रस्सी से खींचकर जंगल में छोड़ाः अजगर को बाहर निकलने के बाद एक व्यक्ति ने उसे रस्सी में बांधकर सड़क पर घसीटकर अरावली के जंगल एरिया में छोड़ दिया। इसके बाद कैंटर ड्राइवर अपना वाहन लेकर वहां से चला गया। ग्रामीणों का कहना है कि अरावली एरिया होने के कारण यहां अक्सर अजगर दिखाई देते हैं।

तीन दिन पहले काम पर आया कर्मी 53 कोरियर पैकेट लेकर फरार

गुरुग्राम। कोरियर कार्यालय में डिलीवरी के काम पर तीन दिन पहले रखा गया युवक 53 पैकेट और उनसे मिलने वाली नकदी लेकर गायब हो गया। संचालक की शिकायत पर सेक्टर-14 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के बिजवासन निवासी राजेश कुमार सैनी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अतुल कटारिया चौक के पास सितंबर 2022 से कोरियर कार्यालय खोल रखा है। यहां करीब 20 कर्मचारी काम करते हैं। विजय प्रजापति को 10 सितंबर से पैकेट डिलीवरी के काम पर रखा गया था। 13 सितंबर की सुबह उसे डिलीवरी के लिए 53 पैकेट दिए गए। शिकायतकर्ता के अनुसार, विजय पैकेट और उनसे प्राप्त होने वाली नकदी लेकर डिलीवरी के लिए निकला, लेकिन वापस कार्यालय नहीं आया। देर शाम तक उसके नहीं लौटने पर फोन किया गया, लेकिन उसने कॉल नहीं उठाई। इसके बाद संचालक ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बाद में पुलिस को शिकायत दी गई। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल विजय ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

रजत ठाकुर की 167 रन की पारी से माधव अकादमी बनी विजेता

गुरुग्राम। अचीवर्स अकादमी एंड पार्क मैदान पर शुक्रवार को खेले गए जूनियर क्रिकेट मुकाबले में माधव क्रिकेट अकादमी अंडर-12 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अचीवर्स जूनियर क्रिकेट अकादमी को 59 रन से हरा दिया। माधव अकादमी की जीत के नायक रजत ठाकुर रहे, जिन्होंने 115 गेंदों में 167 रन की शानदार पारी खेली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए माधव अकादमी ने निर्धारित 30 ओवर में तीन विकेट पर 259 रन बनाए। रजत ठाकुर ने 167 रन बनाए, जबकि कप्तान सौरभ राठौर ने 43 और उज्ज्वल सिंह राजपूत ने 15 रन का योगदान दिया। अचीवर्स की ओर से लक्ष्य, अफजल और यश मोरिया ने एक-एक विकेट लिया। 260 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अचीवर्स जूनियर क्रिकेट अकादमी की टीम 30 ओवर में छह विकेट पर 200 रन ही बना सकी। माहिर मोर ने 97 गेंदों में नाबाद 107 रन की शतकीय पारी खेलकर संघर्ष किया। कप्तान नरेंद्र श्रीवास्तव और जतिन कुमार ने 18-18 रन बनाए, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। माधव अकादमी की ओर से उज्ज्वल सिंह राजपूत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए। पार्थ वशिष्ठ ने दो और आदर्श कुमार ने एक विकेट हासिल किया। रजत की बड़ी पारी और गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन से माधव अकादमी ने मुकाबला अपने नाम किया।

गुरुग्राम में प्रॉपर्टी विवाद में युवक के अपहरण की कोशिश

कार में घुसे किडनैपर, हथियार दिखाकर दबाव बनाया; 5 आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में हथियार के बल पर युवक का अपहरण करने के प्रयास का मामला सामने आया है। प्रॉपर्टी विवाद में दबाव बनाने के लिए अपहरण करने की योजना बनाई गई थी और आरोपियों ने हथियार दिखाकर युवक को कार सहित किडनेप करके ले जाने का प्रयास किया था। क्राइम ब्रांच सेक्टर-43 की टीम ने हथियार के बल पर अपहरण करने के प्रयास के मामले को सुलझाते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने प्रॉपर्टी डील को लेकर उत्पन्न रंजिश के चलते शिकायतकर्ता का अपहरण करके उसके पिता पर प्रॉपर्टी की डील रद्द करने अथवा रुपये देने का दबाव बनाने की योजना तैयार की थी। 22 सितंबर को सेक्टर-29 थाने में एक व्यक्ति ने एक लिखित शिकायत के माध्यम से बताया कि वह 21 सितंबर को गैलेरिया मार्केट आया था। यह अपनी कार पार्क करके एक कैफे में चला गया। वापस आकर जैसे ही ये अपनी कार में बैठने लगा, तभी एक व्यक्ति उसकी कार की अगली सीट पर तथा दो व्यक्ति पिछली सीट पर आकर बैठ गए। हथियार दिखाकर किडनेप का प्रयास अगली सीट पर बैठे व्यक्ति ने इसको पिस्तौलनुमा हथियार दिखाकर उनके साथ चलने के लिए कहा। इसके द्वारा विरोध करने पर उन्होंने इस पर गोली चलाने का प्रयास किया, लेकिन हथियार से गोली नहीं चली। उसने तत्परता दिखाते हुए तत्काल अपनी कार आगे बढ़ा दी, कार के चलते ही पिछली सीट पर बैठे दोनों व्यक्ति कार से उतरकर भाग गए। आगे स्कूटी आने के कारण इसको कार रोकनी पड़ी, जिसका फायदा उठाकर अगली सीट पर बैठा आरोपी भी कार से उतरकर भाग गया, परन्तु उनका पिस्तौल कार में ही छूट गया। पीड़ित द्वारा पुलिस टीम को दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस थाना सेक्टर-29 में केस दर्ज किया गया। आरोपियों की पहचान गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवीण निवासी नयागांव, सुमेर सिंह निवासी लक्ष्मण विहार, शिव शंकर निवासी मोखरी, जिला भगुवा, बिहार, वर्तमान में वैधरम कॉलोनी, पल्ला, जिला फरीदाबाद, अमन निवासी मथी कलां, जिला रीमा, मध्य-प्रदेश, वर्तमान निवासी मीठापुर, दिल्ली और हेमंत निवासी देवरा फरेदा, जिला रीमा, मध्य-प्रदेश, वर्तमान निवासी मीठापुर, दिल्ली के रूप में हुई है। प्रॉपर्टी डील रद्द होने की रंजिश बनी आरोपियों से की गई पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी प्रवीण ने शिकायतकर्ता के पिता के साथ प्रॉपर्टी की डील की थी। बाद में शिकायतकर्ता के पिता ने प्रॉपर्टी की डील किसी अन्य व्यक्ति के साथ कर ली। इसी बात को लेकर आरोपी प्रवीण रंजिश रखने लगा। आरोपी प्रवीण ने अपने साथी सुमेर को इस बारे में बताया। इसके बाद दोनों ने शिकायतकर्ता का अपहरण करके उसके पिता पर प्रॉपर्टी की डील इनके साथ करने तथा रुपये देने का दबाव बनाने की योजना तैयार की। नूंह से लिया था हथियार वारदात को अंजाम देने के लिए उक्त आरोपी प्रवीण और सुमेर नूंह से हथियार लेकर आए।

दीपेंद्र हुड्डा की टिप्पणी पर विपुल गोयल का पलटवार

फरीदाबाद में निकाय मंत्री बोले– पहले अपने अंदर झांके, कांग्रेस को सिर्फ कुर्सी चाहिए

फरीदाबाद। में सीएम नायब सिंह सैनी पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा की टिप्पणी को लेकर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने पलटवार किया है। गोयल ने कहा कि हुड्डा को सीएम पर टिप्पणी करने से पहले अपने अंदर झांकना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 24 घंटे में करीब 18 घंटे जनता के हित में काम कर रहे हैं और लगातार प्रदेश के विकास को लेकर सक्रिय हैं। दरअसल, 1 अक्तूबर को तिगांव में हुए कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली और प्रदेश में उनकी सक्रियता को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए उनकी भूमिका और जनता के बीच मौजूदगी को लेकर टिप्पणी की थी। इसी बयान को लेकर अब भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। विपुल गोयल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कांग्रेस के कई आरोपों की सच्चाई जनता के सामने आ चुकी है। चाहे वोट चोरी का मुद्दा हो या दूसरे राजनीतिक आरोप, कांग्रेस के दावे लगातार बेनकाब हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें दम है तो सामने आकर बहस करें, इससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। नायब सैनी 18 घंटे जनता के लिए कर रहे काम गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार नॉनस्टॉप काम कर रहे हैं। कभी उन्हें विजिटिंग मुख्यमंत्री कहा जाता है, तो कभी किसी अन्य नाम से निशाना बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सैनी भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्हें जब पंजाब की जिम्मेदारी मिली तो वहां काम किया और अब हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में पूरी मेहनत से जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कांग्रेस को सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी चाहिए कैबिनेट मंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं का उद्देश्य जनता की सेवा नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करना है। इसी वजह से कांग्रेस नेता रोज नए-नए आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब कांग्रेस नेताओं की राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है। बुढ़ैना में 18 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा विपुल गोयल संकल्प सेवा अभियान के तहत गांव बुढ़ैना पहुंचे थे। यहां उन्होंने गांव के विकास के लिए करीब 18 करोड़ रुपये के कार्यों की सौगात देने की बात कही। उन्होंने कहा कि गांव की गलियों, नालियों, पार्कों और अन्य विकास कार्यों पर आगामी सात दिनों में काम शुरू किया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक पढ़ाई में करेंगे एआई का इस्तेमाल

गुरुग्राम। जिले के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए प्राथमिक शिक्षकों को एआई की बुनियादी जानकारी और सुरक्षित इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिक्षकों को 10 अक्तूबर तक पंजीकरण कराना होगा, जबकि ऑनलाइन प्रशिक्षण 30 अक्तूबर तक चलेगा। शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षकों के लिए ह्यडिजिटल टीचर कोर्स ऑन एआई बेसिक्स फॉर प्राइमरी टीचर्सह्व शुरू किया है। इसके तहत जिले के सभी प्राथमिक शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण लेना होगा। प्रशिक्षण में एआई के सही और सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी। एआई की मदद से शिक्षक कक्षा गतिविधियों, मूल्यांकन और विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार शिक्षण सामग्री तैयार कर सकेंगे। इसके अलावा कहानियां, वर्कशीट और गतिविधि आधारित पाठ योजनाएं बनाने में भी एआई का उपयोग किया जा सकेगा। एक ही कक्षा में अलग-अलग क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए उनके स्तर के अनुसार सामग्री तैयार करने में भी एआई मददगार होगा।

सम्पादकीय

हर आकर्षण प्रेम नहीं होता, रिश्तों की वास्तविकता को समझना जरूरी

मानवीय संबंधों की दुनिया बहुत सुंदर भी है और बहुत जटिल भी। किसी का अच्छा लगना, उसकी ओर आकर्षित होना, उसके साथ समय बिताने की इच्छा होना और उसके प्रति गहरा प्रेम होना ये सभी भाव एक जैसे दिखाई दे सकते हैं, लेकिन वास्तव में इनके अर्थ और गहराई अलग-अलग होते हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब हम पसंद को प्रेम और आकर्षण को स्थायी संबंध समझ बैठते हैं। अक्सर दो लोग बातचीत करते-करते एक-दूसरे के करीब आते हैं। एक-दूसरे की बातें अच्छी लगती हैं, साथ अच्छा लगता है, परवाह करने से सुख मिलता है और धीरे-धीरे मन उस संबंध को कोई बड़ा नाम दे देता है। यहीं से अपेक्षाएं जन्म लेती हैं। एक पक्ष इसे प्रेम समझने लगता है, जबकि दूसरे के लिए वह केवल आत्मीयता, मित्रता या पसंद तक सीमित हो सकता है। मनोविज्ञान में आकर्षण को संबंधों की शुरुआत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, लेकिन दीर्घकालिक संबंध केवल आकर्षण से नहीं चलते। उनमें विश्वास, प्रतिबद्धता, पारस्परिक सम्मान, संवाद और कठिन परिस्थितियों में साथ निभाने की इच्छा भी आवश्यक होती है। मनोवैज्ञानिक रॉबर्ट स्टर्नबर्ग के प्रेम के त्रिकोणीय सिद्धांत में भी अंतरंगता, जुनून और प्रतिबद्धता को प्रेम के प्रमुख घटक माना गया है। इसका अर्थ यह है कि केवल भावनात्मक आकर्षण को पूर्ण प्रेम मान लेना उचित नहीं है। सबसे अधिक पीड़ा उस समय होती है, जब व्यक्ति ने किसी संबंध को अपने मन में जितनी ऊंचाई दे दी हो, सामने वाला उसे उतनी ऊंचाई पर मानता ही न हो। तब एक साधारण-सा वाक्य ह्लमैं तुम्हें पसंद करता हूं, लेकिन प्रेम नहीं करताह्व पूरे भावनात्मक संसार को हिला सकता है। जिसे हम संबंध का आधार समझ रहे थे, वह दूसरे व्यक्ति के लिए शायद केवल एक खूबसूरत पड़ाव था। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना जरूरी है कि हर पसंद का अंत प्रेम में नहीं होता और हर प्रेम का अंत संबंध में नहीं होता। मनुष्य की भावनाएं समय, परिस्थितियों और अनुभवों के साथ बदल सकती हैं। किसी व्यक्ति के प्रति आज गहरा आकर्षण होना इस बात की गारंटी नहीं कि भविष्य में भी वही भाव बना रहेगा। इसी तरह किसी का पीछे हट जाना हमेशा छल या धोखा नहीं होता। कई बार व्यक्ति स्वयं अपनी भावनाओं को समझने के बाद यह महसूस करता है कि वह उस संबंध को आगे नहीं बढ़ाना चाहता। इसलिए संबंधों में सबसे जरूरी है स्पष्टता। यदि सामने वाला किसी संबंध को केवल मित्रता या पसंद तक सीमित मानता है तो उसकी बात को स्वीकार करना चाहिए। अपनी कल्पनाओं के आधार पर दूसरे व्यक्ति की भावनाओं का अर्थ तय करना अंततः स्वयं को ही पीड़ा देता है। हमारे समाज में भावनात्मक लगाव को अक्सर इतना महत्व दिया जाता है कि व्यक्ति दूसरे की छोटी-छोटी बातों में भी प्रेम के संकेत खोजने लगता है। संदेश का इंतजार, बार-बार बात करने की इच्छा, चिंता करना या साथ समय बिताना ये सब आत्मीयता के संकेत हो सकते हैं, लेकिन इन्हें अपने आप में प्रेम का प्रमाण नहीं माना जा सकता। स्वस्थ संबंध वही है जिसमें दोनों पक्षों की भावनाएं, सीमाएं और अपेक्षाएं स्पष्ट हों। जहां एक व्यक्ति संबंध को जीवन का केंद्र बना ले और दूसरा उसे केवल एक सामान्य आत्मीय रिश्ता समझे, वहां असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए संबंधों को वरीयता देने से पहले उनके स्वरूप को समझना आवश्यक है। पसंद को प्रेम मानने की जल्दबाजी न करें, आकर्षण को प्रतिबद्धता न समझें और किसी की आत्मीयता को अपनी कल्पना के अनुसार प्रेम का नाम न दें। संबंध जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसकी वास्तविकता को स्वीकार करना भी है। क्योंकि कभी-कभी रिश्ते का टूटना उतना दुखद नहीं होता, जितना उस रिश्ते के बारे में हमारी बनाई हुई धारणा का टूटना। और जब वह धारणा टूटती है, तभी पैरों तले की जमीन खिसकती महसूस होती है। इसलिए प्रेम की सुंदरता को बनाए रखने के लिए भावनाओं के साथ-साथ विवेक और स्पष्टता भी जरूरी है। संबंधों को वही ऊंचाई दीजिए, जितनी ऊंचाई पर दोनों एक-दूसरे को स्वीकार करते हों।

आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत किए बिना नहीं संवरेगा बचपन

जानकी गोदारा

किसी बच्चे के स्वस्थ विकास की शुरूआत स्कूल की कक्षा से बहुत पहले हो जाती है। जीवन के शुरूआती छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यही वह उम्र है जब पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण और सीखने का माहौल बच्चे के भविष्य की नींव तैयार करता है। ग्रामीण भारत में इस जिम्मेदारी को लंबे समय से आंगनबाड़ी केंद्र निभाते आए हैं। यह केवल छोटे बच्चों को बैठाने और खाना देने की जगह नहीं है, बल्कि उनके साथ साथ गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं तक पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा पहुंचाने की सबसे महत्वपूर्ण जमीनी व्यवस्थाओं में से एक है। लेकिन सवाल यह है कि जिस उद्देश्य के लिए आंगनबाड़ी व्यवस्था शुरू की गई थी, क्या वह आज अपने लक्ष्य तक पहुँचता नजर आ रह है? बीकानेर जिला के लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 13 किमी दूर खियेरा गांव तो सरकारी आंकड़ों से कुछ अलग कहानी बताता है। इस गांव में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र के भवन की स्थिति संतोषजनक नहीं है। जिसमें बिजली और शौचालय तक की सुविधा नहीं है। गर्मी के दिनों में जब तापमान बच्चों के लिए मुश्किलें पैदा करता है, तब अभिभावक भी उन्हें वहां भेजने से हिचकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार इस केंद्र पर पोलियो की दवा पिलाने और बच्चों के नियमित टीकाकरण की व्यवस्था भी नहीं हो पाती। हालांकि ग्रामीण यह भी बताते हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता और कंचन अपनी जिम्मेदारी पूरी मेहनत से निभाती हैं। वे बच्चों को घर से केंद्र तक लाती हैं और केंद्र बंद होने के बाद उन्हें वापस घर भी पहुंचाती हैं। उन्हें पौष्टिक भोजन भी देती हैं। यानी समस्या उस व्यवस्था की है जिसमें उन्हें काम करना पड़ता है। हालांकि सरकार अब पुराने केंद्रों को ह्यसक्षम आंगनबाड़ीह्व बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। मार्च 2026 तक देश में 1,03,940 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में विकसित किया जा चुका था। इनमें बेहतर भवन, सुरक्षित पेयजल, एलईडी स्क्रीन, इंटरनेट की सुविधा जहां संभव हो, सीखने की सामग्री, पोषण वाटिका, साफ भंडारण और बच्चों के अनुकूल वातावरण जैसी सुविधाओं पर जोर है। केंद्र सरकार ने कुल दो लाख आंगनबाड़ी केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। 2026-27 के केंद्रीय बजट में भी मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के लिए 23,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि का इस्तेमाल पोषण सहायता, प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा और आंगनबाड़ी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसी गतिविधियों में होना है। राजस्थान के 2026-27 के बजट में भी आंगनबाड़ी को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। राज्य में 7,500 आंगनबाड़ियों को ह्यनंद घरह्व के रूप में विकसित करने के लिए 225 करोड़ रुपये, करीब 3,800 केंद्रों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए 80 करोड़ रुपये से अधिक तथा विद्यालयों के साथ संचालित 22,746 आंगनबाड़ी केंद्रों में खेल सामग्री और ह्यजादुई पिटाराह्व उपलब्ध कराने के लिए करीब 323 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा बिजली से वंचित सरकारी भवनों में चल रहे 17,095 आंगनबाड़ी केंद्रों को बिजली कनेक्शन देने की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं का महत्व खियेरा जैसे गांवों को देखकर समझा जा सकता है। यदि किसी आंगनबाड़ी में बिजली नहीं है, शौचालय नहीं है और बच्चों के बैठने तथा सीखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है तो वहां पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता की उम्मीद करना मुश्किल है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि भवन, बिजली, पानी, शौचालय और बच्चों के अनुकूल वातावरण को बुनियादी अधिकार की तरह लिया जाए। स्वास्थ्य विभाग और आंगनबाड़ी के बीच समन्वय इतना मजबूत हो कि टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और पोषण संबंधी सेवाएं कागज पर नहीं, बल्कि नियमित रूप से केंद्र तक पहुंचें। आंगनबाड़ी की सफलता का पैमाना केवल यह नहीं होना चाहिए कि कितने केंद्र खुले हैं या कितने बच्चों को भोजन मिला। असली सवाल यह होना चाहिए कि कितने बच्चे स्वस्थ हुए, कितने बच्चों का कुपोषण कम हुआ, कितने बच्चों ने स्कूल के लिए बेहतर तैयारी की और कितने गांवों में माताओं को अपने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी मिली।

सत्य-अहिंसा के संकल्प से महात्मा बने गांधी, छोटे-छोटे सद्गुणों ने गढ़ा महान व्यक्तित्व

उसके छोटे-छोटे निर्णय, संस्कार, कर्म और जीवन के प्रति उसकी सजगता ही धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है। बालक मोहनदास के जीवन में भी ऐसे अनेक प्रसंग आए, जिन्होंने आगे चलकर उनके व्यक्तित्व को दिशा दी। बचपन में एक बार गांधीजी ने अपने पिता की जेब से कुछ पैसे ले लिए। बाद में उन्हें अपनी भूल का गहरा पश्चाताप हुआ। उनकी अंतरात्मा उन्हें धिक्कारती रही। पिता के सामने सीधे अपनी गलती स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा पाए तो उन्होंने पत्र लिखकर अपनी भूल स्वीकार की और क्षमा मांगी। साथ ही भविष्य में चोरी और झूठ से दूर रहने का संकल्प लिया। यही घटना बताती है कि गलती हो जाना उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना अपनी गलती को पहचानना, उसका पश्चाताप करना और उसे दोबारा न दोहराने का दृढ़ निश्चय करना।

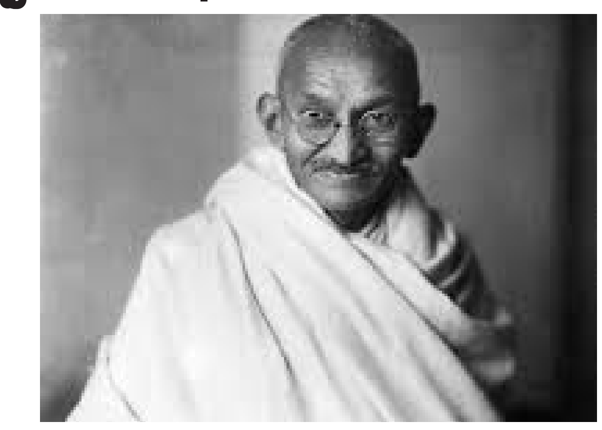

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

गांधीजी का जीवन सद्गुणों और सत्संकल्पों का ऐसा प्रेरणास्त्रोत था, जिसमें सत्य, अहिंसा, स्वावलम्बन, सादगी, ईमानदारी और सदाचार जीवन के व्यवहार का हिस्सा बनकर सामने आए। उनके विचार और आचार में कोई अंतर नहीं था। वे जो कहते थे, उसे अपने जीवन में उतारकर दिखाते थे। यही कारण है कि उनके संपर्क में आने वाले अनेक कार्यकताओं और अनुयायियों के जीवन पर भी उनके विचारों और आचरण की गहरी छाप पड़ी। विनोबा भावे, डॉ. राजेन्द्रप्रसाद, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे अनेक प्रमुख व्यक्तित्व उनके विचारों से प्रभावित हुए। गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर को जन्मे मोहनदास कर्मचंद गांधी बचपन से ही संस्कारवान और संवेदनशील थे। माता-पिता के संस्कार तथा परिवार के धार्मिक वातावरण ने उनके भीतर सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यभावना और संकल्पशीलता को मजबूत किया। कोई व्यक्ति जन्म से महापुरुष नहीं होता। उसके छोटे-छोटे निर्णय, संस्कार, कर्म और जीवन के प्रति उसकी सजगता ही धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है। बालक मोहनदास के जीवन में भी ऐसे अनेक प्रसंग आए, जिन्होंने आगे चलकर उनके व्यक्तित्व को दिशा दी। बचपन में एक बार गांधीजी ने अपने पिता की जेब से कुछ पैसे ले लिए। बाद में उन्हें अपनी भूल का गहरा पश्चाताप हुआ। उनकी अंतरात्मा उन्हें धिक्कारती रही। पिता के सामने सीधे अपनी गलती स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा पाए तो उन्होंने पत्र लिखकर अपनी भूल स्वीकार की और क्षमा मांगी। साथ ही भविष्य में चोरी और झूठ से दूर रहने का संकल्प लिया। यही घटना बताती है कि गलती हो जाना उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना अपनी गलती को पहचानना, उसका पश्चाताप करना और उसे दोबारा न दोहराने का दृढ़ निश्चय करना। यही आत्मचिंतन व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है। गांधीजी के जीवन निर्माण में उनकी माता के संस्कारों के साथ गुजरात के स्थानकवासी जैन संत बेचरदासजी और श्रीमद राजचंद्र का भी महत्वपूर्ण प्रभाव रहा। विदेश जाते समय बेचरदासजी से मिले नियमों ने उनके जीवन को अनुशासन दिया, वहीं श्रीमद राजचंद्र के आध्यात्मिक चिंतन ने उनके भीतर आत्ममंथन और सत्य की खोज को गहरा किया। गांधीजी के व्यक्तित्व में जो संयम, आत्मनिरीक्षण और सिद्धांतनिष्ठा दिखाई देती है, उसके पीछे ऐसे संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गांधीजी जीवन की छोटी-छोटी बातों को भी बहुत गंभीरता से लेते थे। एक सभा में हरिजन निधि के लिए चंदा एकत्र किया जा रहा था। इसी दौरान एक पैसा हाथ से गिर गया। साथियों ने कहा कि उस पैसे को छोड़कर उसके बदले एक रुपया दे दिया जाएगा, लेकिन गांधीजी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए वह पैसा राष्ट्र की संपत्ति था। उन्होंने उसे खोजकर ही दम लिया। इस घटना में राशि का मूल्य नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन के प्रति उनकी जिम्मेदारी और निष्ठा दिखाई देती है। उनका मानना था कि जनता के विश्वास और धन का सम्मान करना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य है। गांधीजी का सादगीपूर्ण जीवन भी उनके विचारों का ही विस्तार था। उड़ीसा की यात्रा के दौरान उन्होंने एक गरीब महिला को देखा, जिसके पास शरीर ढकने के लिए भी पर्याप्त कपड़ा नहीं था। इस दृश्य ने उन्हें भीतर तक प्रभावित किया। उन्होंने अनुभव किया कि जिस देश के गरीब लोगों के पास पर्याप्त वस्त्र नहीं हैं, वहां स्वयं आरामदायक वस्त्र पहनना उनके लिए उचित नहीं। इसके बाद उन्होंने अपनी पोशाक को अत्यंत सादा बना लिया। उनकी वेशभूषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं थी, बल्कि देश के गरीब और वंचित लोगों के साथ आत्मीयता का प्रतीक बन गई। स्वावलम्बन गांधीजी के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष था। वे अपना काम स्वयं करने में विश्वास रखते थे। लंदन में भारतीय विद्यार्थियों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वे बिना किसी संकोच के बर्तन साफ करने में लग गए। विद्यार्थियों को बाद में पता चला कि जिनके हाथों में वे बर्तन धोते देख रहे थे, वे गांधीजी ही हैं। आश्रम जीवन में भी उन्होंने स्वयं श्रम करके दूसरों को श्रम की गरिमा का संदेश दिया। उन्होंने केवल भाषण देकर स्वावलम्बन नहीं सिखाया, बल्कि अपने आचरण से उसे जीवन का हिस्सा बनाया। गांधीजी का अनुशासन कठोरता से अधिक आत्मीयता पर आधारित था। वे किसी की गलती पर केवल दोषारोपण करने के बजाय व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करते थे। उनका विश्वास था कि प्रेम और आत्मीयता से मनुष्य के भीतर परिवर्तन अधिक स्थायी रूप से आता है। वे स्वयं अपने आचरण को दूसरों के लिए उदाहरण बनाते थे। इसलिए उनका संदेश केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहता था, बल्कि लोगों के व्यवहार में दिखाई देने लगता था। गांधीजी का पूरा जीवन सत्य और अहिंसा के प्रयोगों की प्रयोगशाला था।

अक्टूबर में क्या इथेनॉल बनेगा भारत के परिवहन का नया ईंधन?

देश में इस मिश्रण को लेकर वाहन चालकों के बीच कई सवाल उठे हैं। विशेषकर पुराने वाहनों के इंजन, माइलेज, रखरखाव और दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर चचाएँ हुई है। सरकार का कहना है कि ई20 लागू करने से पहले वाहनों की इंजन क्षमता, ईंधन प्रणाली, टिकाऊपन और उत्सर्जन सहित विभिन्न मानकों पर परीक्षण किए गए। सरकार के अनुसार करोड़ों दोपहिया और पेट्रोल वाहन ई20 ईंधन पर चल रहे हैं और बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने का कोई सत्यापित प्रमाण सामने नहीं आया है। ई20 को लेकर सार्वजनिक विमर्श में दो अलग-अलग दृष्टिकोण दिखाई देते हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत में पेट्रोल की बढ़ती जरूरत, आयात पर निर्भरता, प्रदूषण और ऊर्जा सुरक्षा जैसे सवालों के बीच इथेनॉल एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में लगातार चर्चा में है। फिलहाल देश में ई20 यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर बहस जारी है। इसी बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के उस बयान ने नई चर्चा को जन्म दिया है कि अक्टूबर में टोयोटा ऐसी कार पेश कर सकती है, जो 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने में सक्षम होगी।यह केवल एक नए वाहन के बाजार में आने की खबर नहीं है, बल्कि भारत की ऊर्जा नीति और परिवहन व्यवस्था में संभावित बदलाव की ओर संकेत भी माना जा सकता है। खास बात यह है कि प्रस्तावित वाहन चलते समय बिजली भी पैदा करेगा। यानी एक ही तकनीक में वैकल्पिक ईंधन और विद्युत उत्पादन की दोहरी अवधारणा दिखाई देगी। इथेनॉल को लेकर भारत में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से नीतिगत बदलाव हुए हैं। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का उद्देश्य केवल पेट्रोल की खपत कम करना नहीं है। इसके पीछे ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू कृषि क्षेत्र को बाजार उपलब्ध कराने और प्रदूषण कम करने जैसे कई लक्ष्य जुड़े हैं। ई20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण। देश में इस मिश्रण को लेकर वाहन चालकों के बीच कई सवाल उठे हैं। विशेषकर पुराने वाहनों के इंजन, माइलेज, रखरखाव और दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर चचाएँ हुई है। सरकार का कहना है कि ई20 लागू करने से पहले वाहनों की इंजन क्षमता, ईंधन प्रणाली, टिकाऊपन और उत्सर्जन सहित विभिन्न मानकों पर परीक्षण किए गए। सरकार के अनुसार करोड़ों दोपहिया और पेट्रोल वाहन ई20 ईंधन पर चल रहे हैं और बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने का कोई सत्यापित प्रमाण सामने नहीं आया है। ई20 को लेकर सार्वजनिक विमर्श में दो अलग-अलग दृष्टिकोण दिखाई देते हैं। एक पक्ष इसे ऊर्जा सुरक्षा और स्वदेशी ईंधन की दिशा में आवश्यक कदम मानता है, जबकि दूसरा पक्ष वाहन के माइलेज, पुराने वाहनों की संगतता और उपभोक्ता लागत जैसे सवाल उठाता है। ऐसे समय में गडकरी का यह कहना महत्वपूर्ण है कि इथेनॉल के इस्तेमाल को लेकर अब तक वाहनों में बड़े स्तर पर कोई शिकायत सामने नहीं आई है। हालांकि किसी भी नई ईंधन तकनीक का मूल्यांकन केवल राजनीतिक या सार्वजनिक दावों से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्वतंत्र परीक्षण, वास्तविक उपयोग के आंकड़ों और उपभोक्ता अनुभवों से होना चाहिए। यही कारण है कि ई20 की चर्चा के साथ-साथ अब 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली कार की संभावित पेशकश को भी गंभीर तकनीकी प्रयोग के रूप में देखना होगा। यदि कोई वाहन केवल इथेनॉल पर चल सकता है, तो यह पेट्रोल आधारित पारंपरिक वाहन व्यवस्था से एक महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव होगा। वर्तमान में आम उपभोक्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वैकल्पिक ईंधन तभी बड़े पैमाने पर सफल हो सकता है, जब उसके लिए वाहन, ईंधन और वितरण, तीनों का मजबूत ढांचा मौजूद हो। 100 प्रतिशत इथेनॉल वाली कार इस दिशा में एक प्रयोगात्मक और व्यावसायिक दोनों प्रकार का संदेश दे सकती है। इससे यह सवाल भी उठेगा कि क्या भविष्य में भारत में केवल पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता के बजाय इथेनॉल, विद्युत और अन्य वैकल्पिक ईंधनों का मिश्रित परिवहन तंत्र विकसित किया जा सकता है? प्रस्तावित टोयोटा वाहन की सबसे दिलचस्प विशेषता यह बताई गई है कि वह 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलने के साथ-साथ चलते समय बिजली भी पैदा करेगा। यदि यह तकनीक व्यावहारिक और बड़े पैमाने पर उपयोग योग्य साबित होती है, तो वाहन तकनीक में यह महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकता है। यहां यह समझना आवश्यक है कि इथेनॉल से बिजली पैदा करने की अवधारणा को पारंपरिक पेट्रोल कार के समान नहीं समझना चाहिए। आधुनिक वाहन तकनीक में इंजन, जनरेटर, बैटरी और विद्युत मोटर के संयोजन के जरिए ऊर्जा का अलग-अलग रूपों में उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार इथेनॉल आधारित वाहन और इलेक्ट्रिक तकनीक का मेल भविष्य के परिवहन का एक अलग मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। भारत में इथेनॉल की कहानी केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की कहानी नहीं है। इसका सीधा संबंध कृषि अर्थव्यवस्था से भी है। देश में गन्ने से इथेनॉल उत्पादन लंबे समय से किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने अन्य फीडस्टॉक और जैविक स्त्रोतों से भी इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है। इसका अर्थ है कि इथेनॉल की मांग बढ़ने पर कृषि आधारित उद्योगों को अतिरिक्त बाजार मिल सकता है। गन्ना किसानों के लिए यह एक वैकल्पिक मांग पैदा करता है। चीनी मिलों के लिए भी इथेनॉल उत्पादन अतिरिक्त आय का माध्यम बन सकता है। इस दृष्टि से इथेनॉल नीति को केवल पेट्रोल में मिलाए जाने वाले एक घटक के रूप में देखना अधूरा होगा। यह कृषि, ऊर्जा और परिवहन, तीनों क्षेत्रों को जोड़ने वाली नीति बन सकती है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं पर पड़ता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर तैयार होने वाला वैकल्पिक ईंधन ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। इथेनॉल देश में उपलब्ध कृषि संसाधनों से तैयार किया जा सकता है। यदि इसका उत्पादन टिकाऊ तरीके से बढ़ाया जाता है और इसके लिए पर्याप्त कच्चा माल, पानी, भूमि तथा प्रसंस्करण क्षमता उपलब्ध रहती है, तो पेट्रोल की कुछ मांग को घरेलू जैव ईंधन से पूरा किया जा सकता है। यही कारण है कि इथेनॉल मिश्रण को ऊर्जा नीति का हिस्सा बनाया गया है। इथेनॉल आधारित ईंधन के पक्ष में एक प्रमुख तर्क यह है कि इससे पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में कुछ परिस्थितियों में उत्सर्जन कम करने में मदद मिल सकती है। गडकरी ने भी इथेनॉल के इस्तेमाल से प्रदूषण कम होने की बात कही है। लेकिन यहां भी वास्तविक लाभ का आकलन केवल वाहन के एग्जॉस्ट से निकलने वाले उत्सर्जन से नहीं होना चाहिए। इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, प्रसंस्करण और कृषि उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

पंजाब के विश्वविद्यालयों में तोडफोड़ क्यों?

उनका पहनावा, खान-पान, रहन-सहन और व्यक्तिगत जरूरतें अत्यंत सीमित थीं। एक साधारण धोती में उनका जीवन बिताना कोई दिखावा नहीं था। यह देश के गरीब और वंचित लोगों के साथ उनकी एकात्मता का प्रतीक था। वे श्रम की गरिमा में विश्वास करते थे और स्वयं भी शारीरिक श्रम करते थे। आज के उपभोक्तावादी दौर में गांधी का यह जीवन-दर्शन विशेष रूप से प्रासंगिक है। बाजार हमारी जरूरतों और इच्छाओं के बीच का अंतर लगातार मिटा रहा है।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री
(लेखक)

अफवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अफवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोडफोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस ने विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूंढने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश हो रही है। जम्मू कश्मीर के एक लडके की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सार रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा ह्यसवाल पूछने के अधिकारह्व का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने को प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। वह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे। वही छात्र कहता है कि इसीलिए गुस्से में आकर मैंने तोडफोड़ की है। लेकिन यहां तो मसला और भी उलझा हुआ है। जिस घटना पर सवाल पूछने की बात कही जा रही है, उस काल्पनिक घटना की अफवाह भी एक षड्यंत्र के तहत फैलाई गईह्व पिछले कुछ दिन पहले पंजाब के दो प्राईवेट विश्वविद्यालयों में एक साथ भयानक हिंसा और तोडफोड़ हुई। अभी उसकी जांच चल रही है, इसलिए उसके बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। लेकिन इस जांच का एक बिन्दु कई साल पहले की अरविन्द केजरीवाल की कार्यप्रणाली में जुड़ता दिखाई दे रहा है। अरविन्द केजरीवाल जिन दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में महाराष्ट्र के अन्ना हजारे को आगे करके अपनी भविष्य की राजनीति की रणनीति बना रहे थे तब कुछ लोग आरोप लगा रहे थे कि केजरीवाल अराजकता फैलाना चाह रहे हैं। इसका उत्तर केजरीवाल ने यह कह कर दिया था कि वे सचमुच अराजकता फैलाना चाह रहे हैं। उनको दिल्ली की सत्ता उनकी इसी रणनीति के कारण मिली थी, यकीनन केजरीवाल ऐसा मानते होंगे। अब पंजाब की ओर। पंजाब में केजरीवाल की पार्टी की सत्ता खतरे में है। ऐसा माना जा रहा है कि आगामी पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव के नतीजे चाहे कुछ भी हों, सरकार कोई भी हो, लेकिन केजरीवाल सत्ता से बाहर होंगे। वे अभी भी पंजाब की राजनीति में प्रासंगिक बने रहना चाहते हैं। प्रासंगिक होंगे तो दिल्ली में इंडी की मीटिंग में बैठने के लिए कुर्सी मिलेगी, नहीं तो वहां की कुर्सी भी छिन जाएगी। क्या प्रासंगिक बने रहने के लिए दिल्ली की तरह पंजाब में भी अराजकता का खेल खेलने की तैयारी हो रही है? क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुई हिंसा और अराजकता को इस पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है? इससे जुड़ा एक दूसरा प्रश्न भी है। अराजकता के प्रयोग के लिए विश्वविद्यालयों का चयन ही क्यों किया गया, इसका एक सरल और सीधा उत्तर तो यही हो सकता है कि एक विश्वविद्यालय के मालिक आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन बाद में वे आम आदमी पार्टी की रस्सी तुड़ा कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे, इसलिए उन्हें सजा देना जरूरी था। यह सुकून की राजनीति है। लेकिन राजनीति केवल सुकून के लिए नहीं होती। सुकून उसका एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। यदि मान भी लिया जाए कि अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी का उत्पात केवल सुकून के लिए था, तब भी इस राजनीति के बड़े हिस्सों की भी आखिर तलाश तो करनी ही होगी। इस राजनीति का एक हिस्सा कहीं न कहीं जंतर मंतर पर काकरोचों के उत्पात से जुड़ता दिखाई तो नहीं दे रहा? किसी विश्वविद्यालय में यदि कहीं छात्र सडक पर उतरते हैं, तो वह विश्वविद्यालय चाहे किसी भी प्रान्त में न हो, अपने व्यापक सन्दर्भ में वह देश के छात्र आन्दोलन से जुड़ता है। छात्रों का सन्दर्भ क्षेत्रीय नहीं रहता, वह सदा ही अखिल भारतीय सन्दर्भों से जुड़ता है या जोड़ा जा सकता है। जब से काकरोच जंतर मंतर पर सक्रिय हुए हैं तब से यह चर्चा भी गर्म रहती है कि ये काकरोच तो लम्बे अरसे से अरविन्द केजरीवाल के आसपास घूमते देखे गए थे। हो न हो इन्हें नए रूप में केजरीवाल ने ही सही समय देखकर जंतर मंतर पर छोड़ दिया हो। सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इन काकरोचों को देश की युवा पीढ़ी और विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ नत्थी कर दिया गया और इस प्रयोग से देश के शिक्षा मंत्री को इस्तीफा भी देना पड़ा। क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुआ उत्पात इसी प्रयोग का दूसरा हिस्सा है? कहा जा सकता है कि यह प्रयोग पंजाब में करने का क्या लाभ हो सकता है, क्योंकि पंजाब में तो पहले ही केजरीवाल का राज है। इससे तो केजरीवाल की सरकार को ही नुकसान हो सकता है। लेकिन हो सकता है उत्पात मचा रहे इन छात्रों को जल्दी ही जेन-जी घोषित कर दिया जाता और व्यापक सन्दर्भ में इसे देशव्यापी छात्र असंतोष से जोड़ दिया जाता। इसलिए इस पूरे प्रकरण की जांच बहुत लाजिमी है। निष्पक्ष जांच और भी जरूरी है। क्योंकि इस ह्यअराजकता कांडह्व में पुलिस की भूमिका पर भी शक की उंगलियां उठ रही हैं। जिस बलात्कार की घटना को लेकर इतना बवाल खड़ा किया गया, अब वह कांड ही गायब है। कहा जा रहा है कि वह केवल अफवाह थी। जिस अफवाह को लेकर हिंसा का तांडव हुआ, उस अफवाह को फैलाया किसने? वह अकेला तो हो नहीं सकता। अफवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अफवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोडफोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस ने विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूंढने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश हो रही है। जम्मू कश्मीर के एक लडके की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सार रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा ह्यसवाल पूछने के अधिकारह्व का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने को प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। वह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, शनिवार 03 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

गांधी-शास्त्री जयंती पर पुलिस ने किया महापुरुषों को नमन

बांदा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की बांदा पुलिस ने दोनों महापुरुषों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। पुलिस लाइन परिसर में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने गांधी जी और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर सलामी दी। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को याद किया। एसपी पलाश बंसल ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व कर पूरी दुनिया को प्रेरणा दी। वहीं, लालबहादुर शास्त्री ने ह्नजय जवान, जय किसानह्न का नारा देकर देश की सेवा और सादगीपूर्ण जीवन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, स्वच्छता, समानता, न्याय और जनसेवा जैसे मूल्यों के लिए दोनों महापुरुषों के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों से गांधी और शास्त्री के आदर्शों को केवल स्मरण करने के बजाय उन्हें अपने आचरण और दैनिक कार्यशैली में अपनाने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रहित, जनसेवा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने पुलिस कार्यालय में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण किया। जिले के सभी थानों और पुलिस चौकियों में भी पुलिसकर्मियों ने गांधी जी और लालबहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अभ्यर्थियों ने केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से मिलकर सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हुई 68,500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से राजधानी लखनऊ में मुलाकात कर भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अभ्यर्थियों ने मामले में हस्तक्षेप कर समाधान की पहल करने का आग्रह करते हुए केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों के कारण उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से संबंधित अधिकारियों और प्रदेश सरकार के स्तर पर प्रभावी पहल कर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। अभ्यर्थी तूफान सिंह के नेतृत्व में ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने अनुप्रिया पटेल के समक्ष भर्ती से संबंधित अपनी मांगें और समस्याएं विस्तार से रखीं। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अभ्यर्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह इस विषय को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष भी रखेंगी। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर 68,500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराने और समाधान की दिशा में पहल करने की बात कही। अभ्यर्थियों ने केंद्रीय मंत्री के आश्वासन पर उनका आभार जताया और उम्मीद व्यक्त की कि सरकार के स्तर पर हस्तक्षेप से भर्ती प्रक्रिया से जुड़े उनके लंबित मुद्दों का समाधान हो सकेगा।

काशी विश्वनाथ धाम में राष्ट्रपिता और लालबहादुर शास्त्री को दी गई श्रद्धांजलि, जनसेवा का लिया संकल्प

वाराणसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। नीलकंठ प्रशासनिक भवन परिसर में ध्वजारोहण के बाद धाम के सभागार (बोर्ड रूम) में विचार गोष्ठी हुई। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से नीलकंठ प्रशासनिक भवन परिसर में ध्वजारोहण के साथ हुई। इस दौरान श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास और श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के बाद आयोजित विचार गोष्ठी में उपजिलाधिकारी, डिप्टी कलेक्टर, नायब तहसीलदार समेत अन्य अधिकारियों और कार्मिकों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी, ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्यों की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। प्रशासनिक दायित्वों और सार्वजनिक जीवन में इन मूल्यों को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान गोष्ठी के समापन पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए दोनों महापुरुषों के जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांधी और शास्त्री का जीवन सत्यनिष्ठा, सादगी, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और राष्ट्रसेवा का प्रेरणास्रोत है।

बापू का चरखा स्वावलंबन का आधार, ओडीओपी उसी स्वदेशी भाव से लोकल को ग्लोबल बनाने का अभियान: मुख्यमंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महात्मा गांधी के स्वदेशी और स्वावलंबन के मंत्र को आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए कहा कि बापू का चरखा केवल चरखा नहीं था, बल्कि भारत के स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का आधार था। उत्तर प्रदेश की ह्यवन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्टह्न योजना उसी स्वदेशी के भाव को आगे बढ़ाते हुए ह्यलोकल को ग्लोबलह्न बनाने की दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बापू के स्वावलंबन के सपने को आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। विकसित भारत की संकल्पना तभी पूरी होगी, जब देश आत्मनिर्भर बनेगा और इसके लिए प्रत्येक नागरिक, परिवार और गांव को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ना होगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बापू की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी के प्रिय भजनों का श्रवण किया और चरखा चलाकर बापू के स्वदेशी एवं स्वावलंबन के संदेश को प्रसारित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से स्वदेशी, स्वदेशी से स्वावलंबन और स्वावलंबन से ग्राम स्वराज तक बापू के विचार आज भी देश के लिए मार्गदर्शक हैं। नया भारत बापू के इन्हीं सपनों को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। गांधी आश्रम के वस्त्र केवल कपड़े नहीं, आजादी के मंत्र के प्रतीक सीएम योगी ने स्वदेशी की चर्चा करते हुए अपने बचपन की स्मृतियों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि बचपन में हम लोग गांधी आश्रम के कपड़ों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। लोगों में इन वस्त्रों को लेकर विशेष उत्साह रहता था, क्योंकि ये केवल वस्त्र नहीं थे। ये भारत की आजादी के मंत्र के प्रतीक भी थे। बापू ने इन्हें स्वदेशी की भावना से जोड़कर आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने देश को चरखे के माध्यम से स्वावलंबन का संदेश दिया। चरखा केवल सूत कातने का साधन नहीं था। वह भारत के स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का आधार बना। अपने श्रम, अपने उत्पाद और अपनी सामर्थ्य पर भरोसा करके देश कैसे आगे बढ़ सकता है, चरखा इसका प्रतीक बना। बापू के स्वदेशी से निकला ह्यलोकल टू ग्लोबलह्न मंत्र मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ह्यवन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्टह्न योजना उसी स्वदेशी के भाव के साथ आगे बढ़ रही है। इसके माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यलोकल से ग्लोबलह्न और आत्मनिर्भर भारत के मंत्र से जोड़ते हुए कहा कि बापू ने जिस स्वावलंबन का सपना देखा था, उसे नए स्वरूप में आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री बार-बार कहते हैं कि विकसित भारत की संकल्पना तभी पूरी होगी, जब आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे। इस आत्मनिर्भरता की शुरूआत स्वदेशी और स्वावलंबन के भाव से होती है। दक्षिण अफ्रीका से अन्याय-रंगभेद के खिलाफ उठाई आवाज सीएम ने महात्मा गांधी की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात के पोरबंदर में एक परम वैष्णव परिवार में जन्मे बापू ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद दक्षिण अफ्रीका में वकालत की प्रैक्टिस प्रारंभ की। परिवार से मिले संस्कार उनके जीवन और संघर्ष में दिखाई दिए। उन्होंने अन्याय और किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठाई। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के विरुद्ध अभियान को आगे बढ़ाया और वहां भारतीय मूल के नागरिकों को एकजुट किया।

वाराणसी : ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत, जांच में जुटी पुलिस

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सारनाथ थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर ट्रेन की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों हादसे आशापुर और वरुणा पुल रेलवे क्रॉसिंग के पास हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। मृतक महिलाओं की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लोगों से पूछताछ कर शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। पहली घटना आशापुर चौकी क्षेत्र के आशापुर रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। यहां करीब 70 वर्षीय महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर आशापुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से महिला के बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन तत्काल उसकी पहचान नहीं हो सकी। दूसरी घटना पुरानापुल चौकी क्षेत्र के वरुणा पुल रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। यहां करीब 45 वर्षीय महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे के बाद महिला के कपड़े रेलवे ट्रैक में फंस गए, जिससे शव नीचे नदी की ओर लटक गया। सूचना पर पहुंची पुरानापुल चौकी पुलिस ने शव को बाहर निकालकर कब्जे में लिया। लापता महिलाओं की जानकारी देने की अपील दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने मृतक महिलाओं की पहचान कराने के लिए आसपास के इलाकों में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी परिवार की महिला लापता है और उसका हुलिया इन महिलाओं से मेल खाता है तो तत्काल पुलिस से संपर्क करें। पुलिस ने लोगों से दोनों महिलाओं के संबंध में किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर सूचना देने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने से मृतकों की शिनाख्त कर उनके परिजनों तक घटना की जानकारी पहुंचाने में मदद मिलेगी।

डीसी प्रशिक्षण नियुक्ति पर उठे सवाल, निरस्तीकरण के बाद दोबारा बहाली ने बढ़ाया विवाद

शैक्षणिक प्रमाणपत्रों पर आपत्ति के बाद निरस्त हुई थी नियुक्ति, डिस्पैच रजिस्टर की जांच से खुल सकते हैं कई राज

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर। बेसिक शिक्षा विभाग में जिला समन्वयक प्रशिक्षण (डीसी ट्रेनिंग) की विवादित नियुक्ति ने विभागीय प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शैक्षणिक प्रमाणपत्रों पर आपत्ति के बाद नियुक्ति निरस्त हुई, लेकिन कुछ समय बाद वही नियुक्ति फिर प्रभावी हो गई। अब सवाल यह है कि निरस्तीकरण के बाद बहाली किस नियम के तहत हुई और फाइल के इस पूरे सफर का सच क्या विभाग के डिस्पैच रजिस्टर से सामने आएगा? सूत्रों के अनुसार डीसी प्रशिक्षण के पद पर मुकुल नामक व्यक्ति का चयन किया गया था। बाद में उसके शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को लेकर आपत्तियां सामने आईं। बताया जाता है कि इन्हीं आपत्तियों के आधार पर तत्कालीन स्तर पर नियुक्ति निरस्त कर दी गई थी। हालांकि, इसके बाद नियुक्ति से जुड़े आदेशों और पत्राचार में हुए बदलाव को लेकर अब सवाल खड़े हो रहे हैं।

निरस्तीकरण के बाद बदला घटनाक्रम

मामले से जुड़े सूत्रों का दावा है कि नियुक्ति निरस्त होने के बाद इसे दोबारा प्रभावी कराने के लिए विभिन्न स्तरों पर सिफारिशें की गईं। राजनीतिक स्तर से कथित दबाव और अधिकारियों से संपर्क किए जाने की भी चर्चा है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि नियुक्ति शैक्षणिक प्रमाणपत्रों में खामियों के आधार पर निरस्त की गई थी, तो बाद में उसे किस नियम, आदेश अथवा सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर दोबारा प्रभावी किया गया। इस बिंदु पर विभागीय रिकॉर्ड ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं।

बुक सप्लाई से जुड़े व्यक्ति को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी?

मामले में एक अन्य आरोप यह भी सामने आया है कि चयनित व्यक्ति का संबंध पुस्तक आपूर्ति के कारोबार से बताया जा रहा है। विभागीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि शिक्षा विभाग से जुड़े अलग-अलग हितों और पुस्तक आपूर्ति से जुड़े कारोबारियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विवाद को और बढ़ाया। हालांकि, किसी व्यक्ति का पुस्तक व्यवसाय से जुड़ा होना अपने आप में डीसी प्रशिक्षण पद के लिए अयोग्यता साबित नहीं करता। वास्तविक सवाल यह है कि नियुक्ति के लिए निर्धारित पात्रता शर्तें क्या थीं और चयनित अभ्यर्थी ने उन सभी शर्तों को पूरा किया या नहीं।

डिस्पैच रजिस्टर की जांच से साफ हो सकती है तस्वीर

पूरे मामले में कार्यालय के डिस्पैच रजिस्टर को महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया जा रहा है। नियुक्ति आदेश, निरस्तीकरण पत्र, संबंधित पत्राचार तथा बाद में जारी आदेशों की तारीख और क्रम का मिलान करने से घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। यदि निरस्तीकरण के बाद नियुक्ति को दोबारा प्रभावी किया गया, तो संबंधित आदेश की तारीख, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति, लागू नियम और फाइल पर दर्ज टिप्पणियां जांच का प्रमुख आधार बन सकती हैं।

सीआरपीएफ जवान को पिता की मौत पर हुआ शक, पोस्टमार्टम से खुलेगा राज

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार देर रात बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जोधपुर में तैनात सीआरपीएफ जवान बेटा घर पहुंचा तो पिता का शव देखकर मौत की परिस्थितियों पर संदेह हुआ। उसने डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पड़ताल में जुट गयी है। हरिरामऊ गांव निवासी भगुनाथ (63) घर पर रहते थे। उनके बेटे उदयवीर सीआरपीएफ में तैनात हैं और वर्तमान में जोधपुर में ड्यूटी कर रहे हैं। कुछ समय पहले बीमारी के चलते भगुनाथ की पत्नी की मौत हो चुकी है। परिवार में उदयवीर की पत्नी पिंकी देवी और बच्चे भी हैं। उदयवीर ने बताया कि गुरुवार दोपहर उनकी पिता से फोन पर बातचीत हुई थी। रात में उनकी पत्नी ने फोन कर बताया कि भगुनाथ की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पिता की मौत की सूचना मिलते ही उदयवीर जोधपुर से गांव के लिए रवाना हुए। देर रात घर पहुंचने पर उन्होंने पिता का शव देखा। मौत की परिस्थितियां उन्हें सामान्य नहीं लगीं, जिसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर सजेती थाने की पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ हरिरामऊ गांव पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। सजेती थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया कि भगुनाथ के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी।

लोनी में दूरबीन लेकर विपक्ष को ढूंढ रहे नेताजी, मिला तो सिर्फ सन्नाटा!

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। उत्तर प्रदेश की चर्चित लोनी विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों एक अजीब सा सन्नाटा पसरा हुआ है। यह सन्नाटा किसी मौसमी प्रभाव या किसी त्योहार के बाद का नहीं, बल्कि विपक्ष की भारी किल्लत का है जो यहां दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। आलम यह है कि सत्तापक्ष के नेता सुबह-सुबह चाय की चुस्की लेते हुए अखबार पलटते हैं कि शायद कोई उनके खिलाफ दो लाइन बोल दे, ताकि राजनीति का इंजन चालू रहे। लेकिन अफसोस, विपक्ष ऐसा गायब है जैसे परीक्षा के दिन छात्र के दिमाग से जवाब! लोनी के राजनीतिक गलियारों की बात करे तो चर्चा है कि यहां विपक्ष अब केवल कागजी शब्दों और व्हाट्सएप ग्रुपों तक सिमट कर रह गया है। एक स्थानीय नेताजी ने जोश-जोश में कुछ दिन पूर्व ह्लविपक्ष खोजो अभियानह्व शुरू किया। कई दिन की कड़ी मशक्कत और चाय-पानी पर हुए खर्च करने के बाद पता चला कि विपक्ष के नाम पर केवल दिखावे स्वरूप एक कार्यालय और अधिकांश समय उसपर ताला लटकता मिलता है। जनता भी आश्चर्य चकित है कि कुछ समय पूर्व किसी खास विषय एवं चुनावी मौसम को लेकर जो नेता लाउडस्पीकर फाड़कर बड़े-बड़े दावे और वादे कर रहे थे, अचानक वे अब घर बैठे अपनी सियासती फाइल के पन्ने उलट-पलट रहे हैं। सत्तापक्ष के विधायक और पार्षदो का मन भी इतना उदास और परेशान हैं कि अब वे खुद ही अपने कामों में कमियां निकालकर उस पर भाषण देने की सोच रहे हैं, ताकि विपक्ष की कमी महसूस न हो। राजनीति के विशेषज्ञों का कहना है कि अगर लोनी में विपक्ष का यही हाल (टोटा) रहा, तो आने वाले समय में सत्तापक्ष को अपने ही किसी कार्यकर्ता को दिखावे का विपक्ष घोषित करना पड़ेगा। खैर, देखना यह है कि यह सोता हुआ विपक्ष कब जागता है, या फिर लोनी की जनता ऐसे ही एकतरफा विकास और तंज के मजे लेती रहेगी!

बुजुर्ग महिला की मौत के मामले में दो महिला गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के रामपार्क, सुधीर एनक्लेव में पारिवारिक विवाद के दौरान हुई धक्का-मुक्की के दौरान 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला सलमा की मौत के मामले में पुलिस ने दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि अन्य कि तलाश जारी है। घटना गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे की है। मृतका के बेटे आदिल ने अपनी पत्नी के मायके वालों (ससुराल पक्ष) पर मां के साथ मारपीट और धक्का-मुक्की करने का गंभीर आरोप लगाते मुकदमा पंजीकृत कराया है। गौरतलब हो कि मृतका के बेटे आदिल और उसकी पत्नी खुशबू के बीच कुछ दिनों से पारिवारिक कलह चल रही थी। आदिल का आरोप है कि उसकी सास, साली और साला करीब 5-6 अन्य लोगों के साथ उसके घर आए और गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। इस हंगामे और धक्का-मुक्की के बीच बुजुर्ग महिला सलमा जमीन पर गिरकर अचेत हो गईं। उसे तुरंत लोनी के 50 शय्या संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। बताया यह भी जा रहा है कि वह पहले से दिल की बीमारी से ग्रस्त थी. हालांकि पुलिस अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी

घटना के मामले में पुलिस कार्यवाही

बता दे कि पुलिस ने मृतका के बेटे की लिखित तहरीर पर ट्रोनिका सिटी थाने में गैर-इरादतन हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने दो महिला आरोपियों-सास (गुड्डो) और साली (महक) को गिरफ्तार कर लिया है जबकि फरार साला (समीर) और एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

होमगाड्र्स जवानों ने किया रक्तदान, 27 यूनिट रक्त एकत्र

जिला कमांडेंट डॉ. वी. पी. एस. चपराना के नेतृत्व में जिला अस्पताल में लगा रेडक्रॉस का शिविर

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर। रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में जिला चिकित्सालय बिजनौर में शुक्रवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ एवं नेतृत्व जिला होमगाड्र्स कमांडेंट डॉ. वी. पी. एस. चपराना ने किया। उनके आह्वान पर होमगाड्र्स जवानों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 27 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ जवानों का मानवीय चेहरा भी सामने आया। रक्तदान करने वालों में मुख्य रूप से अभिषेक, आसिम, शुगुफ्ता और शुभम शर्मा शामिल रहे इस अवसर पर जिला कमांडेंट डॉ. वी. पी. एस. चपराना ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी दुर्घटनाग्रस्त या गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने जवानों और युवाओं से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में मेडिकल टीम और रेडक्रॉस पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा। इस दौरान डॉ. सुबोध चंद्र शर्मा, डॉ. जैस्मीन, योगेंद्र पाल सिंह ह्ययोगीह्न, डॉ. विशाल, रोबिन सिंह, अनुज पाठक और हिमांशु आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे और व्यवस्थाएं संभालीं। अस्पताल प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं और होमगाड्र्स विभाग का आभार व्यक्त किया।

देवरिया: गांधी आश्रम में चरखा चलाकर जिलाधिकारी ने काता सूत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में शुक्रवार को महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर समारोह एवं विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। सरकारी एवं गैर-सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही उनके प्रिय भजन का पाठ, राष्ट्रगान तथा स्वच्छता का शपथ दिलाया गया। गोष्ठी में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं को जिलाधिकारी ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका राजकीय इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत प्रस्तुत किए जाने पर उन्हें भी सम्मानित किया।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में जयंती पर विचार गोष्ठी, याद किए गए महात्मा गांधी एवं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धापूर्वक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर धाम परिसर स्थित प्रशासनिक भवन (नीलकंठ कार्यालय) परिसर में ध्वजारोहण तथा धाम स्थित सभागार (बोर्ड रूम) में विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। शुरूआत श्री काशी विश्वनाथ धाम स्थित नीलकंठ प्रशासनिक भवन परिसर में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सत्यम मिश्र के ध्वजारोहण से हुआ। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास एवं श्री काशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण के पश्चात धाम स्थित सभागार (बोर्ड रूम) में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी व भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। गोष्ठी में अधिकारियों एवं कार्मिकों ने दोनों महान विभूतियों के जीवन, विचारों, आदर्शों एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। गोष्ठी के दौरान उपजिलाधिकारी, डिप्टी कलेक्टर एवं नायब तहसीलदार सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों ने विचार व्यक्त किए गए। वक्ताओं ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा जैसे मूल्यों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए सार्वजनिक जीवन एवं प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में इन आदर्शों को अपनाने पर बल दिया।

गांधी-शास्त्री जयंती पर न्यायालय से बड़ा संदेश: बच्चों को बताया ढडउरड कानून, 15100, 1098 और 112 हेल्पलाइनों की दी जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जिला न्यायालय, बिजनौर परिसर में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) द्वारा विशेष श्रद्धांजलि समारोह एवं ह्यबचपन बचाओ - बाल संरक्षण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

महापुरुषों को नमन और विधिक जागरूकता रैली

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा न्यायिक अधिकारियों द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत बाल अधिकारों और उनकी सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशाल जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

रैली में विभिन्न स्कूली बच्चों, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर लिए बच्चों ने नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए समाज को बाल सुरक्षा और अधिकारों का संदेश दिया।

ढडउरड एक्ट और हेल्पलाइनों के प्रति किया जागरूक

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को पॉक्सो (POCSO) अधिनियम, 2012 के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तार से समझाया गया। न्यायिक अधिकारियों और विधिक विशेषज्ञों ने बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श (Good Touch & Bad Touch) की पहचान करने के तरीके बताए तथा किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ बिना डरे आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए निम्नलिखित आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई:

15100: राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) / विधिक सहायता हेल्पलाइन

1098: चाइल्ड हेल्पलाइन (Childline)

112: पुलिस आपातकालीन सेवा

बच्चों का उत्साहवर्धन व राहत सामग्री वितरण

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित विद्यार्थियों को मिष्ठान व जलपान सामग्री वितरित की गई। न्यायिक अधिकारियों ने बच्चों को आश्वस्त किया कि कानून हमेशा उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए तत्पर है।

हल्दौर में ट्रांसफार्मर चोर गिरोह का पदार्फाश, 57 किलो कॉपर वायर व स्विफ्ट कार संग 4 गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर (हल्दौर)। थाना पुलिस ने विद्युत ट्रांसफार्मर व ट्यूबवेलों से कॉपर बाइंडिंग वायर और तेल चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय शातिर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का 57 किलोग्राम तांबे का तार, घटना में प्रयुक्त औजारों का जखीरा और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 4/5 सितंबर की रात हल्दौर के शांतिवन कॉलोनी (दिलाई) में लगे ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोरों ने तांबा व तेल चोरी कर लिया था। इस संबंध में 29 सितंबर को 33/11 केवी सब स्टेशन के अवर अभियंता गौतम कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना के अनावरण हेतु गठित पुलिस टीम ने सुरागकशी करते हुए उत्तराखंड के जिला ऊधमसिंह नगर (थाना जसपुर व कुंड) निवासी सलीम अहमद, निजामुद्दीन, इश्तकार और कलवा को धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे कार से आकर रात में ट्रांसफार्मर और किसानों के ट्यूबवेल को निशाना बनाते थे। औजारों की मदद से कॉपर वायर निकालकर चलते-फिरते कबाड़ियों को बेच देते थे।

ने आरोपियों के कब्जे से नीले रंग की स्विफ्ट डिजायर कार (लफ्29अफ7441) को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया है। पूछताछ में आरोपियों ने नगीना देहात क्षेत्र के एक ट्रांसफार्मर और झालू-मक्खरनपुर व करौंजी क्षेत्र के कई ट्यूबवेलों से भी तार चोरी करने की बात कबूली है। पकड़े गए आरोपियों पर विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह के दो अन्य फरार सदस्यों—नईम व कासिम—की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े वाराणसी पहुंचे, एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े शुक्रवार सुबह वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से लेकर शिवपुर बाईपास व पार्टी के रोहनिया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पार्टी के नेताओं ने भव्य स्वागत किया। उत्तर प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार काशी आए विनोद तावड़े के स्वागत को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह दिखा। शिवपुर बाईपास पर पार्टी के काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक कुमार चौरसिया, क्षेत्र उपाध्यक्ष विपिन सिंह, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, प्रदेश मंत्री व पार्टी के प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पांडेय के साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी का स्वागत किया। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े रोहनिया कार्यालय में वाराणसी लोकसभा, जिला, महानगर और काशी क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। रोहनियां स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में उनके साथ सहप्रभारी जगदीश्वर पटेल, मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा व प्रदीप वर्मा के साथ ही काशी क्षेत्र के सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

अमेठी : ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमेठी। अमेठी जिले में जायस कोतवाली क्षेत्र स्थित डेबका गांव के पास शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराई। मृतक की पहचान जायस थानाक्षेत्र स्थित पूरे तेली मजरे ओदारी निवासी रेहान (18) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, रेहान सुबह घर से बाल कटवाने के लिए बाजार जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद वह डेबका गांव के पास रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी है और परिजनों तथा स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बीएचयू में डॉ. लहरी के साथ घटना की सीएम कार्यालय ने मांगी रिपोर्ट

वाराणसी। बीएचयू के कार्डियोथोरेसिक सर्जन पद्मश्री डॉ. टीके लहरी को थप्पड़ मारने के आरोपों की जांच अब तेज हो गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मामले में वाराणसी के पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब की है। सीएम कार्यालय से आए निर्देश के बाद पुलिस ने रिपोर्ट भेज दी है। बीएचयू के कार्डियोथोरेसिक विभाग के इमेरिटस प्रोफेसर डॉ. लहरी को उनके विभाग के एक सीनियर प्रोफेसर द्वारा थप्पड़ मारने का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में डॉ. लहरी के परिजनों ने बीएचयू प्रशासन से ई-मेल के माध्यम से शिकायत की थी। आरोप लगाया गया कि डॉ. लहरी के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी छूट: मुख्यमंत्री

प्रात : किरण संवाददाता,

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रदेशवासियों को उपहार दिया। उन्होंने कहा कि खादी भारत की स्वाधीनता का मंत्र है, प्रदेश सरकार ने खादी के वस्त्रों पर 30 जनवरी 2027 तक 25 फीसदी की छूट उपलब्ध कराई है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि हर व्यक्ति खादी को जीवन का हिस्सा बनाकर कारीगरों, हस्तशिल्पियों व बुनकरों के हुनर को सम्मान दे। सीएम योगी ने एनेक्सी स्थित पूर्व प्रधानमंत्री ह्यभारत रत्नह्न लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी याद किया। भारत की आजादी का मंत्र बना था ह्यस्वदेशी से स्वावलंबन सीएम योगी ने कहा कि भारत की स्वाधीनता के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 157वीं तथा सादगी, सज्जनता के लिए प्रसिद्ध भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती है। बापू का स्वदेशी से स्वावलंबन भारत की आजादी का मंत्र बना था। आजादी का जो आंदोलन पहले बिखरा था, वह बापू के नेतृत्व में जनांदोलन बना। जिसके कारण ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़कर भागने को मजबूर होना पड़ा। स्वाधीनता के महानायकों के प्रति कृतज्ञता मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी का आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का मंत्र ही विकसित भारत की आधारशिला बनेगा, इसीलिए पीएम मोदी जी ह्यलोकल टू ग्लोबलह्न की चर्चा करते हैं। उनका मानना है कि गांवों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, बुनकरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को प्रोत्साहित करना और प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना भारत की स्वाधीनता के महानायकों के प्रति कृतज्ञता भी है। हर भारतीय श्रद्धा से लेता है शास्त्री जी का नाम सीएम योगी ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी का नाम आते ही हर भारतीय के मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। वह अपनी सादगी, सज्जनता के लिए सदैव प्रसिद्ध रहेंगे। वह जितने संवेदनशील थे, उनका व्यक्तित्व उतना ही संघर्षशील भी था। उन्होंने जो कहा, वह करके दिखाया। जो किया, उतना ही बोला। ह्यजय जवान-जय किसानह्न का नारा बना स्वाधीन भारत का मंत्र मुख्यमंत्री ने कहा कि शास्त्री जी का ध्येय था कि भारत खाद्यान्न आत्मनिर्भरता में लक्ष्य प्राप्त करे और देश की सीमाओं पर लड़ रहे जवानों के प्रति हर भारतीय के मन में सम्मान का भाव पैदा हो। शास्त्री जी का ह्यजय जवान-जय किसानह्न का नारा स्वाधीन भारत का मंत्र बना। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध किसान सीएम योगी ने कहा कि एक ओर जवान सीमाओं की रक्षा करते हुए दुश्मनों के छक्के छुड़ा रहे थे तो दूसरी ओर अन्नदाता किसान अपने पसीने, परिश्रम से भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई दे रहा था। उसी का परिणाम है कि आज भारत न सिर्फ खाद्यान्न आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। भारत अब 140 करोड़ देशवासियों का पेट भरने के साथ ही अनेक देशों में खाद्यान्न आपूर्ति का सामर्थ्य रखता है। शास्त्री जी ने 1965 में जो मंत्र दिया था, उसे भारत ने आंतरिक/बाह्य सुरक्षा प्रदान करने वाले जवान व देशवासी आज भी आत्मसात करते हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

सत्य-अहिंसा से जय जवान, जय किसान तक... गांधी-शास्त्री जयंती पर बिजनौर में गूंजा राष्ट्रसेवा का संदेश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बिजनौर के प्रशासनिक कार्यालय और एनआरएलएम परिसर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रपिता और शास्त्री जी के आदर्शों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ झंडारोहण के साथ हुआ। अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। इसके उपरांत महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। समारोह के दौरान राष्ट्रसेवा, सत्य और अहिंसा तथा जय जवान, जय किसान के सिद्धांतों पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि गांधी जी के अहिंसा के मार्ग और शास्त्री जी के स्वावलंबन व राष्ट्रभक्ति के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को उपहार और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) और स्थानीय ब्रांड विदुर के मंच से महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सपा कार्यालय पर गूंजा गांधी-शास्त्री के विचारों का संदेश

- जयंती पर पुष्पांजलि के बाद हुई मासिक बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस
- विधायक समरपाल सिंह और एमएलसी परवेज अली ने भी रखे विचार
- जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव बोले- गांधी और शास्त्री के आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता, इकरामुददीन मलिक

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने की। पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद पार्टी की मासिक बैठक तथा मीडिया बंधुओं के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों महान सपूतों ने देश और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया। गांधी जी सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के मार्ग पर चले तथा सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत, जातिवाद, असमानता और महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि दांडी मार्च और भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। नौगावां सादात विधायक चौधरी समरपाल सिंह ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री सादगी, ईमानदारी और देशभक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने 1964 में देश के प्रधानमंत्री का पद संभाला और 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान देश का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी का ह्यजय जवान, जय किसानह्न का संदेश आज भी प्रासंगिक है। पूर्व एमएलसी परवेज अली ने कहा कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से देश का पूर्ण विकास संभव नहीं है। इसके लिए वैज्ञानिक सोच, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा किसानों और वंचित वर्गों की प्रगति जरूरी है। उन्होंने कहा कि गांधी और शास्त्री के विचारों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव चन्द्रपाल सैनी ने किया। इस अवसर पर सन्तराम सिंह यादव, सर्वेश सैनी, लता सागर, विपिन कौशिक, शाजिद चौधरी, मुमताज खां, नवनीत गोला, चौधरी अमन सिंह, महमूद अली उर्फ भूरा भाई, अनुज यादव, डॉ. अनीस अहमद, अतीक अहमद, राधेलाल रघुवंशी, जितेन्द्र प्रताप सिंह, आदित्य चौधरी, अरविंद कसाना, नवाजिश अली, तारिक खां, शाहजेब खां, आमीर खां, पप्पन खां, सलमान प्रधान, आलोक कुमार भारती, रजनीश यादव, कपिल यादव, विवेक यादव समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर स्योहारा पालिका में ध्वजारोहण, सफाई मित्रों का सम्मान

157 घंटे के महासफाई अभियान का हुआ समापन, ह्लएक पेड़ मां के नामह्न के तहत किया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। महात्मा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद स्योहारा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ निकाय कार्यालय में ध्वजारोहण से हुआ। इसके बाद महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्योहारा विजेन्द्र सिंह पाल ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, उनके संघर्ष और देश के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला। इसके बाद निदेशालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी एवं

अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल ने ह्लएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चलाए गए स्वच्छता ही सेवा-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत 157 घंटे के महासफाई अभियान का भी समापन किया गया। यह अभियान 25 सितंबर की शाम छह बजे से शुरू होकर 2 अक्टूबर की सुबह सात बजे तक चला। अभियान की निदेशालय स्तर से लाइव मॉनीटरिंग भी की गई। इस अवसर पर स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों एवं नगर पालिका के अन्य कर्मचारियों को पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी और अधिशासी अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाल ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया।कार्यक्रम में लेखा लिपिक/अधिष्ठान लिपिक देवेन्द्र सिंह, लिपिक चांदनी रईस, मौहम्मद शान, अमित कुमार, सभासद दिलशाद अहमद, शमीमा, ओमप्रकाश सिंह, नौशाद अहमद, जुवैशी हुसैन, फय्याजुद्दीन, कंप्यूटर ऑपरेटर रामगोपाल सिंह, अयाज अहमद, पंकज कुमार, मौ.अकरम, अरुण कुमार सहित पालिका कर्मचारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान:- गाँधी जयंती पर नगर पंचायत ने किया पौधारोपण और स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा /सहसपुर - को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर नगर पंचायत चेयरपर्सन नाहिद परवीन व अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशन में नगर पंचायत सहसपुर द्वारा स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्लस्वच्छ भारत दिवसह्न मनाया गया जिसके अंतर्गत उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर नगर को साफ सुथरा और सुंदर रखने का संदेश दिया गया। इसी के साथ नगर पंचायत सहसपुर द्वारा ह्लएक पेड़ मां के नामह्न पौधारोपण कार्यक्रम कर पौधे रोपित किये गये एव स्वच्छता मे श्रमदान किया गया तथा चेयरपर्सन एवं अधिशासी अधिकारी की ओर से लोगों से अपने देश, राज्य व शहर को स्वच्छ बनाने के लिए अपील की गई उन्होंने कहा हमारा देश स्वच्छ रहेगा तो स्वस्थ रहेगा और हमारे देश की आने वाली पीढ़ियां भी स्वस्थ होंगी अच्छे जीवन के लिए अच्छा साफ सुथरा वातावरण जरूरी है और इसके लिए हमें पौध रोपण करने चाहिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास साफ सफाई और अच्छा वातावरण बनाए रखें। इस अवसर पर चेयरपर्सन नाहिद परवीन, अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार, वरिष्ठ लिपिक सलमान अली, लिपिक जमशेद अली, लिपिक रिजवान अली, मौहम्मद शहबाज, मौहम्मद फैजी सभासद पति, सरफराज अहमद सभासद पति आदि सहित नगर पंचायत स्टाफ उपस्थित रहा।

गुड वर्क :- अनीस हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

शव, आधार कार्ड और खून से सने कपड़े पुलिस ने किये बरामद, तीसरे आरोपी की धर पकड़ के लिए पुलिस की तलाश जारी

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। पुलिस उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देशन मे थाना स्योहारा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली!

स्योहारा पुलिस ने अनीस हत्याकांड का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमांशु पुत्र राजकुमार निवासी अंबेडकर नगर, हल्दौर तथा राजा पुत्र धर्मवीर निवासी जुमना वाला, हल्दौर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशान देही पर अनीस का शव, आधार कार्ड और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं इस दौरान एसपी पूर्वी अमित कुमार श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी डॉक्टर अंजनी कुमार चतुवेर्दी, थानाध्यक्ष संजय तोमर प्रेस कॉन्फ्रेंस मे उपस्थित रहे। पुलिस के अनुसार, 27 सितंबर को जमील ने अपने भाई अनीस की गुमशुदगी थाना स्योहारा में दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच और पूछताछ शुरू की। पुलिस के मुताबिक, 23 सितंबर की रात शराब पार्टी के दौरान अनीस का आरोपियों से विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार, विवाद के बाद हिमांशु ने अनीस को पकड़ लिया, जबकि राजा ने उसके पैर दबोच लिए। इसी दौरान हसरत उर्फ हर्ष ने कथित रूप से बेल्ट से गला घोंटने तथा गर्दन पर वार कर अनीस की हत्या कर दी। थानाध्यक्ष संजय तोमर ने बताया कि हत्या के बाद आरोपियों ने शव को कुम्हारपुरा में राजवाह के किनारे स्थित ईख के खेत में करीब 50 कदम अंदर छिपा दिया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने शव के साथ अनीस का आधार कार्ड और खून से सने कपड़े भी बरामद किए। पुलिस के अनुसार, इस मामले में मुकदमा संख्या 382/2026 के तहत धारा 103(1), 238(क) और 3(5) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने तीसरे आरोपी हसरत उर्फ हर्ष को पकड़ने के लिए गंभीरता के साथ पूरी तरह से जाल बिछा दिया है

महापुरुषों की जयंती पर रेलवे स्टेशनों पर चला स्वच्छता अभियान

प्रभात फेरी, पौधारोपण और स्वच्छता शपथ के जरिए दिया स्वच्छ रेल- स्वच्छ भारत का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद। गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान-2026 के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन समेत मंडल के विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य परिसरों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता कार्यक्रम हुए। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डीआरएम ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सेवा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इसके बाद ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधारोपण किया गया तथा अधिकारियों, कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के कैडेटों के साथ प्रभात फेरी निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। नजीबाबाद, योग नगरी ऋषिकेश, रुड़की, हरिद्वार, लक्सर, गजरौला, शाहजहांपुर, हरदोई, बरेली, चंदौसी और हापुड़ रेलवे स्टेशनों पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई स्थानों पर श्रद्धांजलि, स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी, जागरूकता रैली और पौधारोपण किया गया।देहरादून रेलवे स्टेशन पर छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा श्रमदान किया। आरपीएफ मुरादाबाद ने डीआरएम कार्यालय से स्वच्छ रथ एवं प्रभात रैली निकाली, जिसमें 57 आरपीएफ कर्मियों ने भाग लिया। डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छता को अभियान तक सीमित न रखकर दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखना रेलकर्मियों, यात्रियों और आमजन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अमरोहा में गांधी-शास्त्री जयंती पर कांग्रेसियों ने किया नमन

विचार गोष्ठी में गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन से सीख लेने का आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। विचार गोष्ठी में कांग्रेस कार्यकताओं ने रामधुन गाई और दोनों महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओमकार कटारिया ने कहा कि महात्मा गांधी सत्य और अहिंसा के पुजारी तथा स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे। गांधी भारत की आत्मा में बसते हैं और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को महात्मा गांधी के जीवन और विचारों का अध्ययन करना चाहिए तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शास्त्री जी ने देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उनकी सादगी, ईमानदारी और देश के प्रति निष्ठा प्रेरणादायक है। उन्होंने ह्यजय जवान, जय किसानह्न का नारा देकर देश के जवान और किसान के महत्व को रेखांकित किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी सुखराज सिंह, जिला महासचिव राजकुमार अरुण, जिला महासचिव शाहिद सिद्दीकी खेड़ी, हाजी खुर्शीद, अनवर, यासिर अंसारी, सभासद मयंक कुमार, गुर्जर अली, इमाम रिजवी, मनोज कटारिया, इकराम हुसैन जैदी, इंतजार मेहंदी नकवी, हरिओम पुष्कर, तालिब इदरीसी, समीम अब्बासी, हर स्वरूप प्रधान, डॉ. मुशर्रफ खान, मेराजुल जफर एडवोकेट सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईजीआरएस रैंकिंग में अमरोहा पुलिस प्रदेश में प्रथम

वर्ष 2026 में सातवीं बार हासिल किया पहला स्थान, 11 थानों ने भी प्रदेश स्तर पर किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में अमरोहा पुलिस ने एक बार फिर प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वर्ष 2026 में अमरोहा पुलिस ने सातवीं बार उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन एवं सतत अनुश्रवण में आईजीआरएस शाखा द्वारा शिकायतों के निस्तारण की लगातार समीक्षा की गई। शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण के परिणामस्वरूप जनपद को प्रदेश स्तर पर यह उपलब्धि मिली है। खास बात यह है कि जनपद अमरोहा के 11 पुलिस थानों ने भी शिकायत निस्तारण के मामले में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह उपलब्धि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्रभावी पुलिसिंग का परिणाम है। पुलिस अधीक्षक ने इस उपलब्धि पर आईजीआरएस प्रभारी उपनिरीक्षक कुमरेश त्यागी, आरक्षी सारुल चौहान, आरक्षी प्रशान्त चौहान तथा आरक्षी प्रदीप चौधरी को बधाई दी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को भविष्य में भी इसी प्रकार पूरी तत्परता और गुणवत्ता के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने तथा जनसामान्य को प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

दिव्यांगजनों के हाथों में पहुंचा सहारे का साधन, डीएम उमेश प्रताप सिंह बोले–कोई पात्र व्यक्ति न रहे वंचित

बिजनौर। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर में जिले के पात्र दिव्यांगजनों को ट्राई-साइकिल, व्हीलचेयर और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने दिव्यांगजनों को ट्राई-साइकिल और उपकरण सौंपे। इसके पश्चात उन्होंने हरी झंडी दिखाकर ट्राई-साइकिल सवार लाभार्थियों को रवाना किया। ह्यहर पात्र तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले में कोई भी पात्र दिव्यांग व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाकर छूटे हुए दिव्यांगजनों का चिह्नांकन किया जाए। लाभार्थियों के खिले चेहरे उपकरण प्राप्त करने के बाद दिव्यांगजनों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। ट्राई-साइकिल मिलने से अब उन्हें आवागमन में आसानी होगी और वे अपने दैनिक कार्यों के लिए आत्मनिर्भर बन सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान कई छोटे बच्चों को भी फूलों की माला पहनाकर और सहायक उपकरण देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर महान विभूतियों को किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर के नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके आदर्शों एवं शिक्षाओं को जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा विभागाध्यक्ष डा. नसीम अहमद ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को भारत की महान विभूतियां बताते हुए कहा कि दोनों ने देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। चीफ प्रॉक्टर डा. महताब अमरोहवी ने कहा कि वर्तमान समय में गांधी जी और शास्त्री जी की शिक्षाएं एवं आदर्श अत्यंत प्रासंगिक हैं। गांधी जी ने देशवासियों को स्वच्छता, अहिंसा और सत्य का मार्ग दिखाया, वहीं शास्त्री जी ने ईमानदारी, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा दी। देश के विकास के लिए हमें इन महान विभूतियों के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है। संयुक्त सचिव कसीम अशरफ ने भी दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी की शिक्षाएं हर युग में प्रासंगिक रहेंगी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उनके जीवन और विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर चित्रकला विभागाध्यक्ष डा. रेशमा जैदी, डा. सरिता रानी, अतुल कुमार सोनी, डा. फराह सिद्दीकी, दुदार्ना अकरम फारूकी, अम्बर सुल्ताना, जुनैद आलम पम्मी, अरमान सिद्दीकी, शिवानी सागर समेत कॉलेज के समस्त स्टाफ सदस्यों ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

न्यायालय परिसर में शुरू हुआ पालना घर , बच्चों की देखभाल होगी आसान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर बुधवार को जनपद न्यायालय अमरोहा में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश श्री विवेक ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ किया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मचारियों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और न्याय के आदर्शों को स्मरण किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद जनपद न्यायाधीश श्री विवेक ने न्यायालय परिसर में नव-निर्मित ह्यपालना घरह्न (क्रेच) का विधिवत उद्घाटन किया। पालना घर की स्थापना न्यायालय परिसर में आने वाले न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, वादकारियों और अधिवक्ताओं के छोटे बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है। क्रेच में बच्चों की देखभाल के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण के साथ ही खिलौने, खेल-कूद और विश्राम की व्यवस्था की गई है। इससे न्यायालय में आने वाली महिलाओं, महिला अधिवक्ताओं तथा कर्मचारियों को अपने छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी। उद्घाटन के दौरान जनपद न्यायाधीश ने कहा कि न्यायालय परिसर में आने वाले वादकारियों और अन्य लोगों को बच्चों की देखभाल के कारण किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से यह संवेदनशील पहल शुरू की गई है। इस अवसर पर नजारत प्रभारी संजय चौधरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता एवं न्यायालय कर्मचारी मौजूद रहे। बार एसोसिएशन एवं न्यायालय कर्मियों ने पालना घर की स्थापना को उपयोगी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

'फोर्स' के 15 साल पूरे होने पर इमोशनल हुए जॉन अब्राहम

अभिनेता जॉन अब्राहम की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'फोर्स' ने बुधवार को अपनी रिलीज के 15 साल पूरे किए। इस अवसर पर अभिनेता ने फिल्म के निर्देशक निशिकांत कामत को याद किया। इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से दोहराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्ममेकर निशिकांत कामत के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्ममेकर की वजह से ही उन्हें अच्छा अभिनय करने का मौका मिला। अभिनेता ने लिखा, 'फिल्म 'फोर्स' ने अपनी रिलीज के 15 साल पूरे कर लिए हैं। हमने एक ऐसी एक्शन फिल्म बनाने की कोशिश की थी, जिसमें इमोशन के साथ-साथ एक्शन भी दमदार था।'

अभिनेता का कहना है कि फिल्म 'फोर्स' निशिकांत कामत के बिना बनना नामुमकिन था। उन्होंने लिखा, 'फोर्स निशी (निशिकांत कामत) के बिना नहीं बन पाती। उन्होंने मुझे पुश किया, मुझ पर भरोसा किया और फिल्म को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। काश वो आज यहां होते और देखते कि ये सफर कहां तक पहुंचा है। मिस यू निशी। उम्मीद है आप मुझ पर गर्व महसूस कर रहे होंगे।'

साल 2011 में रिलीज हुई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'फोर्स' में जॉन अब्राहम के साथ जेनेलिया डिसूजा और विद्युत जामवाल (विद्युत की पहली बॉलीवुड फिल्म) जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अन्य कलाकारों में मोहनीश बहल, राज बब्बर और मुकेश ऋषि ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।

यह फिल्म गौतम मेनन की 2003 में आई तमिल सुपरहिट फिल्म 'काखा काखा' की रीमेक थी। इसमें जॉन अब्राहम ने एसीपी यशवर्धन नाम के एक सख्त और निडर नारकोटिक्स अधिकारी की भूमिका निभाई थी, जो ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जाता है। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ यशवर्धन और माया (जेनेलिया डिसूजा) की रोमांटिक प्रेम कहानी भी दिखाई गई थी। रिलीज होने के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी, जिसके बाद इसकी एक पूरी फ्रेंचाइजी तैयार हुई। साल 2016 में 'फोर्स- 2' रिलीज हुई थी, जिसमें जॉन अब्राहम के साथ सोनाक्षी सिन्हा नजर आई थीं। इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'फोर्स 3' फिलहाल पाइपलाइन में है और 19 मार्च 2027 को रिलीज के लिए शेड्यूल्ड है, जिसका निर्देशन भाव धूलिया कर रहे हैं।

गोविंदा-कोमल रानी के डेटिंग रूमर्स पर एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने किया गोविंदा का समर्थन

हाल ही में कोमल रानी और गोविंदा को लालबागचा राजा के दर्शन करते हुए देखा गया था। इसके बाद सुनीता ने भी एक वीडियो शेयर कर ये आरोप लगाया था कि उनके जीवन में कुछ राक्षस हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए उन्होंने देवी से प्रार्थना की है। अब इस मामले पर कुब्रा सैत ने एक वीडियो शेयर कर गोविंदा का समर्थन किया है।

कुब्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, 'आपने फैन होना कब छोड़ दिया और प्राइवेट इन्वेस्टिगेटर कब बन गए?' उन्होंने कहा कि वह गोविंदा को बचपन से देखती आई हैं। उनके मुताबिक, गोविंदा 90 के दशक के सबसे बड़े सुपरस्टार, आइकन और लीजेंड में से एक रहे हैं। कुब्रा ने कहा, 'लेकिन आज 2026 में अगर कोई लड़की उनके पास है, अगर वह उनके आसपास है, अगर वह उनके साथ हवा में सांस ले रही है, तो वह 'मिस्ट्री वुमन' और 'अलगेड गर्लफ्रेंड' बन जाती है। आप मुझे बताइए, इस नतीजे पर कौन पहुंचा?'

कब गॉसिप ने गॉसिप होना बंद कर दिया?

उन्होंने आगे कहा कि वह गोविंदा को व्यक्तिगत तौर पर नहीं जानती हैं, लेकिन उनकी मुलाकात सुनीता आहूजा से हुई है। कुब्रा ने सुनीता को 'फनी', 'बेबाक', 'आउटरेजियस' और 'इन्क्रेडिबल' बताया। हालांकि, उन्हें इस बात से परेशानी है कि सुनीता और ऐसी अफवाहों से जोड़ी जाने वाली हर महिला से बार-बार इन बातों पर सफाई देने की उम्मीद की जाती है, जबकि इन अफवाहों को उन्होंने शुरू ही नहीं किया। कुब्रा ने सवाल किया, 'आखिर कब गॉसिप ने गॉसिप होना बंद कर दिया और जजमेंट बन गया?' उन्होंने कहा कि वह खुद एक पब्लिक फिगर हैं और उन्हें पता है कि उनकी जिंदगी लोगों की नजरों में रहती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी की निजी जिंदगी को सार्वजनिक चर्चा का विषय बना दिया जाए। उन्होंने कहा, 'मेरी जिंदगी बहुत मुश्किल है, लेकिन यह मेरा काम है। फिर आप मेरी निजी जिंदगी को लेकर उसे सार्वजनिक तमाशा क्यों बना रहे हैं? आपसे किसने कहा?'

महिलाओं के सम्मान पर की बात

अभिनेत्री ने महिलाओं के सम्मान को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान की बात सिर्फ तब नहीं होनी चाहिए, जब उनके साथ कोई बड़ी या भयानक घटना हो। बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महिलाओं की पसंद और उनके फैसलों का सम्मान किया जाना चाहिए। कुब्रा ने कहा, 'एक महिला का रोजमर्रा की जिंदगी में, उसकी रोजमर्रा की पसंद में सम्मान करें और महिलाओं से अपनी सफाई देने के लिए सामने आने को न कहें। किसी ने नहीं कहा।'

फैन होने का मजा लीजिए

उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर कुछ भी लिखने या वायरल वीडियो बनाने से पहले खुद से सवाल करने की अपील भी की। कुब्रा ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसी पोस्ट या खबर को देखकर तुरंत भद्दा कमेंट करने या क्लिकबेट के लिए वीडियो बनाने जा रहा है, तो उसे पहले खुद से पूछना चाहिए कि ऐसा करने के लिए उससे किसने कहा है। आखिर में कुब्रा ने कहा, 'मैं आपको इसका जवाब बताती हूं। किसी ने नहीं कहा। अगर आप कुछ अच्छा नहीं कह सकते, तो कुछ मत कहिए। बस फैन बनिए। फैन होने का मजा लीजिए।'

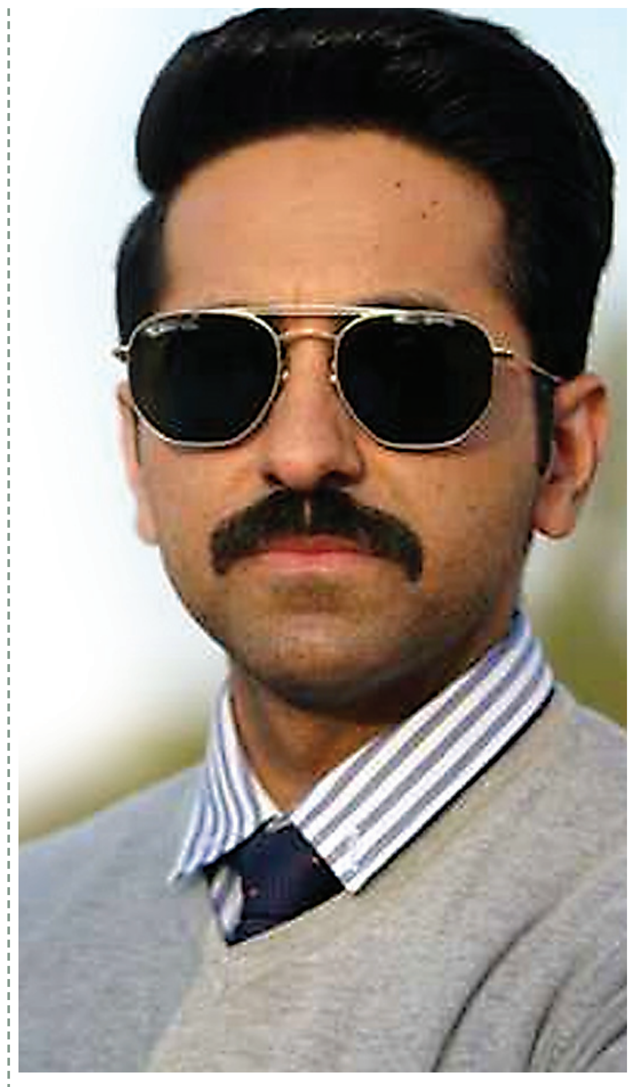

छोटी बजट की फिल्मों पर आयुष्मान खुराना का बड़ा बयान, 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' पर कही ये बात

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें।

हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश और ऑब्सेशन दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।'

आयुष्मान ने बताया फिल्म की सफलता का राज

आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस भी मौजूद थे।

कब रिलीज होगी 'उड़ता तीर'?

'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहैल नय्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांबे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रीजनल सिनेमा पर अजय देवगन ने की बात

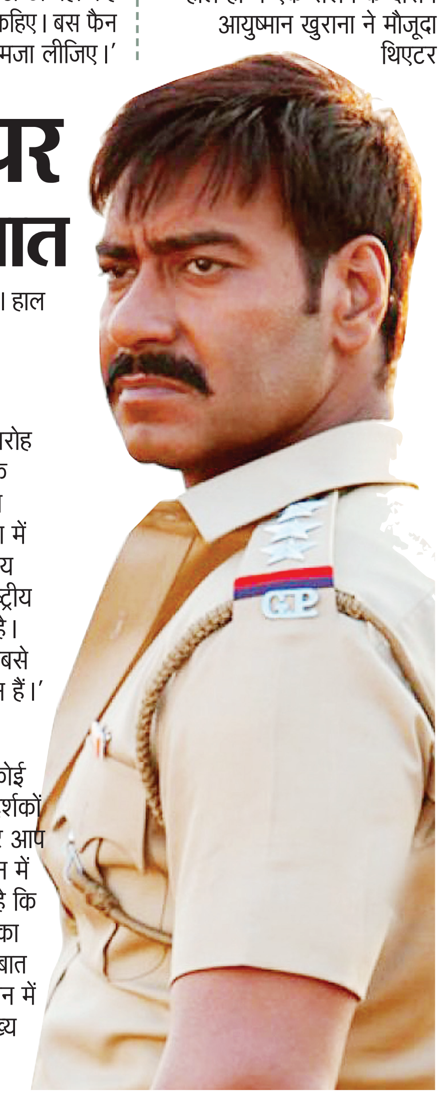

अभिनेता अजय देवगन का फिल्मी सफर तीन दशक लंबा रहा है। हाल ही में फिक्की (एफआईसीसीआई) के समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने हिंदी फिल्में बनाने को सबसे जटिल बताया।

हिंदी सिनेमा पर क्या बोले अजय देवगन?

अजय देवगन हाल ही में फिक्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय समारोह में शामिल हुए। जहां उन्होंने हिंदी सिनेमा और 1990 के दशक के एकल-स्क्रीन युग से लेकर मल्टीप्लेक्स के बढ़ते प्रभाव और अब सिनेमाघरों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, शहरों, कस्बों और सोशल मीडिया में बदलाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी अन्य सिनेमा से श्रेय नहीं छीन रहा हूं। चाहे आप इसे पारंपरिक सिनेमा कहें या अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा मेरा मतलब है कि वहां फिल्में बनाना उतना ही मुश्किल है। लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है, क्योंकि आपको पता नहीं होता कि आपके दर्शक कौन हैं।'

अन्य भाषाओं की फिल्मों पर क्या बोले अजय?

आगे अपनी बाच को स्पष्ट करते हुए अजय ने कहा, 'जब आप कोई पंजाबी फिल्म, तेलुगु फिल्म या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आप दर्शकों को समझते हैं। क्योंकि यह एक विशेष क्षेत्र के लिए होती है। और आप उनकी पसंद को जानते हैं। इसलिए आप उसी दर्शक वर्ग को ध्यान में रखते हैं। हिंदी फिल्म के लिए अच्छा प्रदर्शन करना, मुझे लगता है कि हर 80-90 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है। सोचने का तरीका बदल जाता है। फिर आप जनसमूह, वर्ग, शहरों, शहरी क्षेत्रों की बात करते हैं। आप कस्बे की बात करते हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन फ्रैंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में वापसी कर रहे हैं।

अभिषेक की फिल्म 'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुई शिवालिका ओबेरॉय

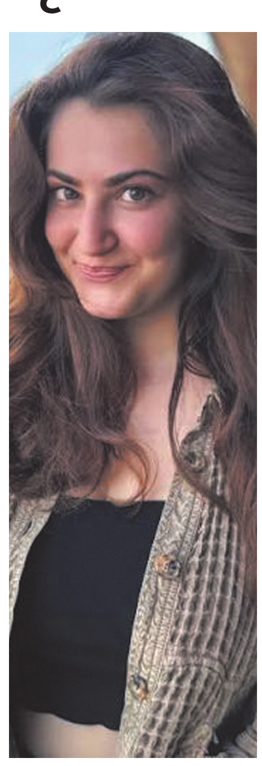

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूज' रिलीज होने के लिए तैयार है। गुरुवार को फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातें और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है। कल दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूं और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।' अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

छाती पीटते रहना पड़ता है कि कुछ बेहतर कर लिया होता

'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हरि'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में है। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज़ से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूं, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूं कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूं।'

वरना छाती पीटते रहना पड़ता है

उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएसडी रेपर्टरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो गया, तो फिर बस छाती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूं, अपने रोल के साथ न्याय करूं, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोलीं, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूं, घर चलाने के लिए काम तो करना है।'

गहरी लग गई वो बात

उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।'

रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता -पुत्र के बीच जनरेशन गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता है। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'

व्यापार

सेंसेक्स
71909.70 पर बंद
निफ्टी
22421.95 पर बंद

सोना
148,210
चांदी
235,000

संक्षिप्त समाचार

इधर 8वें वेतन आयोग से ओपीएस की मांग, उधर आ गई एनपीएस तत्काल स्कीम

नईदिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां कई कर्मचारी संगठनों ने 8वें वेतन आयोग के सामने को बहाल करने की डिमांड की है तो दूसरी ओर पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने एनपीएस में 2-3 करोड़ नए सब्सक्राइबर जुड़ने की उम्मीद लगा रखी है।चेयरपर्सन एस रमन ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि अगले दो साल में करीब 2-3 करोड़ नए सब्सक्राइबर जुड़ेंगे। रमन ने एनपीएस दिवस के मौके पर से बातचीत में कहा कि इस बढ़ोतरी की वजह हाल ही में शुरू की गई तत्काल' सुविधा हो सकती है। इसका मकसद अकाउंट खोलने के प्रोसेस को तेज और आसान बनाना है। बता दें सरकार ने 1 जनवरी 2004 को ओल्ड पेंशन स्कीम की जगह हक्र शुरू किया था। इस नई स्कीम के तहत लोग अपने कामकाजी सालों में पैसा जमा करते हैं और यह रकम बाजार से जुड़े फंडो में लगाई जाती है। सर्वे ऑफ इंडिया की 8वें वेतन आयोग से बहाल करने की मांग की है। संगठन ने अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर गारंटीड पेंशन की मांग भी रखी है। वहीं फेडरेशन ऑफ नेशनल पोस्टल आर्गेनाइजेशन ने आने वाले कर्मचारियों को भी पेंशन व्यवस्था में लाने की मांग की है। रिटायरमेंट के समय जमा हुई रकम से पेंशन जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें एन्युइटी आधारित आय भी शामिल है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए जरूरी है, जबकि प्राइवेट सेक्टर के लोग इसमें स्वेच्छा से जुड़ सकते हैं। एनपीएस तत्काल सुविधा से टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले लोगों में भी पेंशन कवरेज बढ़ने की उम्मीद है। रमन ने कहा कि यह सुविधा इन्फॉर्मल सेक्टर के और लोगों को भी पेंशन सिस्टम से जोड़ सकती है। इससे एनपीएस का दायरा सिर्फ सैलरीड और फॉर्मल सेक्टर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगा। अब तक ग्राहक एनपीएस ऐप या अपने बैंक के एनपीएस ऐप से सीधे एनपीएस में एनरोल या नया एनपीएस अकाउंट नहीं खोल सकते थे। हालांकि, इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल आगे पैसा जमा करने के लिए किया जा सकता था। औपचारिक रूप से जुड़ने के लिए पहले ऑनलाइन या ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करना पड़ता था।

एशियाई बाजारों में गिरावट, ब्रिटेन में बॉन्ड यील्ड 1998 के बाद रिकॉर्ड हाई पर

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियाई शेयर बाजारों में शुक्रवार को दबाव देखने को मिला। निवेशकों

की नजर अमेरिकी रोजगार आंकड़ों पर है, वहीं बॉन्ड और करेंसी बाजार में तेज उतार-चढ़ाव ने चिंता बढ़ा दी है। इधर ब्रिटेन में भी बॉन्ड बाजार में बड़ी हलचल देखने को मिली। दूसरी ओर मध्य-पूर्व में बढ़ता सैन्य तनाव भी कच्चे तेल की कीमतों को ऊंचे स्तर पर बनाए हुए है। ब्रिटेन में 30-वर्षीय सरकारी बॉन्ड यील्ड गुरुवार को बढ़कर रिकॉर्ड 6.029 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह जनवरी 1998 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। 10-वर्षीय गिल्ट यील्ड भी बढ़कर 5.510 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई 2007 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ऊंची ऊर्जा और खाद्य कीमतों के कारण ब्रिटेन में महंगाई और ब्याज दरों को लेकर बाजार की चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड कारोबार के दौरान 5.34 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2002 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि, बाद में इसमें गिरावट आई और एशियाई कारोबार में यह करीब 5.25 प्रतिशत के आसपास रही। बॉन्ड यील्ड में यह तेजी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऊंची यील्ड से शेयर बाजार पर दबाव बढ़ सकता है और अमेरिकी डॉलर की मांग भी प्रभावित होती है। एशिया-प्रशांत इक्विटी इंडेक्स, जापान को छोड़कर, करीब 0.5 प्रतिशत नीचे रहा।

लीडर पैदा करने की फैक्ट्री बन गया है आईसीआईसीआईः हर्ष गोयनका

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकिंग सेक्टर के लिए गुरुवार को दो बड़े घटनाक्रम देखने को मिला। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक को नए बॉस मिल गए। अनूप बागची को एचडीएफसी बैंक का अगला सीईओ और एमडी बनाया गया है। आरबीआई ने उनके नाम को मंजूरी दे दी है। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक ने अनूप कुमार साहा को अगला सीईओ और एमडी बनाया है। दिलचस्प बात यह है कि इन दोनों का संबंध आईसीआईसीआई से रहा है। दोनों की नियुक्ति को आरबीआई से मंजूरी मिल गई है।

अनूप बागची फिलहाल आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ हैं। वह 2023 से इस पद पर हैं। इससे पहले वह करीब छह साल तक आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक रहे। उन्होंने 1992 में आईसीआईसीआई समूह के साथ अपना करियर शुरू किया था और खुदरा एवं थोक बैंकिंग समेत विभिन्न जिम्मेदारियां संभाली हैं। वह एचडीएफसी बैंक में शशिधर जगदीशन की जगह लेंगे, जिनका छह साल का कार्यकाल 26 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

कैसे हुई शुरुआतः आईसीआईसीआई की स्थापना 1955 में वर्ल्ड बैंक, भारत सरकार और भारतीय उद्योग के प्रतिनिधियों की पहल पर की गई थी। इसका मुख्य मकसद भारतीय कंपनियों को मध्यम और लंबी अवधि के प्रोजेक्ट के लिए फाइनेंसिंग देने के लिए एक डेवलपमेंट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन बनाना था। 1980

के दशक के आखिर तक आईसीआईसीआई ने मुख्य रूप से प्रोजेक्ट फाइनेंस पर ध्यान केंद्रित किया। 1990 के दशक में भारत में फाइनेंशियल सेक्टर के उदारीकरण के साथ, आईसीआईसीआई ने अपने व्यवसाय को केवल प्रोजेक्ट फाइनेंस देने वाले डेवलपमेंट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से बदलकर एक डाइवर्सिफाइड फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइडर के रूप में विकसित किया। जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था ग्लोबल इकॉनमी के साथ जुड़ी, आईसीआईसीआई ने अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट और सर्विसेज का विस्तार किया।

लीडर बनाने की फैक्ट्री

इसी तरह देश के चौथे बड़े प्राइवेट बैंक कोटक ने अनूप कुमार साहा को अपना अगला और बनाया है। उनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2027 से शुरू होकर तीन साल रहेगा। उन्होंने मई 2003 से जून 2017 के बीच अपने करियर के 14 साल आईसीआईसीआई बैंक में बिताए। इस दौरान उन्होंने रिटेल सिक्योर्ड एसेट्स, बिजनेस इंटेलिजेंस, रिटेल और रूरल कलेक्शन, क्रेडिट कार्ड्स और रिटेल स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस में सीनियर रोल निभाए। इस बीच दिग्गज कारोबारी हर्ष गोयनका ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। उनका कहना है कि आईसीआईसीआई लीडरशिप बनाने की मजबूत फैक्ट्री बन रहा है। इससे निकले कई लोगों ने देश और विदेश के कई दिग्गज बैंकों की कमान संभाली है। इनमें एक्सिस बैंक की सीईओ रहीं शिखा शर्मा, आईडीएफसी बैंक के एस वैद्यानाथन, सेबी की चीफ रहीं माधबी पुरी बुच, कोटक एसेट के नीलेश शाह, टाटा कैपिटल के राजीव सभरवाल, गोल्डमैन सैश के संजय चटर्जी, जेपी मोर्गन की रेणुका रामनाथ, स्टैंडर्ड चार्टर्ड की जरीन दारूवाला और आदित्य बिड़ला की विशाखा मुल्ये शामिल हैं। आईसीआईसीआई बैंक को 1994 में आईसीआईसीआई ग्रुप के हिस्से के रूप में शामिल किया गया था।

दूसरी तिमाही में धीमी पड़ी इकॉनमी की रफ्तार! सरकारी रिपोर्ट में जताया गया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, यह जून तिमाही में दर्ज 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर से कम होगी। वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को यह अनुमान लगाया गया। सितंबर महीने की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि वैश्विक माहौल में बढ़ती अनिश्चितता के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत मजबूत आधार पर हुई। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया संघर्ष ने ऊर्जा बाजार और व्यापार मार्ग को प्रभावित किया है, जिससे दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौतियां बढ़ी हैं। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही थी, जो मौजूदा श्रृंखला में पहली तिमाही की सबसे अधिक वृद्धि है। इसमें कहा गया, 'इस साल की शुरुआत में आर्थिक समीक्षा में पेश किए गए हमारे तात्कालिक अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने की संभावना है।' रिपोर्ट के मुताबिक, जून तिमाही की वृद्धि की गति 2026-27 की दूसरी तिमाही में भी जारी रही।

टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में अकेले पड़े नोएल टाटा, टाटा संस के मर्जर प्लान पर ट्रस्टियों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को लिस्टिंग से बचाने के लिए इसकी दो

सब्सिडियरी कंपनियों को मर्ज करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन ट्रस्ट्स के वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने नोएल टाटा के प्रस्ताव पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नोएल ने ट्रस्ट्स के बोर्ड की मंजूरी के बिना ही यह कदम उठाया। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों वाइस-चेयरमैन ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड को 30 सितंबर को लिखे एक पत्र में कहा कि इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए कोई बैठक नहीं हुई थी। महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर ने स्त्र्रुञ्ज को बोर्ड मीटिंग बुलाने से रोका है।

मर्जर का प्रस्ताव

टाटा ट्रस्ट्स ने 28 सितंबर को बताया था कि नोएल टाटा ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स को टाटा संस में मर्ज करने का प्रस्ताव दिया है। ट्रस्ट्स ने कहा कि नोएल टाटा ने 28 जुलाई, 2025 के उस प्रस्ताव के तहत काम किया, जिसमें टाटा संस को अनलिस्टेड और प्राइवेट बनाए रखने के लिए हर संभव कोशिश करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि उस प्रस्ताव में टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को कंपनी को अनलिस्टेड बनाए रखने के विकल्पों पर विचार करने के लिए अधिकृत किया गया था। नोएल टाटा को एकतरफा तरीके से मर्जर की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए अधिकृत नहीं किया गया था। श्रीनिवासन और सिंह ने कहा कि उस प्रस्ताव के बाद से हालात काफी बदल गए हैं।

फैसले पर हैरानी

आरबीआई ने 11 सितंबर, 2026 को टाटा संस के डी-रजिस्ट्रेशन आवेदन को खारिज कर दिया और कंपनी को अपर लेयर कैटेगरी वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों के नियमों का तुरंत पालन करने का निर्देश दिया। श्रीनिवासन और सिंह ने पत्र में कहा, '2025 के फैसले, भले ही उस समय सही थे, लेकिन उन्हें अब टाटा संस के लिए उपलब्ध विकल्पों के बारे में निर्णायक नहीं माना जा सकता है।' रतन टाटा द्वारा नियुक्त दोनों ट्रस्टियों ने कहा कि 28 सितंबर के पत्र की कॉपी मिलने और पब्लिक सोर्स से प्रेस रिलीज के बारे में पता चलने पर उन्हें हैरानी हुई।

जेन-जी सहेलियों ने टिकटाक पर शुरू की अचार की बातें, आइडिया बना बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दोस्तों की अचार को लेकर शुरू हुई बातचीत ने ऐसा बिजनेस आइडिया दिया, जिसकी आज वैल्यू करीब 81 करोड़ रुपये है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ साउदर्न कैलिफोर्निया से पढ़ाई करने वाली लीह मार्कस और यासामन बख्तियार ने टिकटॉक पर अचार से जुड़े वीडियो शेयर करने से शुरुआत की और बाद में इसी दिलचस्पी को फूड बिजनेस में बदल दिया।

दोनों ने साल 2022 में यूएससी से ग्रेजुएशन किया था। साल 2023 में ञ्जद्बद्मञ्जशद्म पर अचार से जुड़े वीडियो शेयर करते हुए उनके बीच यह विचार आया कि क्यों न अचार की कैटेगरी में अपना कोई प्रोडक्ट बनाया जाए। इसी सोच के साथ दोनों ने अपनी नौकरियां छोड़कर फूड ब्रांड बनाने पर काम शुरू किया। लीह मार्कस और यासामन बख्तियार ने अपनी कंपनी गुड गर्ल स्नैक्स शुरू की। फरवरी 2024 में कंपनी ने अपना पहला प्रोडक्ट लॉन्च किया। शुरुआत में इसे सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कंपनी ने अपनी वेबसाइट के जरिए बिक्री शुरू की। डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल के जरिए दोनों फाउंडर्स को यह समझने का मौका मिला कि ग्राहक प्रोडक्ट को किस तरह पसंद कर रहे हैं। इसके बाद कंपनी ने धीरे-धीरे रिटेल मार्केट में कदम बढ़ाया। ब्रांडिंग में सोशल मीडिया कल्चर की भी झलक दिखाई देती है। उस समय सोशल मीडिया पर 'हॉट गर्ल वॉक' और 'गर्ल डिनर' जैसे

अब 81 करोड़ रुपये की कंपनी

शब्द काफी लोकप्रिय थे। फाउंडर्स ने इसी तरह की भाषा और ट्रेंड को अपने ब्रांड और प्रोडक्ट के नाम में इस्तेमाल किया। कंपनी का लक्ष्य अचार की पारंपरिक कैटेगरी को नए फ्लेवर और पैकेजिंग के जरिए युवा ग्राहकों के लिए आकर्षक बनाना था। फूड बिजनेस शुरू करने के बाद दोनों फाउंडर्स को प्रोडक्ट के अलावा फंडिंग, लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों को भी समझना पड़ा। इसके लिए उन्होंने अपने स्ष्ट के पूर्व सहपाठियों से सलाह ली, जिन्होंने नाम से पास्ता सॉस स्टार्टअप शुरू किया था। इसके अलावा फूड इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से संपर्क किया। शुरुआत में कंपनी के लिए दोस्तों और परिवार से भी फंड जुटाया गया था। ऑनलाइन बिक्री के बाद गुड गर्ल स्नैक्स ने बड़े रिटेल स्टोर्स में एंट्री की कोशिश शुरू की। कंपनी ने अपने हॉट गर्ल पिकल्स बेचने के लिए आवेदन किया। साल 2025 में दोनों रिटेलर्स ने कंपनी के आवेदन मंजूर कर लिए। इसके बाद पहुंच काफी बढ़ गई। अब कंपनी अपने प्रोडक्ट ऑनलाइन के अलावा जैसे स्टोर्स के जरिए भी बेचती है। मार्कस और बख्तियार ने अपने ब्रांड में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी शामिल किया है।

किसानों के लिए कितना फायदेमंद है क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के किसानों के लिए सरकार कई सारी योजनाएं चलाती हैं। इन योजनाओं से उन्हें खेती करने, किसी इमरजेंसी समय में आर्थिक मदद मिलने समेत अन्य कई फायदे होते हैं। इस बीच हम क्रेडिट कार्ड की बात कर रहे हैं। वैसे तो कई बैंक और वित्तीय संस्थाएं ग्राहकों के लिए क्रेडिट कार्ड की सुविधाएं देती हैं, लेकिन क्या आपने किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड के बारे में सुना है?

सरकार किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड की सुविधा देती है। केंद्र सरकार के मत्स्यपालन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, आरबीआई ने किसानों (मछली,मछुआरों और पशुपालकों आदि) के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधा दे रखा है। इससे आप लोन लेकर अपने कार्यों को कर सकते हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड भारत सरकार के द्वारा देश के किसानों को दी जाने वाली एक सरकारी योजना या सुविधा है। वैसे आमतौर पर इससे पात्र किसान 5 लाख रुपये तक का लोन आसानी से ले सकता है। हालांकि, केसीसी (किसान

क्रेडिट कार्ड) के तहत न्यूनतम या अधिकतम लोन की कोई सीमा नहीं है। यह आपकी जरूरत, फसल, खेती समेत अन्य जरूरी चीजों को ध्यान में रखकर मिलता है।

अगर आप खेतीहर किसान हैं तो आप किसान क्रेडिट कार्ड से मिले लोन का इस्तेमाल खेती करने, फसलों की उगाई, खाद्य, सिंचाई, फसल की कटाई, खेती के लिए जरूरी मशीनों की खरीदारी समेत कार्यों के लिए कर सकते हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड से लोन लेने पर अधिकतम 7 फीसदी की सालाना ब्याज दरें लगती हैं। हालांकि, कुछ शर्तों के तहत आपको इसमें छूट भी मिल जाती है। अगर आप समय पर लोन चुका देते हैं तो ब्याज दर में आपको तीन फीसदी तक की छूट मिल सकती है। किसान क्रेडिट कार्ड के लिए सबसे खास पात्रता यह है कि आप भारतीय हों। यह देश के सभी किसान, संयुक्त उधारकर्ता जो मालिक किसान हैं, पट्टेदार, बटाईदार, स्वयं सहायता समूह समेत अन्य के लिए है। किसान क्रेडिट कार्ड के लिए जरूरी दस्तावेज क्या हैं? किसान क्रेडिट कार्ड के लिए जरूरी दस्तावेजों में पहचान पत्र, आवेदन फॉर्म, जमीन के कागजात, खेती की जानकारी, एड्रेस प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो, पैन कार्ड समेत अन्य शामिल हैं।

एम्पीयर ने नए एक्सपीरियंस सेंटर के साथ भोपाल में अपने रिटेल फुटप्रिन्ट का किया विस्तार

भोपाल। एम्पीयर ने आज कृषक नगर पर ठाकुर ई मोटर्स के उद्घाटन के साथ भोपाल में अपनी रिटेल एवं सर्विस मौजूदगी को सशक्त बना लिया है। एम्पीयर का यह नया एक्सपीरियंस सेंटर ग्राहकों को एक ही जगह पर सेल्स और सर्विस का पूरा अनुभव देगा, जिससे क्षेत्र के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आसान और सुविधाजनक हो जाएगी।

नए एक्सपीरियंस सेंटर में एम्पीयर के इलेक्ट्रिक स्कूटर पोर्टफोलियो को पेश किया जाएगा, जिसे मोबिलिटी की विभिन्न ज़रूरतों और ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस पोर्टफोलियो में सबसे खास है 5 किलोवॉट की नई पावरफुल मोटर से पावर्ड एम्पीयर नेक्सस ईएक्स

प्लस जिसने अपने शानदार परफोर्मेन्स के साथ भारत के सबसे मुश्किल रास्तों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं।

परिवारों और मूल्य के प्रति सजग ग्राहकों के लिए पेश किया गया मैग्नस जीमैक्स रोज़मर्रा की ज़रूरतों, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी और किफायती दाम का बेहतरीन संयोजन है। वहीं मैग्नस नियो को रोज़मर्रा की राइड को आरामदायक बनाने के लिए और लुक को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा युवा राइडरों, खासतौर पर स्कूल-कॉलेज छात्रों के लिए हाल ही में लॉन्च हुआ एम्पीयर रियो वाइब भी पोर्टफोलियो में शामिल किया गया है।

एम्पीयर नेक्सस ई एक्स+ और मैग्नस जीमैक्स ऐसे वैरिएंट्स में भी उपलब्ध हैं जिनमें इंटेलिपैक से पावर्ड 30 से ज़्यादा इंटेलिजेंट फ़ीचर्स हैं। ये फीचर्स राइडरों को कनेक्टेड और स्मार्ट टेक्नोलॉजी का अनुभव प्रदान करते हैं। इस पोर्टफ़ोलियो में नेक्स्ट-जेनरेशन एलएफपी बैटरी टेक्नोलॉजी और 5 साल/75,000 किलोमीटर तक की स्टैंडर्ड बैटरी वारंटी मिलती है, जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को भरोसेमंद और आसान बनाने की एम्पीयर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

सोनालीका ने सिर्फ 6 महीनों में 1 लाख वायटीडी ट्रैक्टर बिक्री का आंकड़ा पार कर रचा ऐतिहासिक रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट नंबर 1 में ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अपनी शानदार 30वे वर्ष में परफॉर्मेंस का एक नया मुकाम हासिल किया है। कंपनी ने सिर्फ़ 6 महीनों (अप्रैल-सितंबर 2026) में 1 लाख वायटीडी (साल की शुरुआत से अब तक) ट्रैक्टर बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। जिस उपलब्धि को हासिल करने में आठ साल पहले पूरा एक साल लगा, उसे कंपनी ने अब आधे समय में ही हासिल कर लिया है। यह सोनालीका के बढ़ती क्षमता, गति और हर स्तर पर काम करने के तरीके में एक बड़ी और निर्णायक बढ़त को दिखाता है। कंपनी के दमदार ट्रैक्टरों में लगातार सुधार, किसानों के साथ बेहतर जुड़ाव, सुव्यवस्थित उत्पादन योजना और डीलरों के साथ मिलकर काम करने से यह शानदार परफॉर्मेंस मुमकिन हो पाई है। यह उपलब्धि किसानों को खुद से जीतने का दम देने की सोनालीका की अटूट भावना को दर्शाती है, ताकि वे खेतों में अपने ही बनाए मानकों को पीछे छोड़ सकें। इसी भावना ने सोनालीका को उत्तम परफॉर्मेंस हासिल करने में मदद की है और ब्रांड को सालाना 50,000 ट्रैक्टर बिक्री से आगे बढ़ाकर सिर्फ़ 6 महीनों में 1,00,000 ट्रैक्टर बिक्री के मुकाम तक पहुंचाया है। सोनालीका ने अपनी हर उपलब्धि को उसी जुनून और साहस के साथ एक नई चुनौती में बदला है, जो असाधारण उपलब्धियों को संभव बनाते हैं। जैसे-जैसे भारत त्योहारों के मुख्य सीजन में प्रवेश कर रहा है, सोनालीका ने होशियारपुर में अपने दुनिया के नंबर 1 प्लांट में 19,000 ट्रैक्टरों का अब तक का सबसे ज़्यादा मासिक उत्पादन करके ट्रैक्टर की उपलब्धता को मज़बूत किया है। साथ ही, ग्राहकों की बढ़ती मांग को तेज़ी से पूरा करने के लिए अपने डीलर नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया है।

संक्षिप्त समाचार

डिंगी सेलिंग: नेत्रा ने ब्रॉन्ज किया अपने नाम

गामागोरी । भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले

पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की। फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉर्टन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था।

पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की

किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया। पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। भारतीय तीरंदाजों को कोरियाई तीरंदाजों को हराना मुश्किल लगा और वे सिर्फ एक सेट टाई कर पाए, जबकि बाकी दो हार गए। भारत और कोरिया ने पहले सेट में छह तीरों से 56 पॉइंट बनाए, जिसके बाद दोनों ने एक-एक पॉइंट साझा किया। नौ बार के चैंपियन ने अपना शीर्ष प्रदर्शन जारी रखा और भारतीय तीरंदाजों की कुछ गलतियों की वजह से 57-40 के स्कोर के साथ दूसरा सेट जीत लिया। 3-1 की बढ़त के साथ, कोरिया ने 56-54 के स्कोर के साथ तीसरा सेट भी जीत लिया, क्योंकि उन्होंने आखिरी सेट में नौ से कम का कोई निशाना नहीं लगाया, जबकि भारत की ओर से आखिरी सेट में सात का शॉट लगा। दोनों टीमों ने पहले सेट में 1-1 की बराबरी के साथ फाइनल की शुरुआत की। दोनों टीमों ने शुरुआती सेट में 56 पॉइंट बनाए और तीन-तीन बार 10 पॉइंट हासिल किए।

मुक्केबाजी छोड़ना चाहती थी, अब स्वर्ण जीतकर खुश हूं: लवलीना

नागोया, एजेंसी। लवलीना बोरगोहेन ने 2024 ओलंपिक के बाद मुक्केबाजी से संन्यास लेने की योजना बनाई थी, लेकिन पेरिस खेलों में पदक से चूकने के कारण उन्होंने अपना इरादा बदल दिया जो उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ क्योंकि भारतीय स्टार ने शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने अपने जन्मदिन पर 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में चीन की जियी बाओ को 5-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला मुक्केबाजी में भारत के 12 साल से चले आ रहा स्वर्ण पदक का इंतजार खत्म किया। उन्होंने पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लवलीना ने अपने मुकाबले के बाद कहा, 'मेरे लिए यह वर्ष काफी मुश्किल रहा। पहले मैं मुक्केबाजी छोड़ना चाहती थी। लेकिन मैंने जारी रखा। मैं एशियाई खेलों में अपने पदक का रंग बदलना चाहती थी। यह बहुत महत्वपूर्ण था। उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने खेलना जारी रखा।'

असम की रहने वाली इस मुक्केबाज ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था लेकिन पेरिस ओलंपिक से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने एक साल के लिए ब्रेक लिया और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की। वह राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गई थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने से मैं खुश नहीं थी। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में बहुत सी चीजें होती हैं, जैसे हार, चोट। आपको बहुत सी चीजों का सामना करना पड़ता है। यह स्वर्ण पदक मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।'

लवलीना ने कहा, 'मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मुझे नहीं पता कि स्वर्ण पदक का जश्न कैसे मनाऊं। मुझे अपनी इस जीत को स्वीकार करने के लिए कुछ समय चाहिए। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।' इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे मजबूत रहना होगा और जीतना होगा। मैं हर चीज को लेकर बहुत सकारात्मक थी। जापान मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है। मैं हमेशा जीतने के बारे में सोचती हूं।' लवलीना से जब पूछा गया कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह सबसे पहले किसे फोन करेंगी, उन्होंने कहा, ''मैं सबसे पहले अपनी मां को फोन करूंगी। वह मेरे मैच नहीं देखतीं क्योंकि वह बहुत चिंतित रहती हैं।'

ओलंपिक चैंपियन को हराया

सुजीत कलकल ने एशियाई खेलों में जीता गोल्ड मेडल

नागोया। सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में अपना दबदबा साबित करते हुए शुक्रवार को एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल जीता। खिताब जीतने के रास्ते में उन्होंने एक ओलंपिक चैंपियन को भी हराया

और इस तरह अपने शानदार साल का समापन किया। फाइनल तक पहुंचने के लिए उन्होंने ईरान और जापान के मज़बूत प्रतिद्वंद्वियों को पहले ही हरा दिया था और इसमें कोई शक नहीं था कि 23 वर्षीय सुजीत अपना पहला एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल जीतेंगे। लेकिन ताजिकिस्तान के अब्दुलमजिद कुदिएव ने भारतीय पहलवान के लिए चुनौती पेश की। सुजीत 2-9 से पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने लगातार आठ अंक हासिल करके शानदार वापसी की और जबरदस्त जीत दर्ज की।सुजीत ने अपने अभियान की शुरुआत अफगानिस्तान के सैयद उमर जजई को टेक्निकल सुपीरियरिटी (13-3) से हराकर की और क्वार्टर फाइनल में ईरान के अब्बास इब्राहिमजादेहसावदकोही के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बिना कोई अंक गंवाए टेक्निकल सुपीरियरिटी से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका को क्राइटेरिया के आधार पर 3-3 से हराया।

मुक्केबाजी में गोल्डन हैट्रिक: लवलीना-परवीन के बाद अंकुश ने जीता गोल्ड

आइची नागोया। भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियन गेम्स में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। नागोया के निशियो जिम्नेजियम में खेले गए फाइनल में अंकुश ने दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 से हराया। अंकुश की जीत के साथ ही एशियाई खेलों में भारत का मुक्केबाजी अभियान तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ खत्म हुआ। भारत ने कुल छह पदक अपने नाम किए।फाइनल में अंकुश ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले राउंड में तेजी और सटीक पंचों के दम पर किम पर दबाव बनाया। भारतीय मुक्केबाज ने यह राउंड 4-1 से अपने नाम किया। किम को पहले राउंड में चेतावनी के कारण एक अंक की कटौती भी झेलनी पड़ी। दूसरे राउंड में अंकुश का प्रदर्शन और प्रभावी रहा। उन्होंने अपने 1-2 पंचों के साथ मौके बनाए और कोरियाई मुक्केबाज के हमलों का जवाब काउंटर पंच से दिया। किम ने कुछ अच्छे पंच लगाए, लेकिन अंकुश की रक्षात्मक तकनीक और काउंटर अटैक के सामने वह लगातार पिछड़ते गए। दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने अंकुश को बढ़त दी।

परवीन ने कड़े मुकाबले में जीता था गोल्ड

अंकुश से पहले परवीन हुड्डा ने महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। परवीन ने चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को करीबी मुकाबले में 3-2 से हराया था। परवीन ने फाइनल की शुरुआत शानदार तरीके से की और पहला राउंड 5-0 से अपने नाम किया। हालांकि चेन ने दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की और सभी पांच जजों ने यह राउंड उनके पक्ष में दिया। निर्णायक तीसरे राउंड में परवीन ने धैर्य बनाए रखा और 3-2 से राउंड जीत लिया। इस तरह उन्हें स्प्लिट निर्णय में 3-2 से विजेता घोषित किया गया और उन्होंने एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जन्मदिन पर लवलीना ने जीता सोना

भारत के लिए दूसरा महिला बॉक्सिंग स्वर्ण लवलीना बोरगोहेन ने जीता। 2 अक्टूबर को अपना 29वां जन्मदिन मना रहीं लवलीना ने महिलाओं के 75 किग्रा फाइनल में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराया। लवलीना ने मुकाबले में शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने एशियन गेम्स 2022 के रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकीं लवलीना ने अपने जन्मदिन पर स्वर्ण पदक जीतकर अभियान को यादगार बना दिया। यह एशियाई खेलों में लवलीना का पहला स्वर्ण पदक है।

तीन कांस्य भी भारत की झोली में

भारत ने एशियन गेम्स के मुक्केबाजी अभियान में तीन कांस्य पदक भी जीते। पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग में कपिल पोखरिया ने कांस्य हासिल किया। पुरुषों के 90 किग्रा से अधिक वर्ग में नरेंद्र बरवाल ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में प्रियंका घंघास ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया। तीनों मुक्केबाज सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन अंतिम चार के मुकाबले में हार के बाद उनका अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। इस तरह भारत ने मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के साथ कुल छह पदक जीते।

11 मुक्केबाजों ने लिया था हिस्सा

भारत ने एशियन गेम्स के मुक्केबाजी मुकाबलों में कुल 11 मुक्केबाज उतारे थे। इनमें छह मुक्केबाज पदक जीतने में सफल रहे। महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में साक्षी चौधरी को राउंड ऑफ 16 में कजाकिस्तान की मौजूदा विश्व चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा से हार मिली। महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में प्रीति पवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में उत्तर कोरिया की पांग चोल मी ने हराया। पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जदुमानी सिंह भी प्री-क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के कार्लो पालम से हार गए।

सेपकटकराव में भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्नेजियम में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में जापान से 0-2 से हारकर भारतीय पुरुष क्वाड्रंट टीम को सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। मालेमंगनबा सिंह सोरोखाइबाम, राम कुमार शर्मा, बॉबी कुमार और आकाश युमनाम (लोखोन सिंह एलांगबाम और टेकोंग अरुण सब्स) की भारतीय क्वाड्रंट सेमीफाइनल में युकी सातो, रयोटा हारुहारा, वतारू नारवा और योटा इचिकावा (सेया ताकानो और तोशिताका नाइतो सब्स) की जापानी क्वाड्रंट से 12-15, 13-15 के करीबी अंतर से हार गई। एशियाड में यह भारत का सेपक टकरॉ में सिर्फ तीसरा मेडल है। भारत ने 2018 जकार्ता गेम्स में पुरुषों की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और उसके बाद 2023 हांगझोऊ गेम्स में महिलाओं की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय पुरुषों की टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में टॉप पर जगह बनाई। उसने लीग स्टेज में वर्ल्ड कप विनर म्यांमार को भी चौंका दिया था और वियतनाम और लाओस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस बीच, भारतीय महिलाओं की टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। वह अपने तीन मैचों में कोई जीत हासिल किए बिना ग्रुप ए में चौथे स्थान पर रही। महिलाओं के डबल्स में भारत अपने ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहा और खेले गए तीनों गेमों में से एक भी गेम नहीं जीत पाया।

दो अक्टूबर से बदले स्वरूप में शुरू होगा क्रिकेट का महाकुंभ

केपटाउन / नई दिल्ली। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। 2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा।

सुपर सीरीज के बाद 12 टीमें मुख्य ग्रुप चरण में उतरेंगी। इन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा और प्रत्येक ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल 30 मैच होंगे। दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमें सुपर-7 में पहुंचेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी सुपर-7 में जगह मिलेगी। इस तरह कुल सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी।

विश्व कप का पहला चरण सुपर सीरीज होगा। इसमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के आधार पर सबसे निचली रैंकिंग वाली तीन टीमें हिस्सा लेंगी। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इस चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्व कप अभियान समाप्त हो जाएगा।

रोहित-कोहली के लिए अहम होगा मौका

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए 2027 वनडे विश्व कप अंतरराष्ट्रीय करियर को एक और विश्व कप खिताब के साथ यादगार बनाने का आखिरी मौका हो सकता है। रोहित शर्मा ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत को याद करते हुए कहा था कि वह 50 ओवर के प्रारूप में भी उस अहसास को दोबारा महसूस करना चाहते हैं। रोहित ने कहा था कि भारत के लिए विश्व कप जीतना बेहद खास अहसास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने टी20 प्रारूप में दो बार विश्व कप जीतने का अनुभव किया है। 2007 में वह महज 20 साल के युवा खिलाड़ी थे, जबकि 2024 में भारत ने लंबे अंतराल के बाद आईसीसी खिताब जीता। वहीं, विराट कोहली ने कहा कि 2027 विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और यही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। कोहली ने कहा था कि वह मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पैदल चल रहे सात लोगों को गाड़ी से रौंदा

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के कमला नगर इलाके में कुशाइगुडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। यह घटना 29 सितंबर की है। इस मामले में कार ड्राइवर की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर हुई है। जांच में सामने आया है कि जब यह हादसा हुआ, तब वो नशे में धुत था। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि पीड़ित बिहार के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए ECIL इलाके के एक अस्पताल में ले जाया गया। घटना के CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि लोगों का एक समूह सड़क पर चल रहा है और कुछ ही समय के बाद एक कार पीछे से आती है और सभी को टक्कर मार देती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पवन शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, तभी कार सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों से टकरा गई। घटना के समय कार में एक और व्यक्ति भी मौजूद था। कुशाइगुडा पुलिस ने पवन और उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

अमरावती समृद्धि महामार्ग पर भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत, 18 गंभीर घायल

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती में आज शुक्रवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया. यह हादसा समृद्धि महामार्ग पर हुआ. इस हादसे में करीब 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और लगभग 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरा मच गई. वहीं, जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचायाय. दरअसल, धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर एक ट्रक और बोलेरो पिकअप गाड़ी के बीच भीषण दुर्घटना हुई. हाईवे पर चैनेल नंबर 97 के पास हुई इस टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और 15 से 18 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि पिकअप में श्रद्धालु सवार थे और मां दुर्गा की मूर्ति लेकर शेगांव से वर्धा जा रहे थे. इस समय समृद्धि महामार्ग पर ट्रक और टेम्पो पिकअप की आपस में टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी टेंपो पिकअप बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया. गंभीर रूप से घायलों का इलाज वर्धा में चल रहा है. पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम और धमनगांव नगर परिषद की अध्यक्ष अर्चना रोथे ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. पुलिस हादसे की जांच कर रही है. धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर पहले भी हादसे हुए हैं. जून 2026 में, चंद्रपुर के एक परिवार के पांच सदस्यों की इसी इलाके में मौत हो गई थी, जब उनकी कार एक खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी. सड़क हादसा किस परिस्थिति में हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है. वहीं, मृतकों और घायलों की पहचान में पुलिस जुटी है.

सीजेपी को मिला वकीलों का साथः बोले- दमन हुआ तो बिना फीस के लड़ेंगे केस

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले की वसई लॉयर्स एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में सामने आने की बात कही है। संगठन ने कहा है कि अगर पार्टी के सदस्यों को किसी तरह के कथित दमन का सामना करना पड़ता है और उनके खिलाफ मामले दर्ज होते हैं, तो उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एसोसिएशन के प्रवक्ता दिगंबर देसाई ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। दिगंबर देसाई से पूछा गया था कि अगर सीजेपी के सदस्यों के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं तो क्या वकील उनके बचाव के लिए बिना फीस के आगे आएंगे।

इस पर उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रहना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनकी संस्था न्यायिक मंच पर ऐसे लोगों की मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वकील ऐसे मुद्दों पर समर्थन देने और जिन लोगों को कथित दमन का सामना करना पड़ रहा है, उनके साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

भाजपा ने किया कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में पेपर लीक का दावा, कहा- 30 से 40 लाख में हुआ पेपर का सौदा

बेंगलुरु, एजेंसी। बीजेपी ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। बीजेपी का दावा है कि कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का पेपर लीक हुआ। चालीस-चालीस लाख रुपये लेकर पेपर बेचा गया। इस घोटाले में कर्नाटक सरकार के मंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता शामिल हैं। इस घोटाले से ध्यान भटकाने के लिए डीके शिवकुमार और उनके मंत्री चुनाव आयोग को निशाना बना रहे हैं। आज संबित पात्रा ने कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में हुए इस पेपर लीक घोटाले को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

पेपर के लिए स्टूडेंट्स से मांगे गए 80 लाख रुपये: दरअसल, इसी साल 8 और 9 जनवरी को कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का एग्जाम हुआ था, लेकिन इससे एक दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। एस. मंजूनाथ नाम के एक व्यक्ति ने स्टिंग ऑपरेशन के जरिए इसके

सबूत जुटाए। फिर पता लगा कि ज्ञानेंद्र कुमार ने एग्जाम में आने वाले क्वेश्चन्स को पेन ड्राइव में लिया। फिर एक बिचौलिए बसवराज कन्नाले को एग्जाम में एपीयर होने वाले छात्रों से संपर्क करने को कहा। स्टूडेंट्स से 80 लाख रुपये मांगे गए। लेकिन सौदा 30 से 40 लाख में हुआ।

11 स्टूडेंट्स से वसूले गए 1 करोड़ 52 लाख रुपये

शुरू में 11 स्टूडेंट्स ने कुल 1 करोड़ 52 लाख रुपये दिए। बाकी की रकम के लिए पोस्ट डेटेड चेक लिए गए। इस पैसे में से 1 करोड़ 30 लाख रुपये ज्ञानेंद्र कुमार को दिए गए। रिश्वत की रकम से ज्ञानेंद्र कुमार ने ज्वेलरी खरीदे। इनमें 22 लाख रुपये का एक डायमंड नेकलैस मिला है। फिर बसवराज ने बेंगलुरु के बाहर रिजॉर्ट बुक किया। कैंडिडेट्स को इस रिजॉर्ट में ठहराया गया। पेपर के क्वेश्चन और आंसर्स बताए गए। 17 जुलाई को जब रिजल्ट आया तो इन सारे कैंडिडेट्स का सेलेक्शन हो गया। जब मामले का खुलासा हुआ तो कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी।

रेड में ईडी को मिले सबूत

फिर ईडी की एंट्री भी हो गई। ईडी की रेड में सारे सबूत मिल गए, जिन स्टूडेंट्स ने पैसे देकर पेपर पास किया था, उनमें से 10 लड़के एप्रूवर भी बन गए। अब इस मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट नें एसआईटी का गठन कर दिया है। इसीलिए आज संबित पात्रा ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार नौजवानों के भविष्य का सौदा कर रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक को रिश्वत का एटीएम बना दिया है। संबित ने कहा कि इस पेपर लीक घोटाले में सरकार के बड़े-बड़े नेता और मंत्री शामिल हैं, इसलिए कर्नाटक सरकार इस केस को दबाने में पूरी ताकत लगा रही है।

राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का चुनावी दावों को गलत बताने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

बेंगलुरु , एजेंसी। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के दौरान 'फॉर्म 7' के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल और उसके गलत इस्तेमाल की आपराधिक जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों के विरोध-प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनबुकुमार ने राज्य भर के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन आवेदकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करें जिन्होंने जानबूझकर झूठे दावे या आपत्तियां दर्ज कराई हैं. बता दें, राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का यह निर्देश गुरुवार 1 अक्टूबर को जिला चुनाव अधिकारियों और डिप्टी कमिश्नरों, बेंगलुरु चुनाव अधिकारियों और सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों के चुनावी पंजीकरण अधिकारियों को जारी किया गया था. मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनबुकुमार के मुताबिक यह माना गया कि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास बड़ी संख्या में 'फॉर्म 7' एप्लीकेशन जमा किए जाने के मामले ऑफिस की जानकारी में आए हैं और कुछ एप्लीकेशन की असलियत पर सवाल उठाए गए हैं. निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास फॉर्म 7 में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जा रहे हैं.

नागालैंड में बड़ा सियासी फेरबदल, एक पार्टी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ दल में शामिल

कोहिमा, एजेंसी। नागालैंड की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी कि एनपीपी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ नगा पीपुल्स फ्रंट यानी कि एनपीएफ में शामिल हो गए। इसके साथ

ही 60 सदस्यीय नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के विधायकों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। पांचों विधायकों ने 1 अक्टूबर को एनपीएफ में विलय की जानकारी विधानसभा को दी थी।

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की मौजूदगी में हुआ शामिल होना: एनपीपी के पांचों विधायक दीमापुर में एनपीएफ में शामिल हुए। इस मौके पर एनपीएफ अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, पार्टी के महासचिव अचुम्बेमो किकोन और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। एनपीएफ ने देर रात जारी बयान में पांचों विधायकों के पार्टी में शामिल होने की जानकारी दी। पार्टी ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे नागालैंड की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम बताया। नागालैंड विधानसभा सचिवालय की संशोधित पार्टी-संबद्धता सूची के मुताबिक, एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष और मोका से विधायक ए. न्यामन्येई कोन्याक, अर्काकोंग से विधायक नुक्लुतोशी, सेयोचुंग-सितिमी से विधायक सी. किपिली संगतम, कोहिमा टाउन से विधायक त्सेइलहौतुओ रुत्सो और थोनोकन्यू से विधायक बेनेई एम. लैमथियू एनपीएफ में शामिल हुए हैं। विधानसभा बुलेटिन के मुताबिक, पांचों विधायकों ने संविधान की दसवीं अनुसूची की संबंधित धाराओं के तहत एनपीएफ के साथ विलय की जानकारी दी थी। विधानसभा के सचिव खुओहितुओनुओ रियो की ओर से जारी बुलेटिन में विलय की तारीख 1 अक्टूबर दर्ज की गई है। जाने को नागालैंड के सत्तारूढ़ राजनीतिक समीकरण में एक और बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले पिछले साल एनडीपीपी विधायक दल के विलय के बाद एनपीएफ ने सत्ता पक्ष के बड़े हिस्से को अपने साथ मिला लिया था। अब एनपीपी के सभी पांच विधायकों के शामिल होने से विधानसभा में एनपीएफ की संख्या और बढ़ गई है। एनपीपी विधायकों का एनपीएफ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री और एनपीएफ अध्यक्ष नेफ्यू रियो ने कहा कि उनका पार्टी में शामिल होने का फैसला नगा लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पांचों विधायकों के एनपीएफ में आने से पार्टी और मजबूत होगी। इस नए राजनीतिक समीकरण के बाद नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के 39 विधायक हो गए हैं। इसके अलावा बीजेपी के 12 विधायक हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के दो, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के दो और जनता दल (यूनाइटेड) का एक विधायक है। विधानसभा में 4 निर्दलीय विधायक भी हैं। इस तरह एनपीपी के पांचों विधायकों के एनपीएफ में शामिल होने के बाद नागालैंड की 60 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ एनपीएफ की स्थिति और मजबूत हुई है।

राजस्थान के भरतपुर से कांग्रेस के दिग्गज नेता विश्वेन्द्र सिंह ने दिया इस्तीफ़ा

भरतपुर, एजेंसी। राजस्थान से बड़ी खबर सामने आई है। भरतपुर के दिग्गज नेता, राजघराने के विश्वेन्द्र सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफ़ा दे दिया है। पार्टी में हुई कलह की वजह से उन्होंने ये कदम उठाया है। कुछ दिनों पहले ही पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और विश्वेन्द्र सिंह के बीच काफ़ी बयानबाज़ी हुई थी, जिसके बाद डोटासरा ने विश्वेन्द्र सिंह के ख़िलाफ़ रिपोर्ट भेजी थी। उसके बाद से उन्हें निष्कासित करने की तैयारी की जा रही थी। विश्वेन्द्र सिंह ने निकाय चुनाव में पार्टी की हार के लिए टिकट वितरण को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल उठाए थे।

विश्वेंद्र सिंह ने फेसबुक पोस्ट किया, पूछा सवाल: पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, भरतपुर-डीग कांग्रेस का बंटाधार- जिम्मेदार कौन? उन्होंने लिखा, नगर निकाय में कांग्रेस की हार का एक ही कारण है- दोनों जिलाध्यक्षों ने चहेतों को टिकट बांटे और असली कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया। जनता ने सबक सिखा दिया। पहले निकाय चुनाव में

जनता को इन लोगों ने कब्र में दफनाया था, लेकिन जनता अब भी तैयार बैठी है। इस बार चुनाव में जनता दोनों जिलाध्यक्षों और इनको बचाने वाले प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को उसी कब्र में दफनाने को तैयार है।

सिंह ने आगे लिखा कि 'ये सीएम का गृह जिला है। यहां कांग्रेस मजबूत होनी चाहिए थी, पर इन लोगों ने पार्टी को डूबो दिया. प्रदेश अध्यक्ष मूक-बधिर बना बैठा है। जब तक ये दोनों कुर्सी पर हैं, कांग्रेस का उठना नामुमकिन है। प्रदेश नेतृत्व होश में आओ। विश्वेंद्र सिंह के अचानक इस्तीफा देने के पीछे मुख्य रूप से संगठनात्मक असंतोष और गुटबाजी को वजह माना जा रहा है। भरतपुर और डीग में निकाय चुनाव के खराब नतीजों के बाद आंतरिक कलह खुलकर बाहर आई। विश्वेंद्र सिंह ने हार का सीधा जिम्मेदार भरतपुर व डीग के कांग्रेस जिलाध्यक्षों और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को ठहराया।

उन्होंने आरोप लगाया कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर केवल 'चहेतों' को टिकट बांटे गए, जिससे समर्पित कार्यकर्ताओं में भारी रोष था।

स्वाभिमान और 'चापलूसी कल्चर': अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि पार्टी में चापलूसी का माहौल इतना बढ़ गया है कि वहां 'दम घुट रहा था' और घुट-घुट कर जीने से बेहतर स्वाभिमान के साथ अलग होना है। विश्वेंद्र सिंह ने हमला तेज करते हुए डोटासरा के शिक्षा मंत्री रहते ऋक्षश्वज्ञ भर्ती परीक्षा और परिजनों के आरक्षण/चयन से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग भी कर डाली। भरतपुर के पूर्व महाराजा विश्वेंद्र सिंह साल 2008 में भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। बीजेपी के तत्कालीन नेता स्वर्गीय दिगंबर सिंह से हुए विवाद के बाद वे कांग्रेस में आए थे।

जल-जंगल-जमीन बचाने वालों की आवाजें खामोश, 14 वर्षों में 2375 पर्यावरण रक्षकों की हत्या या गुमशुदगी

लंदन, एजेंसी। जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आवाज उठाना दुनिया के कई हिस्सों में लगातार जोखिम भरा होता जा रहा है। वर्ष 2025 में कम से कम 124 भूमि और पर्यावरण रक्षकों की हत्या कर दी गई। इनमें बड़ी संख्या छोटे किसानों, आदिवासी समुदायों और अन्य स्थानीय समूहों से जुड़े लोगों की थी। नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2012 से 2025 के बीच दुनिया में पर्यावरण और भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले कम से कम 2,375 लोगों की हत्या या गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए हैं। ग्लोबल विटनेस की रिपोर्ट कलेक्टिव पावर : द स्ट्रगल फॉर प्रोटेक्शन फॉर लैंड एंड एनवायरनमेंटल डिफेंडर्स के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में 124 पर्यावरण और भूमि रक्षकों की हत्या हुई। इनमें करीब 85 फीसदी मामले लैटिन अमेरिका में दर्ज किए गए। भारत में 2025 के दौरान दो पर्यावरण रक्षकों की हत्या दर्ज की गई। संख्या के लिहाज से यह आंकड़ा छोटा है, लेकिन यहां हिंसा का स्वरूप केवल हत्या तक सीमित नहीं है। आपराधिक मुकदमे, धमकियां और कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक रूप से बदनाम करने के अभियान भी दबाव के प्रमुख तरीके बन रहे हैं। 2012 से अब तक हत्या या गुमशुदगी के 2,375 मामले सामने आ चुके हैं। कोलंबिया में 39 और ब्राजील में 26 पर्यावरण रक्षक मारे गए। दोनों देशों के मामले मिलाकर वैश्विक कुल का आधे से अधिक हैं।

अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षा में चूक मामले में ब्रिटिश-ईरानी नागरिक गिरफ्तार, आतंकवादी साजिश का शक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिका द्वारा संचालित एक एयरबेस के पास हुई सुरक्षा घटना की जांच के सिलसिले में ब्रिटिश पुलिस ने ब्रिटेन और ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले 27 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस पर आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, व्यक्ति को गुरुवार को लंदन में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ब्रिटेन की राजधानी में दो ठिकानों की तलाशी ली गई। यह मामला रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ फेयरफोर्ड में सप्ताहांत के दौरान हुई सुरक्षा घ+टना से जुड़ा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने ईरान पर हमले के लिए किया है।

रविवार को इस मामले में लंदन के रहने वाले 20 साल की उम्र के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आतंकवाद रोधी पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय एक अन्य ब्रिटिश नागरिक से भी चेतावनी के तहत पूछताछ की गई है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस की आतंकवाद रोधी इकाई की वरिष्ठ राष्ट्रीय समन्वयक विकी इवांस ने कहा, 'जैसा कि हमने स्पष्ट किया है, हम सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिसमें

किसी विदेशी राज्य की संभावित संलिप्तता भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'मैं जनता को उनके लगातार समर्थन और धैर्य के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि हम इस जांच को आगे बढ़ा रहे हैं। '

इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में आरएएफ एयरबेस के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका रही है। इस मामले की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को आरएएफ फेयरफोर्ड के पास व्हेलफोर्ड गांव में पुलिस को सूचना मिलने के बाद 20 साल की उम्र के पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आरएएफ फेयरफोर्ड में बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के कर्मी और संचालन मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संदिग्धों को जमानत दिए जाने पर सवाल उठाया था। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, 'वास्तव में इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, यह अब भी एक जटिल और बेहद गंभीर पुलिस जांच है। इसलिए मैं इस समय इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मैंने सोमवार को कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम ए यानी कोबरा की बैठक की अध्यक्षता की थी।

पश्चिमी देशों को चेताया, कहा- रूस पर किया हमला तो करेंगे हर हथियार का इस्तेमाल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और विचारों की सराहना की है। पुतिन ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और यहां तक कि मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा व्यक्तिगत रूप से हमारे अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का सवाल उठाते हैं और इसके बारे में पूछते हैं।''

पुतिन ने कहा, 'प्रधानमंत्री की इसमें गहरी रुचि है और उनके पास ऐसे बहुत अच्छे विचार हैं, जिनका उद्देश्य दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना है। इस अर्थ में पीएम मोदी निश्चित रूप से तटस्थ रुख अपनाते हैं, लेकिन संघर्ष को समाप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि मेरा यह बात सीधे तौर पर कहना मेरा कर्तव्य है। हम पीएम मोदी के विचारों के लिए उनके आभारी हैं। हम शांतिपूर्ण तरीकों से और जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने की उनकी इच्छा के लिए आभारी हैं। '

रूसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब मॉस्को और नाटो के बीच तनाव को लेकर बयानबाजी तेज है। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने पास मौजूद 'सभी हथियारों' के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार करेगा।

विदेश नीति से जुड़े एक मंच पर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जब्त कर रहे हैं। पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर सैन्य गठबंधन के किसी सदस्य ने रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटेगा। रूस के कई यूरोपीय दूतावासों ने इस सप्ताह बयान जारी कर कहा कि मॉस्को के पास 'जानकारी है कि नाटो कालिनिनग्राद और कालिनिनग्राद क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। ' रूसी पक्ष ने यूरोपीय नेताओं पर 'खतरनाक खेल खेलने' का आरोप लगाया। मॉस्को ने उन दावों को भी बेतुका बताया, जिनमें कहा जा रहा है कि रूस किसी अन्य देश पर हमला कर सकता है या ड्रोन और तोड़फोड़ के जरिये अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां बढ़ा सकता है। गुरुवार को वाल्दाई क्लब के मंच पर पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस और नाटो युद्ध के करीब पहुंच गए हैं या दोनों एक-दूसरे को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा, 'यह डराने-धमकाने की बात नहीं है, बल्कि हमें डराने की कोशिश का जवाब है। ' पुतिन ने कहा कि नाटो को दी गई पिछली

चेतावनी में 'सब कुछ सही लिखा गया है।' उन्होंने कहा कि अगर रूस के खिलाफ सीधा हमला होता है, जिसमें कालिनिनग्राद या रूस का कोई अन्य क्षेत्र शामिल हो सकता है, तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल का सवाल 'अनिवार्य रूप से और तुरंत' सामने आएगा। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि रूस के पास ऐसे हथियार हैं 'जो किसी और के पास नहीं हैं' और हमला होने की स्थिति में यह तय किया जाएगा कि इनमें से किन हथियारों का इस्तेमाल किया जाए। पुतिन ने भारत के साथ परिवहन और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक चीनी कंटेनर जहाज और दक्षिण कोरियाई जहाज के साथ पायलट परियोजना की है और भारतीय मित्रों के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि रूस इन संभावनाओं वाले अंतरराष्ट्रीय गलियारों के संयुक्त इस्तेमाल के पक्ष में है। पुतिन ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का भी उल्लेख किया और कहा कि इसका विकास केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पुतिन ने कहा कि रूस इस परियोजना के लिए ऋण संसाधन उपलब्ध कराने को तैयार है, लेकिन अभी ईरान को अपने हिस्से का काम पूरा करना है। उन्होंने कहा कि गलियारे का एक हिस्सा अजरबैजान से होकर जाएगा और इस मुद्दे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ संपर्क है। पुतिन के अनुसार, इस मामले में कोई समस्या नहीं है और अजरबैजान भी सहमत है। उन्होंने भारत के साथ लॉजिस्टिक्स के अलावा आर्थिक सहयोग की बड़ी संभावनाओं की भी बात कही। पुतिन ने कहा कि भारत के साथ आर्थिक सहयोग की क्षमता केवल परिवहन और लॉजिस्टिक्स तक सीमित नहीं है। नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने बुधवार को पुष्टि की कि रूस ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को एक लिखित संदेश भेजा है। उन्होंने कहा, 'हम बल प्रयोग की धमकी, जिसमें गैर-जिम्मेदाराना परमाणु बयानबाजी भी शामिल है, की कड़ी निंदा करते हैं।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,